{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
गुरुवार 23 अप्रैल 2026
वैशाख शुक्ल 06 विक्रम संवत 2083
वर्ष 16, अंक 208
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	78,516.49
निफ्टी	24,378.10
सोना	1,54,750
चांदी	2,65,000
डॉलर	93.77

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

गुजरात के आणंद जिले में 3.4 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया

आणंद। गुजरात के आणंद जिले में बुधवार को 3.4 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया। भूकंपीय अनुसंधान संस्थान ने यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि भूकंप के कारण किसी के हताहत होने या संपत्ति के नुकसान की कोई खबर नहीं है। गांधीनगर स्थित संस्थान के अनुसार, भूकंप के यह झटके शाम 4.35 बजे महसूस किए गए और इसका केंद्र आणंद से 36 किलोमीटर उत्तर-उत्तरपूर्व में स्थित था। मामलतदार (आपदा) जयकिशन साधू ने कहा, सभी तालुका विकास अधिकारियों, मामलतदारों और मुख्य अधिकारियों को भूकंप के बारे में सूचित कर दिया गया है और उन्हें किसी भी प्रकार की क्षति की जानकारी देने का निर्देश दिया गया है। अभी तक संपत्ति को कोई नुकसान या किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है।

नेपा कागज मिल शुरू

नेपानगर। मध्यप्रदेश के नेपानगर स्थित नेपा कागज मिल एक बार फिर शुरू हो गई है, जिससे क्षेत्र में रोजगार और औद्योगिक गतिविधियों को नई गति मिलने की उम्मीद है। लंबे समय से बंद पड़ी इस मिल के चालू होने के साथ ही पहले ही दिन करीब 120 टन कागज का उत्पादन किया गया। प्रबंधन के अनुसार, मिल को आधुनिक तकनीक और बेहतर संसाधनों के साथ दोबारा संचालित किया जा रहा है, जिससे उत्पादन क्षमता में लगातार वृद्धि की योजना है। मिल के शुरू होने से स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे और आसपास के क्षेत्रों की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। सरकार और प्रबंधन का मानना है कि आने वाले दिनों में उत्पादन और बढ़ेगा, जिससे नेपा मिल एक बार फिर देश की प्रमुख कागज इकाइयों में अपनी पहचान बना सकेगी।

खुले केदारनाथ धाम के कपाट

रुद्रप्रयाग। चारधाम यात्रा के चौथे दिन बुधवार सुबह 8 बजे केदारनाथ धाम के कपाट विधिवत खोल दिए गए हैं। परंपरा के अनुसार सबसे पहले मंदिर के पूर्व द्वार को खोला गया और मुख्य पुजारी, रावल व हक-हकूकधारियों ने अंदर प्रवेश कर पूजा-अर्चना शुरू की। इस दौरान पिछले साल कपाट बंद करते समय ज्योतिर्लिंग पर लगाई गई भस्म को हटाकर श्रद्धालुओं में प्रसाद के रूप में बांटा गया। कपाट खुलने के मौके पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने धाम में पहुंचकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम की पहली पूजा कराई। वैदिक विधि-विधान के साथ पूजा प्रक्रिया पूरी होने के बाद मंदिर के मुख्य द्वार अब आम श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए और दर्शन शुरू हो गए हैं।

कुछ ना कहना

पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में आज मतदान

-तमिलनाडु की सभी 234 और पश्चिम बंगाल की 152 सीटों पर डलेंगे वोट, सुरक्षा के कड़े इंतजाम

कोलकाता/चेन्नई। पश्चिम बंगाल में पहले चरण की 152 और तमिलनाडु की सभी 234 विधानसभा सीटों पर गुरुवार को मतदान होंगे। चुनाव आयोग ने दोनों राज्यों में शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने के लिए व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए हैं, साथ ही सोशल मीडिया पर भी कड़ी निगरानी रखी जा रही है।

तमिलनाडु में एक ही चरण में सभी सीटों पर मतदान

तमिलनाडु में सभी 234 विधानसभा सीटों पर एक ही चरण में मतदान होगा। इस बार 4,023 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं और करीब 5.73 करोड़ मतदाता अपने मत का प्रयोग करेंगे। इस चुनाव में अभिनेता से नेता बने विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कड़गम (टीवीके) पर खास नजरें हैं। कई सीटों पर उन्हें मिल रहे समर्थन के चलते उनकी भूमिका अहम मानी जा रही है। तमिलनाडु में लोकतंत्र के इस बड़े त्योहार में 5.73 करोड़ मतदाता हिस्सा लेंगे। इस चुनाव में राजनीतिक दलों और निर्दलीयों सहित कुल 4,618 उम्मीदवार मैदान में हैं। पूरे तमिलनाडु में लगभग 75,032 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। इनमें से 3,022 स्थानों पर स्थित 5,938 मतदान केंद्रों को संवेदनशील घोषित किया गया है।

बंगाल में पहले चरण में 152 सीटों पर मतदान

पश्चिम बंगाल में पहले चरण में 152 विधानसभा सीटों पर मतदान होना है। इस चरण में कुल 1,478 उम्मीदवार मैदान में हैं। तीन करोड़ सात लाख 77 हजार 171 मतदाता इस चरण में मतदान के लिये पात्र हैं। इनमें एक करोड़ 84 लाख 99 हजार 496 पुरुष मतदाता, एक करोड़ 75 लाख 77 हजार 210 महिला मतदाता और 400 किन्नर मतदाता हैं। राज्य में इस बार महिलाओं की भागीदारी को बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। आरक्षण और सामाजिक मुद्दों के बीच महिला वोटर्स चुनाव परिणाम को प्रभावित कर सकती हैं। पहले चरण में उत्तर बंगाल, दक्षिण बंगाल और जंगलमहल क्षेत्र के कई जिले शामिल हैं, जिनमें मुर्शिदाबाद, कूचबिहार, दार्जिलिंग, मालदा, बीरभूम, पुरुलिया और बांकुड़ा जैसे जिले प्रमुख हैं।

सुरक्षा और निगरानी के पुख्ता इंतजाम

चुनाव आयोग ने संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए हैं। निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने के लिए हर स्तर पर निगरानी बढ़ाई गई है। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए निर्वाचन आयोग ने केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की रिकॉर्ड 2,450 कंपनियां तैनात की हैं। यानी करीब 2.5 लाख सुरक्षाकर्मी। आयोग ने सुरक्षा व्यवस्था को कड़ा करते हुए 8,000 से अधिक मतदान केंद्रों को अत्यधिक संवेदनशील घोषित किया है। केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के जवानों के अलावा सर्विलांस टीमें और 2,193 क्विक रिस्पॉन्स टीमें भी तैनात की गई हैं, ताकि किसी भी घटना पर तुरंत कार्रवाई की जा सके। वहीं तमिलनाडु में पुलिस, अर्धसैनिक बल, अग्निशमन विभाग, जेल विभाग, वन विभाग, होमगार्ड और सेवानिवृत्त सैनिकों सहित लगभग 1.47 लाख सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए हैं। इसके अलावा, केंद्रीय सुरक्षा बलों की लगभग 295 कंपनियों से करीब 23,000 अर्धसैनिक जवान तमिलनाडु पहुंचे हैं। इनमें 26,203 इंस्पेक्टर, सब-इंस्पेक्टर, विशेष सब-इंस्पेक्टर और 94,598 हेड कांस्टेबल व पुलिसकर्मी शामिल हैं।

[illegible]

पीएम मोदी को आंतकवादी कहकर बुरे फंसे मल्लिकार्जुन खरगे...शिकायत करने आयोग पहुंची बीजेपी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि वह पूर्ण आयोग के सामने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ की गई निंदनीय टिप्पणियों को उजागर करने उपस्थित हुईं, जिसमें विपक्ष द्वारा बार-बार अपमानजनक भाषा के प्रयोग का आरोप लगाया था। भाजपा प्रतिनिधिमंडल द्वारा चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कराने के बाद संयुक्त प्रेसवार्ता में सीतारमण ने कहा कि कांग्रेस ने प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ बार-बार अपमानजनक भाषा का प्रयोग करने का एक पैटर्न दिखाया है।

वित्त मंत्री सीतारमन ने कहा कि आज हम मतदान आयोग के समक्ष मौजूद हुए, ताकि उन्हें अवगत कराया जाए कि कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता ने चुनाव वाले राज्य में मीडिया को संबोधित कर बेहद निंदनीय शब्दों का प्रयोग किया है और प्रधानमंत्री को आतंकवादी कहा है...कांग्रेस ने प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ बार-बार अपमानजनक भाषा का प्रयोग करने का एक पैटर्न दिखाया है।

वित्त मंत्री सीतारमण ने पहलगाम आतंकी हमले की बरसी का जिक्र कर कहा कि इस तरह की टिप्पणी का समय बेहद संवेदनशील है। उन्होंने कहा कि जैसा कि किरण जी ने सही कहा, आज हम पहलगाम हमले की एक सालगिरह मना रहे हैं, जहां निहत्थे नागरिकों को उनके परिवारों के सामने ही मार दिया गया था। आज हम इस घटना की पहली बरसी मना रहे हैं और ठीक उसी दिन की पूर्व संध्या पर खरगे का चुनाव वाले राज्य चेन्नई जाते हैं, वहां एक प्रेसवार्ता में बैठकर ये बातें कहते हैं।

केंद्रीय वित्त मंत्री सीतारमन ने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी लगातार प्रधानमंत्री के खिलाफ अपमानजनक भाषा का प्रयोग करती रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की आदत बन गई है कि वे प्रधानमंत्री के खिलाफ चुनिंदा अपमानजनक भाषा का प्रयोग करते हैं और बार-बार ऐसा करते हैं, उनके रवैये में कोई बदलाव या सुधार नहीं आया है। उन्होंने अपना दृष्टिकोण नहीं बदला है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को निशाना बनाकर दिए जा रहे बार-बार के बयानों पर चिंता जताकर मामला पूरी आयोग के समक्ष उठाया गया था।

भारत कभी भी आतंक के सामने नहीं झुकेगा, हम सब दुःख और संकल्प में एकजुट हैं

पहलगाम आतंकी हमले की पहली बरसी पर पीएम मोदी ने पीड़ितों को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। पिछले साल पहलगाम में हुए आतंकी हमले की पहली बरसी पर पीएम मोदी ने पीड़ितों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। 22 अप्रैल, 2025 को हुए इस हमले ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया था, जिसमें 26 निर्दोष लोगों की जान चली गई थी। हमले की पहली बरसी पर एक्स पर पोस्ट में पीएम मोदी ने कहा कि वह पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा मारे गए लोगों के शोक संतप्त परिवारों के साथ खड़ा हैं। उन्होंने लिखा- पिछले साल आज ही के दिन पहलगाम में हुए आतंकी हमले में मारे गए निर्दोष लोगों की याद आ रही है। उन्हें कभी नहीं भुलाया जाएगा। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं क्योंकि वे इस नुकसान से जूझ रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक राष्ट्र के रूप में हम दु:ख और संकल्प में एकजुट हैं। भारत कभी भी किसी भी प्रकार के आतंक के सामने नहीं झुकेगा। आतंकवादियों के घृणित मंसूबे कभी सफल नहीं होंगे। पिछले साल 22 अप्रैल को दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों ने 26 लोगों की हत्या कर दी थी, जिनमें अधिकतर पर्यटक थे। इसके जवाब में भारत ने भी 7 मई को एक सैन्य अभियान शुरू किया, जिसमें पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में कई आतंकी बुनियादी ढांचे के ठिकानों पर हमला किया गया और उन्हें तबाह कर दिया गया।

पहलगाम हमले की पहली बरसी की पूर्व संध्या पर भारतीय सेना ने मंगलवार को आतंकवाद से लड़ने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि जब मानवता की सीमाएं पार हो जाती हैं, तो प्रतिक्रिया निर्णायक होती है। पिछले साल 22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकवादियों ने 26 लोगों की हत्या कर दी थी, जिनमें अधिकतर पर्यटक और एक स्थानीय नागरिक आदिल भी था जिसने आतंकियों से जूझते हुए अपनी जान गंवाई थी।

हमले की बरसी से पहले जिसने देश को झकझोर कर रख दिया और व्यापक वैश्विक निंदा की, सेना ने एक्स पर एक पोस्ट में एक प्रतीकात्मक डिजिटल पोस्टर भी दिखाया जिसमें भारत का एक छायाचित्र मानचित्र दिखाया गया है और कैप्शन दिया गया है कुछ सीमाएं कभी भी पार नहीं की जानी चाहिए। कॉन्सेप्ट में ओ अक्षर को एक कटोरे में सिन्दूर के रूप में दर्शाया गया था, जबकि नीचे एक टैगलाइन में लाल रंग से रेखांकित किया गया था, भारत भूलता नहीं है।

लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े 7 आतंकियों को 7 साल की कैद

-एनआई की स्पेशल कोर्ट का फैसला, बेंगलुरु जेल में कैदियों को कट्टरपंथी बना रहे थे

बेंगलुरु। एनआईए की स्पेशल कोर्ट ने 2023 के बेंगलुरु जेल में कट्टरपंथी बनाने की साजिश के मामले में बड़ा फैसला सुनाया है। एनआई की स्पेशल कोर्ट ने बेंगलुरु जेल में कट्टरपंथी बनाने की साजिश में टी नसीर समेत लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े 7 आतंकियों को 7 साल की कैद की सजा सुनाई है। साथ ही 48 हजार रुपये जुर्माना भी लगाया है। मामले में टी नसीर के अलावा सैयद सुहैल खान, मोहम्मद उमर, जाहिद तबरेज, सैयद मुदस्सिर पाशा, मोहम्मद फैसल रब्बानी और सलमान खान को सजा दी गई है।

जांच एजेंसी के मुताबिक, यह मामला लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ी आतंकी साजिश का है, जिसे बेंगलुरु की परप्पना अग्रहारा सेंट्रल जेल के अंदर रचा गया था। साजिश के तहत जेल में बंद युवाओं की पहचान कर उनकी भर्ती, ट्रेनिंग और कट्टरपंथी बनाने की योजना बनाई गई थी, ताकि उन्हें भारत में आतंकी गतिविधियों के लिए इस्तेमाल किया जा सके। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी बेंगलुरु शहर में आतंकी हमले की तैयारी कर रहे थे और प्रतिबंधित संगठन के एंटी-इंडिया एजेंडे को आगे बढ़ाने की योजना बना रहे थे। यह मामला सबसे पहले जुलाई 2023 में बेंगलुरु सेंट्रल क्राइम ब्रांच (सीसीबी) ने दर्ज किया था, जब कुछ अपराधियों के पास से हथियार, गोला-बारूद और डिजिटल डिवाइस बरामद किए गए थे। बाद में जांच एनआईए को सौंप दी गई थी।

मानहानि मामले में राहुल गांधी के वकील की कोर्ट में बहस, 2 मई को आएगा फैसला

[illegible]

अल्लू अर्जुन को कोर्ट से बड़ी राहत : एआई और डीपफेक पर लगाया सख्त प्रतिबंध

दिल्ली हाईकोर्ट का ऐतिहासिक आदेश, बिना अनुमति नाम-चेहरा-आवाज के इस्तेमाल पर रोक

नई दिल्ली। तेलुगु सिनेमा के सुपरस्टार अल्लू अर्जुन को दिल्ली हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। अदालत ने उनके पक्ष में फैसला सुनाते हुए कई कंपनियों, ई-कॉमर्स वेबसाइट्स और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स को उनकी पहचान का बिना अनुमति इस्तेमाल करने से सख्ती से रोक दिया है।

यह फैसला जस्टिस तुषार राव गेडेला की एकल पीठ ने सुनाया। कोर्ट ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि किसी भी व्यक्ति या संस्था द्वारा अल्लू अर्जुन के नाम, चेहरे, आवाज, स्टाइल, डायलॉग या किसी भी पहचान का उपयोग निजी या व्यावसायिक लाभ के लिए नहीं किया जा सकता। दरअसल अभिनेता अल्लू अर्जुन ने अदालत में याचिका दायर कर आरोप लगाया था कि कुछ प्लेटफॉर्म्स उनकी अनुमति के बिना उनके नाम से उत्पाद बेच रहे हैं और इंटरनेट पर भ्रामक व आपत्तिजनक कंटेंट फैला रहे हैं। साथ ही, एआई तकनीक का इस्तेमाल कर उनकी आवाज की नकल कर फर्जी कॉल और डीपफेक सामग्री तैयार की जा रही थी, जिससे उनकी छवि और करियर प्रभावित हो रहे थे।

अदालत ने माना कि अल्लू अर्जुन एक प्रतिष्ठित कलाकार हैं, जिन्होंने वर्षों की मेहनत से अपनी पहचान बनाई है। कोर्ट ने उनके फिल्मी सफर का जिक्र करते हुए कहा कि 'पुष्पा: द राइज' और 'पुष्पा-2: द रूल' जैसी फिल्मों से उन्हें वैश्विक स्तर पर पहचान मिली है। जस्टिस गेडेला ने कहा कि अभिनेता की पहचान से जुड़ी हर चीज उनकी बौद्धिक संपदा और व्यक्तित्व का हिस्सा है, जिसका अनधिकृत उपयोग कानून का उल्लंघन है। अदालत ने यह भी माना कि पहली नजर में यह स्पष्ट है कि कुछ लोग उनकी पहचान का गलत इस्तेमाल कर रहे थे, जिससे उन्हें अपूरणीय नुकसान हो सकता था।

कोर्ट ने फैसले में यह भी निर्देश दिया, कि जिन वेबसाइट्स या लिंक पर ऐसा कंटेंट मौजूद है, उन्हें 72 घंटे के भीतर हटाया जाए। साथ ही, सभी प्लेटफॉर्म्स को भविष्य में इस तरह के कंटेंट को तुरंत ब्लॉक करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

आई-पैक केस में सुप्रीम कोर्ट की कड़ी फटकार, कहा

ममता ने जांच में दिया दखल

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की उस हरकत पर कड़ी नाराजगी जताई, जिसमें वह इस साल जनवरी में ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) की छापेमारी के दौरान आई-पैक के को-फाउंडर प्रतीक जैन के घर पहुंच गई थीं। कोर्ट ने कहा कि इस तरह का कदम लोकतंत्र को खतरे में डाल सकता है।

जस्टिस पीके मिश्रा और जस्टिस एनवी अंजारिया की पीठ ईडी की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें इस मामले की जांच सीबीआई से कराने की मांग की गई है। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने टिप्पणी की, किसी भी राज्य का मुख्यमंत्री जांच के बीच में हस्तक्षेप नहीं कर सकता, इससे लोकतंत्र खतरे में पड़ता है। बाद में यह कहना कि इसे केंद्र बनाम राज्य का विवाद न बनाया जाए, स्वीकार्य नहीं है। यह एक ऐसे व्यक्ति द्वारा उठाया गया कदम था, जो संयोग से एक राज्य की मुख्यमंत्री हैं। इससे लोकतांत्रिक व्यवस्था पर खतरा उत्पन्न होता है।

ईडी जांच में हस्तक्षेप का मामला

यह विवाद जनवरी में ईडी द्वारा प्रतीक जैन के आवास पर कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में की गई छापेमारी से जुड़ा है। केंद्रीय एजेंसी का आरोप है कि ममता बनर्जी जांच के दौरान मौके पर पहुंचीं और अहम दस्तावेज अपने साथ लेकर चली गईं, जिससे यह मामला बड़ा राजनीतिक विवाद बन गया। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि संवैधानिक विशेषज्ञों एचएम सीरवई और बीआर आंबेडकर ने शायद ऐसी स्थिति की कल्पना नहीं की होगी, जहां कोई मौजूदा मुख्यमंत्री किसी जांच में हस्तक्षेप करे। सुनवाई के दौरान पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने दलील दी कि ईडी एक एजेंसी के रूप में मौलिक अधिकारों का दावा नहीं कर सकती। उन्होंने कहा कि एजेंसी कोई अलग न्यायिक इकाई नहीं है और उसे जांच करने का कोई मौलिक अधिकार प्राप्त नहीं है।

सीडीएससीओ की जांच में देश में बनी 141 दवाओं के सैंपल फेल निकले

सोलन। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) की जांच में देश में बनी 141 दवाओं के सैंपल फेल निकले हैं। इसमें 46 दवाएं हिमाचल प्रदेश के बद्दी, बरोटीवाला, नालागढ़, कालाअंब, ऊना, सोलन में बनी हैं। जिन दवाओं के सैंपल फेल हुए हैं, उसमें से ज्यादातर दवाएं सिर दर्द, पेट दर्द, बीपी, शुगर, अल्सर, विभिन्न संक्रामक बीमारियों में इस्तेमाल होती हैं। साथ ही कैंसर और हार्ट रोग जैसी खतरनाक बीमारियों के दवाओं के सैंपल भी फेल पाए गए।

सीडीएससीओ द्वारा जारी मार्च के ड्रग अलर्ट के अनुसार, गुणवत्ता जांच में फेल मिली, इन दवाओं को 'नॉट ऑफ स्टैंडर्ड क्वालिटी' (एनएसक्यू) घोषित किया गया। ड्रग कंट्रोलर ने संबंधित कंपनियों को नोटिस जारी कर स्टॉक वापस मंगवाने के आदेश दे दिए हैं।

सैंपल फेल होने से स्वास्थ्य विभाग और ड्रग कंट्रोलर विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। क्योंकि फेल दवाओं में कुछ ऐसी दवाएं भी शामिल हैं, जो जनवरी 2024 की बनी हुई हैं। हालांकि, सैंपल फेल होने के बाद ड्रग्स कंट्रोलर डिपार्टमेंट ने फेल सैंपल के बैच का सारा स्टॉक वापस मांग लिया है।

असिस्टेंट ड्रग कंट्रोलर ने बताया कि ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक एक्ट में किसी भी दवाई की मेन्युफैक्चरिंग यूनिट से सप्लाई करने से पहले सैंपलिंग अनिवार्य नहीं है। ड्रग कंट्रोलर डिपार्टमेंट रैंडम सैंपलिंग करता है। जांच के बाद रिपोर्ट आने पर यदि किसी दवाई के सैंपल फेल होते हैं तो उस दवाई के पूरे स्टॉक को वापस मंगा लिया जाता है। एक्ट के मुताबिक-दवा की क्वालिटी सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी पूरी तरह निर्माता कंपनी की होती है।

टीएल बैठक में समय सीमा प्रकरणों की हुई समीक्षा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

22 अप्रैल को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में टीएल बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में कलेक्टर मृणाल मीना ने विभिन्न विभागों के समय सीमा संबंधी प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टर श्री डीपी बर्मन,संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक, मायाराम कोल, डिप्टी कलेक्टर प्रदीप कौरव, एसडीएम गोपाल सोनी एवं अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में सभी एसडीएम, तहसीलदार, जनपद सीईओ एवं नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारी वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से उपस्थित थे।

जनगणना 2027 स्व-गणना में तेजी लाने के निर्देश

बैठक में सर्वप्रथम जनगणना 2027 के प्रशिक्षण एवं स्वगणना की समीक्षा की गई। समीक्षा में पाया गया कि बालाघाट जिले की जनसंख्या के अनुपात में अब तक बहुत कम संख्या में नागरिकों ने सेल्फ इन्यूमिरेशन (स्वगणना) की है। कलेक्टर मीना ने इस स्थिति पर नाराजगी जाहिर की और निर्देशित किया कि स्व-गणना करने के लिए अधिक से अधिक लोगों को प्रोत्साहित किया जाए और शीघ्रता से उन्हें स्व-गणना का आईडी प्राप्त करने कहा जाए। उन्होंने सभी शासकीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों को 22 अप्रैल को अनिवार्य रूप से स्व-गणना करने के निर्देश दिये। स्व-गणना का कार्य 30 अप्रैल तक ऑनलाईन किया जाना है। उसके बाद 01 मई से 30 मई तक प्रगणक द्वारा घर-घर जाकर जनगणना की जाएगी।

गेहूँ, चना विक्रय करने वाले किसानों से निर्धारित समय में स्लॉट बुक कराना अनिवार्य

बैठक में समर्थन मूल्य पर गेहूँ एवं चना तथा भावांतर योजना में सरसो की खरीदी की समीक्षा की गई। इस दौरान बताया गया कि समर्थन मूल्य पर 14 किसानों से 254 क्विंटल गेहूँ की खरीदी की जा चुकी है। अब तक 800 किसानों ने समर्थन मूल्य पर गेहूँ विक्रय के लिए स्लॉट बुक करा लिया है। समर्थन मूल्य पर चना विक्रय के लिए 2609 किसानों ने पंजीयन किया है। इसमें से 233 किसानों ने स्लॉट बुक करा लिया है। चना खरीदी के लिए जिले में 08 केंद्र बनाये गए है। चने की खरीदी 28 मई तक की जाएगी। कलेक्टर श्री मीना ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि समर्थन मूल्य पर गेहूँ, चना विक्रय करने वाले किसानों से निर्धारित समय सीमा के भीतर स्लॉट बुक करा ले। सभी खरीदी केंद्रो पर किसानों की सुविधा के लिए छाया एवं पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

विभागों की तत्परता से जल गंगा संवर्धन अभियान को मिलेगी गति

बैठक में जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्री मीना ने निर्देशित किया कि इस अभियान में जिन विभागों को जल संरक्षण के कार्य सौंपे गए है वे समय सीमा में उन कार्यों को अनिवार्य रूप से पूर्ण करें। इस अभियान के अंतर्गत सभी शासकीय भवनों, स्कूल एवं कॉलेज भवनों एवं छात्रावास भवनों में रेन वॉटर हार्वेस्टिंग की व्यवस्था करने के निर्देश दिये गए। बड़े शासकीय भवनों में रेन वॉटर हार्वेस्टिंग के साथ सोलर पेनल लगाने के निर्देश दिये गए। इस अभियान के अंतर्गत महिला एवं बाल विकास विभाग को सक्षम आंगनवाड़ी केंद्रो में पोषण वाटिका एवं रेन वॉटर हार्वेस्टिंग का कार्य शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिये गए। इसी प्रकार जिला एवं व्यापार एवं उद्योग केंद्र की महाप्रबंधक को जिले के औद्योगिक क्षेत्रों में पौधारोपण के लक्ष्य को समय सीमा में पूर्ण कराने कहा गया। जिले की नगरीय निकायों में इस अभियान के अंतर्गत हरित क्षेत्र विकास के कार्य तत्परता से करने के निर्देश दिये गए।

नगरीय निर्माण, खेती व आपूर्ति व्यवस्था पर सख्त निर्देश

बैठक में कलेक्टर श्री मीना ने जिले के सभी नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को निर्देशित किया कि नगरीय क्षेत्रों में बगैर अनुमति के कोई भी आवास नही बनना चाहिए। सहायक संचालक उद्यान को निर्देशित किया गया कि जिले में मखाना की खेती को प्रोत्साहित करने के लिए तत्परता के साथ कार्य करें और मखाना की खेती शुरू करने वाले किसानों को सतत मार्गदर्शन दें। सहायक संचालक मत्स्योद्योग को निर्देशित किया गया कि जिले के जलाशयों में मत्स्य पालन के लिए अधिक संख्या में केजकल्चर लगाए। केजकल्चर लगाने के लिए आवेदन करने की तिथि 30 अप्रैल तक बढ़ाने के निर्देश दिये गए। कलेक्टर श्री मीना ने जिला आपूर्ति अधिकारी को निर्देशित किया कि जिले में डीजल, पेट्रोल एवं एलपीजी गैस की आपूर्ति पर सतत निगरानी रखे और सुनिश्चित करें कि उपभोक्ताओं को डीजल, पेट्रोल एवं एलपीजी गैस सुगमता से उपलब्ध हो।

बैठक में बताया गया कि जिले में मखाना की खेती के लिए 05 स्थानों का चयन किया गया है और उनमें 32 किसानों द्वारा मखाना लगाया गया है, जो वर्तमान में अंकुरण की स्थिति में है। सहायक संचालक मत्स्योद्योग द्वारा बताया गया कि जिले के जलाशयों में मत्स्यपालन के लिए 720 केजकल्चर लगाये जा सकते है। अब तक 540 केजकल्चर लगाने के लिए आवेदन प्राप्त हो चुके है। जिला आपूर्ति अधिकारी द्वारा बताया गया कि जिले में डीजल, पेट्रोल एवं एलपीजी गैस की कोई कमी नही है और इनकी नियमित रूप से आपूर्ति हो रही है।

सीएम हेल्पलाइन व योजनाओं की समीक्षा पर अधिकारियों को सख्त निर्देश

बैठक में वनग्राम से राजस्व ग्राम में परिवर्तन, सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए 14 वर्ष की बालिकाओं को एचपीवी टीकाकरण, सीएम हेल्पलाईन के प्रकरण, लोक सेवा गारण्टी, संकल्प से समाधान अभियान के शिविरो में प्राप्त आवेदन के निराकरण की भी समीक्षा की गई। इस दौरान कलेक्टर श्री मीना ने सभी अधिकारियों को सख्त निर्देश दिये कि सीएम हेल्पलाईन की शिकायतों का तत्परता के साथ निराकरण करें। जिन अधिकारियों की लापरवाही से जिले की ग्रेडिंग प्रभावित होगी उनका वेतन रोकने की कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने जनसुनवाई में प्राप्त होने वाले आवेदनों का तत्परता के साथ निराकरण करने और जनआकांक्षा पोर्टल पर की गई कार्यवाही का विवरण अनिवार्य रूप से दर्ज करने के निर्देश दिये। कलेक्टर श्री मीना ने जिला श्रम पदाधिकारी को निर्देशित किया कि श्रमयोगी मानधन योजना के अंतर्गत सभी पात्र लोगों का शीघ्रता से पंजीयन कराए।

ऋण वितरण में तेजी लाकर युवाओं को रोजगार से जोड़ने के निर्देश

बैठक में कलेक्टर श्री मीना ने प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत प्रशिक्षण प्राप्त युवाओं को बैंक से ऋण उपलब्ध कराकर उन्हें रोजगारमूलक गतिविधियों से जोड़ने के निर्देश दिये। इसी प्रकार पशुपालन विभाग की योजनाओं में ऋण वितरण का लक्ष्य शीघ्र पूर्ण करने कहा गया। उन्होंने अग्रणी बैंक प्रबंधक और संबंधित विभाग के अधिकारी को समन्वय कर बैंक से शीघ्रता से ऋण दिलाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि ऋण संबंधी आवेदनों में जिन दस्तावेजों की कमी है संबंधित विभाग के अधिकारी हितग्राही से संपर्क कर बैंक को वह दस्तावेज उपलब्ध कराए। उन्होंने अग्रणी बैंक प्रबंधक से कहा कि वे सुनिश्चित करें कि बैंक में कोई भी ऋण प्रकरण अनावश्यक लंबित नही रहना चाहिए।

श्री दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर का 14वां स्थापना महोत्सव आज

भजन संध्या से हवन-पूजन तक होंगे धार्मिक आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर के स्थानीय गुजरी बाजार स्थित प्रसिद्ध श्री दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर का 14वां स्थापना महोत्सव 23 एवं 24 अप्रैल को श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया जाएगा। दो दिवसीय इस धार्मिक आयोजन को लेकर मंदिर समिति द्वारा व्यापक तैयारियां की गई हैं। महोत्सव के दौरान भजन संध्या, हवन-पूजन और महाप्रसादी सहित कई धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस

संबंध में श्री दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर समिति के पदाधिकारी पुरुषोत्तम शर्मा ने मंगलवार 22 अप्रैल को अपने निवास पर प्रेस वार्ता आयोजित कर कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि इस मंदिर की स्थापना का सपना उनके दादाजी ने देखा था और उनकी ही परिकल्पना के तहत वर्ष 2012 में मंदिर की स्थापना उनके द्वारा की गई थी। प्रेस वार्ता में श्री शर्मा ने बताया कि उनके दादाजी अब इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन उनके द्वारा स्थापित इस मंदिर की परंपरा को परिवार और मंदिर समिति आज भी पूरी श्रद्धा और समर्पण के साथ आगे बढ़ा रही है। हर वर्ष मंदिर का स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया जाता है और इस वर्ष भी इसे भव्य रूप दिया जा रहा है। पुरुषोत्तम शर्मा ने बताया कि 23 अप्रैल को शाम 7 बजे से भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा, जिसमें मध्यप्रदेश के सुप्रसिद्ध भजन गायक अपनी प्रस्तुतियां देकर श्रद्धालुओं को भक्ति रस में सराबोर करेंगे। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। वहीं 24 अप्रैल को सुबह से मंदिर परिसर में विधि-विधान के साथ विशेष हवन-पूजन का आयोजन किया जाएगा। इसके बाद श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसादी का वितरण किया जाएगा। मंदिर समिति ने दोनों दिनों के कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी कर ली हैं। समिति पदाधिकारियों ने बताया कि स्थापना महोत्सव केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि सामाजिक और आध्यात्मिक एकता का भी प्रतीक है, जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु एकत्र होकर पूजा-अर्चना करते हैं। मंदिर समिति ने शहर एवं आसपास के श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे इस दो दिवसीय धार्मिक आयोजन में शामिल होकर भगवान हनुमान का आशीर्वाद प्राप्त करें और पुण्य लाभ अर्जित करें।

23 अप्रैल को जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला पंचायत बालाघाट की सामान्य सभा की बैठक 23 अप्रैल 2026 को दोपहर 12 बजे से जिला पंचायत कार्यालय के सभा कक्ष में आयोजित की गई है। बैठक की अध्यक्षता जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सम्राट सिंह सरसवार करेंगे। इस बैठक में पिछली सामान्य सभा के पालन प्रतिवेदन की समीक्षा, शिक्षा विभाग के कार्यों की समीक्षा, सामाजिक न्याय एवं नि:शक्तजन कल्याण विभाग के कार्यों की समीक्षा, वन विभाग के कार्यों की समीक्षा, आदिम जाति कल्याण विभाग के कार्यों की समीक्षा तथा प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत प्रगति की समीक्षा शामिल है। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ ने सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे बैठक में आवश्यक अभिलेख एवं पूर्ण जानकारी के साथ अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें।

अब माननीयों की मनमानी नहीं टाइमलाइन से होंगी बैठकें और दौरे

- भाजपा ने प्रदेश अध्यक्ष से लेकर बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं के लिए बनाई गाइडलाइन

भोपाल । मप्र में भाजपा ने अपने सांगठनिक ढांचे को नई धार देने के लिए एक बड़ी व्यवस्था लागू की है। पार्टी ने इतिहास में पहली बार बैठकों और प्रवास के लिए एक सख्त टाइमलाइन निर्धारित कर दी है। अब प्रदेश अध्यक्ष से लेकर बूथ स्तर के कार्यकर्ता को शेड्यूल के अनुसार ही होंगी बैठकें और दौरे करने होंगे। इस व्यवस्था का मुख्य उद्देश्य संगठन और सरकार के बीच बेहतर तालमेल और योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना है। पार्टी की नई रणनीति के तहत भाजपा प्रदेश संगठन की ओर से पार्टी के सभी संभाग प्रभारी, जिला प्रभारी व जिलाध्यक्षों को पार्टी की बैठक और प्रवास संबंधी कार्ययोजना, जारी की है। पार्टी संगठन ने यह आंतरिक पत्र प्रदेश के शीर्ष नेतृत्व, मुख्यमंत्री मोहन यादव, प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, क्षेत्रीय संगठन मंत्री अजय जामवाल और प्रदेश प्रभारी महेंद्र सिंह से मार्गदर्शन लेकर जारी किया है।

नई संरचना के क्रियान्वयन में पारदर्शिता व जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए तकनीक का सहारा लिया जाएगा। पत्र के अनुसार, सभी बैठकों का विवरण, उपस्थिति व चर्चा के प्रमुख विषयों को फोटो सहित संगठन एप पर अपलोड करना अनिवार्य होगा। बैठकों की जानकारी निर्धारित वॉट्सएप नंबर पर भी साझा करनी होगी। भाजपा ने अपनी सांगठनिक मशीनरी को जमीनी स्तर पर पूरी तरह से बदलने की तैयारी कर ली है। पार्टी का अब सबसे मुख्य फोकस एसआईआर प्रक्रिया के बाद हुए बूथ पुनर्गठन के आधार पर नई सांगठनिक संरचना को प्रभावी ढंग से लागू करना है। गौरतलब है कि मप्र में एसआईआर से पहले तक कुल 65,014 पोलिंग बूथ (मतदान केंद्र) थे। लेकिन एसआईआर के दौरान चुनाव आयोग की नई गाइडलाइन के लागू होने के बाद मप्र में 8 हजार नए बूथ बने हैं।

टाइमलाइन के तहत नई कार्ययोजना

संगठन की इस टाइमलाइन के तहत नई कार्ययोजना के शुरुआत में प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल और कुछ वरिष्ठ नेता 10 दिन तक मैदानी दौरों में नजर आएंगे। इनका फोकस जिला स्तरीय बैठकों पर रहेगा। बीजेपी की इस नई व्यवस्था का मुख्य उद्देश्य संगठन और सरकार के बीच बेहतर तालमेल और योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना है। महीने के पहले सप्ताह में संगठन का पूरा ध्यान मंडल स्तर पर केंद्रित रहेगा। इस शेड्यूल के मुताबिक हर महीने की 1 से 7 तारीख के बीच मंडल की बैठकें आयोजित की जाएंगी। इन बैठकों में जिला अध्यक्ष और जिला प्रभारी की उपस्थिति अनिवार्य की गई है। जो मंडल अध्यक्ष, मंडल पदाधिकारियों, मंडल मोर्चा अध्यक्षों और वार्ड संयोजकों के साथ समन्वय स्थापित करेंगे। इस नई व्यवस्था और शेड्यूल के तहत महीने के दूसरे सप्ताह में पार्टी संगठनात्मक गतिविधियों का केंद्र जिला मुख्यालय रहेंगे। यानी अब प्रति माह का दूसरा सप्ताह यानी 7 से 10 तारीख के बीच जिला स्तरीय बैठकें आयोजित की जाएंगी। जिला स्तरीय इन बैठकों में संभाग प्रभारी, जिला प्रभारी और जिला अध्यक्ष की उपस्थिति अनिवार्य की गई है। इस दौरान जिला पदाधिकारियों, मंडल अध्यक्षों और मोर्चों के जिला अध्यक्षों के साथ मिलकर भविष्य की कार्ययोजना और स्थानीय योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की जाएगी। महीने के तीसरे सप्ताह में पार्टी ने 15-20 तारीख की बैठकें तय की हैं। ये बैठकें प्रदेश स्तरीय होंगी। इन बैठकों को वरिष्ठ पदाधिकारियों के प्रवास के लिए सुरक्षित रखा गया है। प्रत्येक माह में 15 से 20 तारीख के बीच होने वाली इन प्रदेश स्तरीय बैठकों में प्रदेश के पदाधिकारी, संभाग प्रभारी और जिला प्रभारियों की महत्वपूर्ण बैठकें होंगी। इसी अवधि में 11 से 20 तारीख के बीच विभिन्न मोर्चों के प्रदेश अध्यक्ष अलग-अलग संभागों के दौरे पर रहेंगे। इस अवधि के लिए यह सुनिश्चित किया गया है कि सभी मोर्चा अध्यक्ष एक ही संभाग में न रहकर अलग-अलग क्षेत्रों में जाकर संगठन के कार्यों की समीक्षा करेंगे। महीने के चौथे सप्ताह में पार्टी ने विशिष्ट इकाइयों और शक्ति केंद्रों पर ध्यान देना सुनिश्चित किया है। 21 से 25 तारीख के बीच मंडल अध्यक्ष, शक्ति केंद्र प्रभारी और बूथ अध्यक्षों की बैठकें संपन्न होंगी। इस अंतिम चरण में विशेष रूप से आगामी रविवार को होने वाले मन की बात कार्यक्रम और बूथ समिति की बैठक का एजेंडा भी निर्धारित किया जाएगा। ये बैठक दो महीने के रोटेशन के आधार पर हर महीने 50 प्रतिशत मंडलों में आयोजित की जानी हैं।

बैंक सुरक्षा और पुलिस समन्वय को लेकर कंट्रोल रूम में हुई बैठक,

बैंक प्रबंधकों को दिए सुरक्षा संबंधी निर्देश, संदिग्ध गतिविधियों की तत्काल सूचना देने पर जोर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में बैंक सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने तथा पुलिस और बैंक प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में पुलिस कंट्रोल रूम में बैंक प्रबंधकों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के विभिन्न राष्ट्रीयकृत एवं निजी बैंकों के शाखा प्रबंधकों के साथ पुलिस विभाग के अधिकारी भी मौजूद रहे। इस दौरान बैंक सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की गई।

पुलिस अधिकारियों ने सभी बैंक शाखा प्रबंधकों को निर्देशित किया कि वे अपने संबंधित थाना और बीट अधिकारियों के साथ नियमित संपर्क बनाए रखें। किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि दिखाई देने पर इसकी सूचना तत्काल पुलिस को देने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही प्रत्येक बैंक के लिए नोडल पुलिस अधिकारी नियुक्त कर समन्वय व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने की बात कही गई। बैठक में बैंक परिसरों में लगे सीसीटीवी कैमरों की स्थिति पर भी चर्चा की गई। अधिकारियों ने स्पष्ट निर्देश दिए कि बैंक के भीतर और बाहर कैमरों का पूर्ण कवरेज होना चाहिए तथा किसी भी प्रकार के ब्लाइंड स्पॉट नहीं होने चाहिए। साथ ही बैंक परिसरों में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने और रात्रि के समय स्पष्ट दृश्यता बनाए रखने पर भी जोर दिया गया। इसके अलावा प्रशिक्षित एवं हथियारयुक्त सुरक्षा गार्डों की तैनाती, पैनिक बटन और अलार्म सिस्टम को सक्रिय रखने, स्ट्रॉन्ग रूम की सुरक्षा मजबूत करने तथा कैश ट्रांजिट के दौरान पुलिस समन्वय सुनिश्चित करने के संबंध में भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि बैंक कर्मचारियों को समय-समय पर सुरक्षा एवं साइबर जागरूकता संबंधी प्रशिक्षण दिया जाएगा। साथ ही पुलिस और बैंक के संयुक्त मॉक ड्रिल भी आयोजित किए जाएंगे, ताकि किसी भी आपात स्थिति से प्रभावी तरीके से निपटा जा सके। बैठक का मुख्य उद्देश्य जिले की बैंकिंग सुरक्षा प्रणाली को और अधिक सुदृढ़ बनाना तथा पुलिस और बैंक प्रशासन के बीच त्वरित एवं प्रभावी समन्वय स्थापित करना बताया गया।

कोई व्यक्ति बच्चे का जैविक पिता नहीं है, तो उसे उस बच्चे का भरण-पोषण देने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता - सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम फैसला सुनाते हुए कहा है कि अगर यह स्पष्ट रूप से साबित हो जाए कि कोई व्यक्ति बच्चे का जैविक पिता नहीं है, तो उसे उस बच्चे का भरण-पोषण (मेंटेनेंस) देने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता, भले ही बच्चा शादी के दौरान पैदा हुआ हो। यह फैसला जस्टिस संजय करोल और जस्टिस एन। कोटिश्वर सिंह की पीठ ने सुनाया है। अदालत ने मां की अपील को खारिज कर दिया, जिसमें उसने अपनी बेटी के लिए मेंटेनेंस की मांग की थी। इससे पहले दिल्ली हाईकोर्ट भी इस मांग को ठुकरा चुका था।

इस मामले में पति-पत्नी की शादी साल 2016 में हुई थी। बाद में दोनों के बीच विवाद हुआ, जिसके बाद महिला ने घरेलू हिंसा अधिनियम, 2005 के तहत अपने और बच्चे के लिए अंतरिम भरण-पोषण की मांग की। कार्यवाही के दौरान पति ने बच्चे की पितृत्व जांच के लिए डीएनए टेस्ट कराने की मांग की, जिसे मजिस्ट्रेट ने मंजूरी दे दी।

डीएनए रिपोर्ट में यह सामने आया कि वह व्यक्ति बच्चे का जैविक पिता नहीं है। इसके आधार पर ट्रायल कोर्ट ने बच्चे के लिए मेंटेनेंस देने से इनकार कर दिया। यह फैसला ऊपरी अदालतों ने भी बरकरार रखा।

अदालत ने इंडियन एविडेंस एक्ट, 1872 की धारा 112 (अब भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 116) पर विचार किया। इस धारा के तहत यह माना जाता है कि शादी के दौरान जन्मा बच्चा वैध होता है, जब तक यह साबित न हो कि पति-पत्नी के बीच नॉन-एक्सेस था।

कार की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार तीन युवक घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। समनापुर रोड ग्राम बड़ी कुम्हारी में कार मोटरसाइकिल को ठोस मारकर फरार हो गई इस दुर्घटना में मोटरसाइकिल में सवा तीन युवक घायल हो गए तीनों घायल युवक दुर्गेश पिता कन्हैया ठकरेले 16 वर्ष, राम पिता अमर भलावी 15 वर्ष और मनेंद्र और पिता देवेंद्र मसराम 24 वर्ष तीनों ग्राम बड़ी कुम्हारी निवासी है। जिनका इलाज जिला अस्पताल बालाघाट में किया गया।

बताया गया है कि 21 अप्रैल को शाम 7:00 बजे तीनों युवक मोटरसाइकिल में छोटी कुम्हारी से बड़ी कुम्हारी जा रहे थे। मोटरसाइकिल मनेंद्र मसराम चल रहा था तभी बड़ी कुम्हारी स्थित पुरानी सोसायटी के पास सामने से तेज रफ्तार से आ रही कार मोटरसाइकिल को ठोस मारकर फरार हो गई। इस दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार तीनों घायल हो गए तीनों घायल को 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया गया।

किराये पर उपलब्ध

धनराज कॉम्पलेक्स बालाघाट में प्रथम तल पर दुकानें किराये पर देना है।

महेन्द्र सुराना 94251 38670

ललित बाफरेचा 9424765679

कार्यालय तहसीलदार तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट (म.प्र.)

रा.प्र.क्र. 0007/ब-154/2026-27

मौजा पांढरवानी, रा.नि.मं. लालबर्रा

आम सूचना

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक अरविन्द पिता कोल्हूराम देशमुख जाति मरार, निवासी ग्राम पांढरवानी, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मौजा पांढरवानी, रा.नि.मं. लालबर्रा, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट में स्थित आवेदक द्वारा अपने पिता कोल्हूराम पिता भरतलाल का अनुज्ञा प्रमाण पत्र रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 12 (2), म.प्र. मृत्यु पंजीयन 1999 नियम 12 (2) प्रावधानों के अंतर्गत उपरोक्त मृत्यु की घटना दिनांक 14.05.1992 मृत्यु की घटना स्थल ग्राम पांढरवानी के अंतर्गत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह दिनांक 29.04.2026 के पूर्व स्वयं या अपने अभिभावक/अधिवक्ता सहित उपस्थित होकर इस न्यायालय में दावा आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 21.04.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

स्थान - लालबर्रा

दिनांक - 23.04.2026

भूपेन्द अहिरवार

तहसीलदार

तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र.

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध

लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

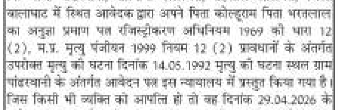

निर्माता

तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स

मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट

फोन:- 07632-243531

मो:- 8989976858, 9425139998

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

जमीन का हिस्सा मांगने पर एक व्यक्ति से उसके दो भाई ने की मारपीट

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जमीन का हिस्सा मांगने पर एक व्यक्ति को उसके दो छोटे भाई ने मारपीट कर दिये और पुनः जमीन के हिस्से की मांग करने पर जान से मार डालने की धमकी दे दी। घटना मलाजखंड थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम सूजी की है। मारपीट में घायल व्यक्ति समारू पिता परसादी मरकाम 32 वर्ष का इलाज बिरसा के अस्पताल में किया गया इस मामले में उसके दोनों भाई सुखचंद मरकाम और हरिश्चंद मरकाम के विरुद्ध मामला कायम कर लिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार समारू मरकाम खेती किसानी और मजदूरी करता है और वे तीन भाई है और तीनों भाई अपने परिवार के साथ एक ही मकान में अलग-अलग रहते हैं। इन लोगों के बीच जमीन के बंटवारे को लेकर विवाद चल रहा है। समारू मरकाम जमीन का बटवारा करना चाहता है किंतु उसके दो भाई सुखचंद मरकाम और हरिश्चंद मरकाम जमीन का बंटवारा नहीं देना चाहते। इसी को लेकर उनके बीच विवाद होते रहता है। 21 अप्रैल को 12:00 समारू मरकाम अपने बड़े पिता हिरमुसिंह मरकाम के साथ बातचीत कर रहा था। तभी उसका मंझला भाई हरिश्चंद मरकाम आया और उसे यहां पर दारू पीकर क्यों हल्ला कर रहे हो कहकर मारपीट करने लगा तभी समारू मरकाम ने उसे बोला कि मुझे घर का हिस्सा दे दो मैं अलग रहूंगा। तभी समारू मरकाम को उसके मंझले भाई सुखचंद मरकाम और छोटा भाई हरिचंद मरकाम ने उसे हाथ मुक्के मारपीट कर दिए और जमीन पर पटक दिए। जिससे समारू मरकाम घायल हो गया ।जिसके बाद दोनों भाई ने समारू मरकाम को जमीन आजाद के हिस्से बटवारे की बात करने पर जान से खत्म करने की धमकी दे दी। मारपीट में समारू मरकाम घायल हो चुका था। जो अपनी पत्नी सुशीला मरकाम के साथ रिपोर्ट करने के लिए मलाजखंड पुलिस थाना पहुंचा। मलाजखंड पुलिस ने मारपीट में घायल समारू मरकाम का इलाज बिरसा के अस्पताल में करवाये और उसके द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसके दोनों भाई सुखचंद मरकाम और हरिश्चंद मरकाम के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज किये ।जिसकी विवेचना की जा रही है।

22 से 24 अप्रैल तक सामूहिक अवकाश पर गए अधिकारी-कर्मचारी

8 माह से वेतन नहीं मिलने पर मनरेगा कर्मचारी नाराज

जिले के डेढ़ सौ से अधिक संविदा अधिकारी, कर्मचारी और उपयंत्री आंदोलन पर, मनरेगा कार्य प्रभावित होने की आशंका

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के अंतर्गत कार्यरत संविदा अधिकारी, कर्मचारी, तकनीकी सहायक एवं उपयंत्री लंबे समय से वेतन नहीं मिलने के कारण आक्रोशित हो गए हैं। अपनी लंबित मांगों को लेकर जिले का पूरा तकनीकी अमला 22 अप्रैल से 24 अप्रैल तक सामूहिक अवकाश पर चला गया है। कर्मचारियों के इस निर्णय से जिले में मनरेगा के कई विकास कार्य प्रभावित होने की संभावना बढ़ गई है।

मनरेगा अधिकारी-कर्मचारी संघ ने बताया कि उन्हें पिछले 5 से 8 महीनों से वेतन का भुगतान नहीं किया गया है। लगातार वेतन नहीं मिलने के कारण कर्मचारियों के सामने गंभीर आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। परिवार का भरण-पोषण, बच्चों की स्कूल फीस, इलाज का खर्च और दैनिक आवश्यकताओं

को पूरा करना मुश्किल हो रहा है। कर्मचारियों का कहना है कि आर्थिक संकट के कारण कई कर्मचारियों को अपने रिश्तेदारों और परिचितों से उधार लेकर घर चलाना पड़ रहा है। बढ़ती महंगाई के बीच बिना वेतन के जीवन यापन करना बेहद कठिन हो गया है। कई कर्मचारियों ने बताया कि उनके पास पेट्रोल भरवाने तक के पैसे नहीं बच रहे हैं, जिससे उन्हें कार्यस्थल तक पहुंचने में भी परेशानी हो रही है। मनरेगा अधिकारी कर्मचारी संघ के पदाधिकारी भीवराम भोयर और विनोद चट्टी ने बताया कि जिले में मनरेगा योजना के तहत कार्यरत लगभग डेढ़ सौ अधिकारी और कर्मचारी इस समस्या से प्रभावित हैं। उन्होंने कहा कि वेतन नहीं मिलने के बावजूद कर्मचारियों ने शासन की विभिन्न योजनाओं को सफल बनाने के लिए लगातार कार्य किया और जिले को बेहतर प्रदर्शन दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने बताया कि कर्मचारियों की लगातार अनदेखी की जा रही है, जिसके कारण अब मजबूरी में सामूहिक अवकाश का रास्ता अपनाना पड़ा है। उनका कहना है कि यदि समय रहते उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया तो आने वाले दिनों में आंदोलन और तेज किया जाएगा। कर्मचारियों ने यह भी बताया कि उनके अवकाश पर चले जाने से मनरेगा के तहत चल रहे विकास कार्य, मजदूरों के भुगतान और अन्य प्रशासनिक प्रक्रियाओं पर असर पड़ सकता है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में चल रहे कई निर्माण कार्य भी प्रभावित हो सकते हैं। संघ पदाधिकारियों ने शासन से मांग की है कि लंबित वेतन का तत्काल भुगतान किया जाए और भविष्य में हर माह समय पर वेतन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि उनकी समस्याओं का जल्द समाधान नहीं हुआ तो प्रदेश संगठन के आह्वान पर आगे उग्र आंदोलन किया जाएगा।

सड़क दुर्घटना में उप निरीक्षक वघाडे घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भरवेली थाना अंतर्गत बैहर रोड मानेगांव के पास तेज रफ्तार ट्रक मोटरसाइकिल को ठोस मारकर फरार हो गया। इस सड़क दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार उप निरीक्षक जागु पिता एन एल वघाडे 56 वर्ष मंडला निवासी घायल हो गए। जिन्हें जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया ।

प्राप्त जानकारी के अनुसार उप निरीक्षक जागु वघाडे मंडला कोतवाली में पदस्थ है। जो अपने किसी काम से बालाघाट आए हुए थे। 20 अप्रैल को शाम 7:30 बजे जागु वघाड़े मोटरसाइकिल में बालाघाट से उकवा जा रहे थे। तभी बैहर रोड मानेगांव के पास फायरिंग रेंज के जाने वाले रास्ते में सामने से तेज रफ्तार से आ रहा ट्रक, मोटरसाइकिल को ठोस मारकर फरार हो गया। इस दुर्घटना में जागु वघाड़े मोटरसाइकिल सहित गिरने से घायल हो गए ।जिन्हें डायल 112 से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया गया।

घिसरी नदी के नाले से बरामद की गई अज्ञात व्यक्ति लाश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कभी किसी का अपना रहा एक इंसान, आज बेनाम होकर दुनिया से विदा हो गया। हट्टा थाना क्षेत्र के ग्राम सिंगोड़ी और कोहकाडिबर के बीच घिसरी नदी के नाले से मिली एक अज्ञात व्यक्ति की लाश ने हर किसी के मन में कई सवाल छोड़ दिए हैं। आखिर वो कौन था, कहाँ से आया था, और किन हालातों में उसकी जिंदगी खत्म हो गई।

9 अप्रैल की दोपहर करीब 4 बजे जब ग्रामीणों की नजर नाले में पड़ी एक निर्वस्त्र लाश पर पड़ी तो इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही हट्टा पुलिस मौके पर पहुंची और लाश को बरामद कर जिला अस्पताल बालाघाट के फ्रीजर में सुरक्षित रखवा दिया गया। इस अज्ञात व्यक्ति की उम्र 40 से 50 वर्ष की बताई गई है ।दो दिनों तक पुलिस ने हर संभव प्रयास किया ।आसपास के गांवों से लेकर जिले के विभिन्न थानों तक सूचना पहुंचाई गई। ताकि कोई अपने खोए हुए सदस्य को पहचान सके। लेकिन अफसोस, कोई भी उस अनजान चेहरे को अपना कहने नहीं आया ।आखिरकार 22 अप्रैल को भारी मन से हट्टा पुलिस थाने के सहायक उप निरीक्षक दिनेश जायसवाल ने जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम करवा कर उस अज्ञात व्यक्ति का बालाघाट नगर के जागपुर घाट वैनगंगा नदी के किनारे कफन-दफन कर अंतिम संस्कार करवा दिया। एक ऐसी विदाई जिसमें न कोई अपना था न कोई आंसू बहाने वाला सिर्फ खामोशी और अनुत्तरित सवाल।

फिलहाल इस व्यक्ति की मौत किन परिस्थितियों में हुई। यह अब भी रहस्य बना हुआ है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही सच्चाई सामने आ सकेगी। हट्टा पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

यह घटना न सिर्फ एक अनजान मौत की कहानी है बल्कि समाज के उस पहलू को भी उजागर करती है ।जहां कोई व्यक्ति बिना पहचान और बिना अपनों के चुपचाप इस दुनिया से चला जाता है।

कान्हा टाइगर रिजर्व में नर बाघ शावक की मौत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मंडला जिले के कान्हा टाइगर रिजर्व अंतर्गत वन परिक्षेत्र सरही के बड़े अमाही नाला क्षेत्र में 21 अप्रैल 2026 को एक नर बाघ शावक की मृत्यु का मामला सामने आया है। यह घटना बीट सरहीनकान, कक्ष क्रमांक 668 (69) में दर्ज की गई, जिसके बाद वन विभाग द्वारा तत्काल कार्रवाई शुरू की गई।

क्षेत्र संचालक कान्हा टाईगर रिजर्व मण्डला ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण नई दिल्ली तथा मुख्य वन्यजीव अभिरक्षक, मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप स्थल को सुरक्षित कर लिया गया। डॉग स्क्वाड की मदद से पूरे क्षेत्र में सघन जांच अभियान चलाया गया ।निरीक्षण के दौरान आसपास मादा बाघ अपने अन्य शावकों के साथ देखी गई, जिससे यह संकेत मिला कि घटना

किसी बाहरी हमले से जुड़ी नहीं हो सकती।

मृत बाघ शावक के पोस्टमार्टम के लिए विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम को मौके पर बुलाया गया। इस टीम में जबलपुर से प्रोफेसर (स्कूल ऑफ वाइल्ड लाइफ फॉरेंसिक एंड हेल्थ) डॉ. सोमेश सिंह, पशु चिकित्सा अधिकारी मोतीनाला डॉ. सुनील गोयल तथा बिछिया के डॉ. विशाल उद्दे शामिल रहे। टीम द्वारा घटनास्थल पर ही विधिवत शव परीक्षण किया गया, जिसमें शावक के सभी अंग सुरक्षित पाए गए। प्राथमिक जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर शावक की मृत्यु स्वाभाविक कारणों से होना प्रतीत हो रही है। हालांकि, अंतिम निष्कर्ष विस्तृत रिपोर्ट के बाद ही स्पष्ट होगा। निर्धारित मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) का पालन करते हुए शावक के शव का दाह संस्कार भी मौके पर ही किया गया।

इस पूरी कार्रवाई के दौरान मुख्य वन संरक्षक जबलपुर श्री एम.आर. बघेल, क्षेत्र संचालक, उप संचालक, सहायक संचालक सहित वन विभाग के अधिकारी, प्रशासनिक अमला, राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण की प्रतिनिधि, मानद वन्यप्राणी अभिरक्षक एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। पूरी प्रक्रिया की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी भी कराई गई। वन विभाग ने बताया कि मामले की सतत निगरानी की जा रही है और किसी भी संभावित कारण की जांच को नजरअंदाज नहीं किया जाएगा। फिलहाल, क्षेत्र में स्थिति सामान्य है और मादा बाघ अपने शेष शावकों के साथ सुरक्षित देखी गई है।

तिरोड़ी से लापता नाबालिग 3 महीने बाद गुजरात राज्य में मिली

गुजरात का ही आरोपी युवक राहुल ठाकुर गिरफ्तार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। तिरोड़ी पुलिस ने तीन माह से लापता एक नाबालिग लड़की को गुजरात के सुरेंद्रनगर से दस्तयाब कर लिया है। और इस नाबालिक का अपहरण और दुष्कर्म के आरोप में गुजरात राज्य के ही निवासी युवक राहुल ठाकुर उर्फ अग्रवाल को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में वारासिवनी उपजेल भेज दिया गया है।

क्या है पूरा मामला

प्राप्त जानकारी के अनुसार 17 जनवरी 2026 को तिरोड़ी थाना क्षेत्र की नाबालिग लड़की बिना बताए घर से चली गई थी। परिजनों की तलाश के बाद भी पता नहीं चला तो तिरोड़ी थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई गई।

पुलिस ने अज्ञात आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 21/026, धारा 137(2) बीएनएस के तहत अपहरण का मामला दर्ज कर तलाश शुरू की।

गुजरात में ऐसे मिली लड़की

लगातार तलाश के दौरान पुलिस को सूचना मिली कि लड़की गुजरात में है। वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में तिरोड़ी पुलिस की टीम गुजरात रवाना हुई। पतासाजी के दौरान पता चला कि नाबालिग सुरेंद्रनगर की रौनक कपास फैक्ट्री में एक युवक के साथ काम कर रही है। 20 अप्रैल को पुलिस टीम ने कपास फैक्ट्री के क्वार्टर में दबिश दी। वहां लड़की आरोपी राहुल ठाकुर उर्फ अग्रवाल पिता मदन मोहन गुप्ता 20 वर्ष, निवासी बनियादेव मंदिर के पास, ग्राम छपरा अहमदाबाद के साथ मिली। दोनों को तिरोड़ी लाया गया।

लड़की ने बताई आपबीती

पूछताछ में नाबालिग ने बताया कि नवंबर 2025 में कार्तिक मेले में राहुल ने उसके घर के पास झूला लगाया था। वहीं दोनों की पहचान हुई और बातचीत शुरू हुई। 17 जनवरी को राहुल उसे बहला-फुसलाकर, शादी का झांसा देकर भगा ले गया। सुरेंद्रनगर में कपास फैक्ट्री के क्वार्टर में रखकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए।

बढ़ाई गई धाराएं- आरोपी जेल भेजा गया

लड़की के बयान के बाद मामले में धारा 64(1), 64(2)एम, 87 बीएनएस और पॉक्सो एक्ट की धारा 5एल, 6, 3/4(1) का इजाफा किया गया। आरोपी राहुल ठाकुर को कटंगी न्यायालय में पेश किया गया। जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में वारासिवनी उपजेल भेज दिया गया। इस प्रकार पुलिस की तत्परता से तीन महीने से लापता नाबालिग को बरामद कर आरोपी पर सख्त कार्रवाई की गई है। इस नाबालिक लड़की की दस्तयाबी में पुलिस टीम के सहायक उप निरीक्षक उमेश दियेवार, आरक्षक नितेश बघेले और महिला आरक्षक संध्या बघेले की सराहनीय भूमिका रही।

8 माह से छात्रवृत्ति नहीं मिलने पर छात्रों का फूटा आक्रोश, कलेक्ट्रेट पहुंचकर सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी महाविद्यालय बालाघाट के अनुसूचित जाति वर्ग के छात्र-छात्राओं ने लंबित छात्रवृत्ति की मांग को लेकर बुधवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर सहायक आयुक्त जनजाति कार्य विभाग के नाम ज्ञापन सौंपा। विद्यार्थियों ने आरोप लगाया कि पिछले करीब 8 माह से उन्हें छात्रवृत्ति राशि का भुगतान नहीं किया गया है, जिससे उनकी पढ़ाई और दैनिक जीवन प्रभावित हो रहा है छात्रों का कहना है कि छात्रवृत्ति उनके लिए आर्थिक सहारा होती है, जिससे वे अपनी पढ़ाई के खर्च, किराया, भोजन और अन्य आवश्यक जरूरतों को पूरा करते हैं। लेकिन लंबे समय से राशि नहीं मिलने के कारण अब उनके सामने गंभीर आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। ज्ञापन देने पहुंचे छात्र भूपेंद्र उइके ने बताया कि महाविद्यालय के अनुसूचित जाति वर्ग के लगभग 1200 से 1300 छात्र-छात्राएं छात्रवृत्ति का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अन्य वर्गों के विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति का भुगतान किया जा चुका है, लेकिन अनुसूचित जाति वर्ग के छात्रों की राशि अब तक लंबित है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब छात्र अपनी समस्या लेकर संबंधित विभाग में पहुंचते हैं तो वहां उन्हें संतोषजनक जवाब नहीं मिलता और अधिकारियों का व्यवहार भी उचित नहीं रहता। इससे छात्रों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। भूपेंद्र ने बताया कि कई छात्र छात्रवृत्ति के भरोसे ही अपनी पढ़ाई जारी रखे हुए हैं। छात्रावास, किराया, भोजन और गैस जैसी आवश्यक सुविधाओं के खर्च निकालना अब मुश्किल हो गया है। उन्होंने कहा कि आर्थिक तंगी के कारण कई छात्र पहले ही अपने घर लौट चुके हैं और यदि जल्द छात्रवृत्ति नहीं मिली तो अन्य विद्यार्थियों को भी पढ़ाई छोड़कर घर जाना पड़ सकता है। छात्रों ने प्रशासन से मांग की है कि लंबित छात्रवृत्ति राशि का जल्द भुगतान किया जाए ताकि उनकी शिक्षा प्रभावित न हो। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं हुआ तो जिलेभर के छात्र-छात्राएं बड़ा आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे।

कान्द्रीकला में शादी समारोह में खाने को लेकर विवाद

चाकूबाजी में दो युवक घायल- दो आरोपी फरार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किरनापुर थाना क्षेत्र के ग्राम कान्द्रीकला में मंगलवार की रात्रि शादी समारोह के दौरान खाने को लेकर हुए विवाद में चाकूबाजी हो गई। इस हमले में दो युवक घायल हो गए। दोनो। घायल युवक देवेंद्र धोरमोड़े 24 वर्ष और पारस ठाकरे 18 वर्ष को किरनापुर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने दो आरोपी अभय ठाकरे ग्राम भानेगांव और प्रणय करहाटकर ग्राम डोरली निवासी के खिलाफ मामला दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम कान्द्रीकला में 21 अप्रैल की रात्रि शेषराम बड़े के घर शादी का कार्यक्रम था। देवेंद्र मोरघोड़े अपने दोस्तों के साथ शेषराम बड़े के घर आयोजित शादी समारोह में शामिल होने गए थे। रात करीब 11 बजे देवेंद्र अपने दोस्तों के साथ पंडाल में खाना खा रहा था। उसी दौरान भानेगांव निवासी अभय ठाकरे और डोरली निवासी प्रणय करहाटकर भी खाना खाने पहुंचे ।खाना परोस रहे पारस ठाकरे से दोनों ने खाना मांगा। भीड़ अधिक होने के कारण देरी होने पर अभय और प्रणय ने पारस को गालियां देनी शुरू कर दीं। देवेंद्र ने बीच-बचाव कर गाली देने से मना किया तो आरोपी उससे उलझ गए और मारपीट करने लगे।

चाकू से किया हमला, धमकी देकर फरार

विवाद बढ़ने पर अभय ठाकरे ने जेब से चाकू निकालकर देवेंद्र पर हमला कर दिया। चाकू के वार देवेंद्र के सिर और पीठ में लगे। बीच-बचाव करने आए पारस ठाकरे के आंख के ऊपर मस्तक में भी चाकू लग गया। हमले के बाद दोनों आरोपी अभय ठाकरे और प्रणय करहाटकर दोनो घायल युवक को जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गए। घटना के बाद दोनों घायल युवक को किरनापुर अस्पताल में भर्ती किया गया। देवेंद्र मोरघोड़े की रिपोर्ट पर किरनापुर पुलिस ने अभय ठाकरे और प्रणय करहाटकर के खिलाफ मारपीट, चाकू से हमला और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया है। घटना के बाद से दोनों आरोपी फरार हैं और उनकी तलाश जारी है।

महिला आरक्षण मुद्दे पर भाजपा महिला मोर्चा का प्रदर्शन, अंबेडकर चौक में किया पुतला दहन,

भाजपा कार्यालय से निकाली पदयात्रा, कांग्रेस पर महिला हितों की अनदेखी का लगाया आरोप,

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लोकसभा में महिला आरक्षण से जुड़े विधेयक को लेकर राजनीतिक माहौल लगातार गर्माता जा रहा है। इसी मुद्दे को लेकर भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा ने प्रदेशव्यापी विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया था, जिसके तहत 22 अप्रैल को बालाघाट जिले में भी भाजपा महिला मोर्चा और युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने संयुक्त रूप से प्रदर्शन किया। इस दौरान बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ता, पदाधिकारी और भाजपा युवा मोर्चा के सदस्य स्थानीय भाजपा कार्यालय में एकत्रित हुए। यहां बैठक के बाद सभी कार्यकर्ताओं ने महिला आरक्षण के समर्थन में और कांग्रेस के विरोध में नारे लगाते हुए शहर में पदयात्रा निकाली और पुतला दहन किया गया ।

पदयात्रा भाजपा कार्यालय से शाम 6 बजे प्रारंभ होकर अंबेडकर चौक पहुंची। पदयात्रा के दौरान कार्यकर्ताओं ने हाथों में तख्तियां और पार्टी के झंडे लेकर कांग्रेस के

खिलाफ नारेबाजी की। महिला कार्यकर्ताओं ने कहा कि महिलाओं को राजनीतिक रूप से मजबूत करने के लिए आरक्षण बेहद आवश्यक है और इस दिशा में भाजपा लगातार कार्य कर रही है। अंबेडकर चौक पहुंचने के बाद प्रदर्शन और अधिक तेज हो गया। यहां महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस के खिलाफ जोरदार नारेबाजी करते हुए सांकेतिक रूप से पुतला दहन किया। इस दौरान राहुल गांधी के खिलाफ भी नारे लगाए गए और कांग्रेस की नीतियों की आलोचना की गई। नगर पालिका अध्यक्ष भारती ठाकुर ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी महिलाओं को राजनीति में पर्याप्त प्रतिनिधित्व दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण दिलाने की दिशा में भाजपा सरकार गंभीर प्रयास कर रही थी, लेकिन कांग्रेस ने इसमें बाधा उत्पन्न कर महिलाओं के हितों के खिलाफ कार्य किया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस हमेशा महिलाओं के हितैषी होने का दावा करती है, लेकिन जब महिलाओं को वास्तविक अधिकार देने की बात आती है तो वह पीछे हट जाती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की कथनी और करनी में बड़ा अंतर है, जो अब जनता के सामने उजागर हो चुका है। भारती ठाकुर ने कहा कि महिलाएं आज हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना रही हैं और राजनीति में भी उन्हें समान अवसर मिलना चाहिए। यदि महिलाओं को पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं मिलेगा तो लोकतंत्र मजबूत नहीं हो सकता। प्रदर्शन में शामिल अन्य महिला पदाधिकारियों ने भी कहा कि महिला आरक्षण केवल राजनीतिक मुद्दा नहीं बल्कि महिलाओं के सशक्तिकरण से जुड़ा विषय है। इसलिए इस मुद्दे पर किसी भी प्रकार की राजनीति नहीं होनी चाहिए। भाजपा महिला मोर्चा की पदाधिकारियों ने चेतावनी दी कि यदि महिलाओं के हितों की अनदेखी जारी रही तो आने वाले दिनों में आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। प्रदर्शन के दौरान शहर में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल भी तैनात रहा।

आस-पास की खबरें

नगपुरा शास. उमावि. मे निःशुल्क साइकिल वितरण कार्यक्रम संपन्न

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। शासन की महत्वाकांक्षी योजना के अंतर्गत नगर मुख्यालय से लगभग 6 किमी दूर स्थित ग्राम पंचायत नगपुरा के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में विद्यार्थियों को बुधवार को निःशुल्क साइकिलों का वितरण किया गया। इस गरिमामय

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जनपद पंचायत सदस्य हरिशंकर बनवाले एवं ग्राम पंचायत सरपंच श्रीमती अनीता लिल्हारे उपस्थित रही। इस अवसर पर निःशुल्क साइकिल वितरण योजना के तहत पात्र छात्र-छात्राओं को अतिथियों के हस्ते साइकिल का वितरण किया गया। वहीं छात्र-छात्राओं ने साइकिल मिलने पर उनके चेहरे खिल उठे और साइकिल मिल जाने से उन्हे अब विद्यालय आने में सुविधा होगी। जनपद सदस्य हरिशंकर बनवाले ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि शासन की इस योजना का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के छात्र-छात्राओं की शिक्षा की राह आसान करना है। उन्होंने विद्यार्थियों को साइकिल के उचित रख-रखाव के साथ-साथ अपनी पढ़ाई पर विशेष ध्यान देने के लिए प्रेरित किया। सरपंच श्रीमती अनिता लिल्हारे ने छात्र-छात्राओं को मन लगाकर पढ़ाई करने और बेहतर परीक्षा परिणाम लाने के लिए मार्गदर्शन दिया। साथ ही विद्यालय के उत्कृष्ट शैक्षणिक वातावरण की सराहना करते हुए बेहतर बोर्ड परीक्षा परिणाम की उम्मीद जताई और समस्त शालेय परिवार को अग्रिम शुभकामनाएं प्रेषित की है। स्कूल के प्रभारी प्राचार्य चंद्रपाल उइके के द्वारा उपस्थित अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया और विद्यार्थियों को शासन से मिलने वाली सुविधाओं के बारे में जानकारी प्रदान कर नियमित रूप से स्कूल आने प्रेरित किया। इस अवसर पर स्कूल के प्रभारी प्राचार्य चंद्रपाल उके, शिक्षक सोमलाल बोरकर, पुखराज बरकड़े, मोनिका सोनबिरसे, प्रीति अमूले सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

पशु मालिकों की लापरवाही मवेशियों पर पड़ रही भारी, जहरीली वस्तुओं के सेवन से थम रही सांसे

नगर में आवारा मवेशियों की समस्या विकराल, खेतों में कीटनाशक के संपर्क में आने से एक और मवेशी की मौत, पशु प्रेमियों में भारी आक्रोश

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय में पशु मालिकों की घोर लापरवाही अब बेजुबान मवेशियों की जान पर बन आई है। गत दिनों नगर मुख्यालय में कीटनाशक के संपर्क में आने से तीन मवेशियों की मौत हो चुकी थी एवं बुधवार को पुनः सिवनी मार्ग मजार के आगे एक मवेशी की दर्दनाक मौत होने का मामला सामने आया है। इस घटना ने न केवल स्थानीय कृषकों को हतप्रभ कर दिया है, बल्कि पशु प्रेमियों में भी पशु मालिकों के प्रति भारी आक्रोश देखा जा रहा है। वहीं बुधवार को दोपहर 1 बजे हाईवे रोड़ किनारे मवेशी की मौत होने के बाद कोई मवेशी मालिक घटना स्थल पर नही पहुंचे। जिसके बाद ग्राम पंचायत पांढरवानी की मदद से मृत मवेशी को रोड़ किनारे से अलग किया गया। अगर उक्त मवेशी (गाय) किसी वाहन की टक्कर से घायल हो जाती तो मवेशी मालिक मुआवजा लेने पहुंच जाते। लेकिन कीटनाशक दवाई के सेवन एवं वाहनों की टक्कर से मवेशियों की मौत होने के बाद कोई पशु मालिक घटना स्थल पर नही पहुंचते है क्योंकि उन्हे लगता है कि हमारी गलती है और अपनी गलती को छुपाने हेतु वे सामने नही आते है। वहीं सर्राटी नदी पुल से लेकर अहिंसा द्वार तक आवारा मवेशियों की धमाचौकड़ी रोजाना रहती है और यह मवेशी रात्रि के समय किसानों के खेतों में लगी फसल को नुकसान पहुंचाते है। वर्तमान में किसानों के खेतों में रबी सीजन में धान एवं सब्जी लगी हुई है। जिसमें लग रही बीमारी की रोकथाम के लिए किसान कीटनाशक दवाई का छिड़काव करते है। वहीं रात्रि के समय आवारा मवेशी खेतों में पहुंचकर फसल को नुकसान पहुंचाते है एवं फसल में डाली गई दवा के प्रभाव में आने से आवारा मवेशियों की मौते भी हो रही है। नगर के जागरूक नागरिकों ने आवारा घुम रहे मवेशियों को पकड़कर गौशाला भेजने एवं मवेशियों को खुले छोड़ने वाले पशु मालिकों पर वैधानिक कार्यवाही करने की मांग की है।

यमदूत बनकर घुम रहे आवारा मवेशी

आपको बता दे कि इन दिनों नगर मुख्यालय में आवारा मवेशियों की संख्या में तेजी से इजाफा हुआ है जिनके द्वारा हाईवे मार्ग में शांति नगर स्थित मजार के पास, हाईस्कूल रोड, सर्राटी नदी पुल, जैन स्थानक भवन के सामने सहित अन्य स्थानों में धमाचौकड़ी करने के साथ ही सड़क के बीचों-बीच बैठकर आराम किया जाता है यानि की यमदूत बनकर घुम रहे है। जिसके कारण मार्ग से गुजरने वाले चौपहिया-दुपहिया वाहनों, साइकिल चालकों व पैदल आवागमन करने वाले लोगों को भारी परेशानी होती है। साथ ही ये आवारा मवेशी रास्ते के बीचों-बीच झुंड बनाकर खड़े हो जाते है। जिससे परेशान वाहन मालिकों को गुजरते समय इन आवारा पशुओं को हटाने हेतु अपने वाहन का हार्न बजाना पड़ता है एवं कई बार तो ऐसी स्थिति बन जाती है कि ये मवेशी रास्ते से हटने को तैयार नही होते। जिसके कारण रास्ता जाम होने की स्थिति बन जाती है। साथ ही दुर्घटनाएं भी घटित हो रही है और रात्रि के समय फसल को नुकसान पहुंच रहे है। कीटनाशक के प्रभाव में आने एवं चौपहिया वाहनों की टक्कर से मवेशियों की असमय मौत हो रही है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि नगर में पिछले लंबे समय से आवारा मवेशियों की समस्या बनी हुई है। कई पशु मालिक दूध निकालने के बाद अपने मवेशियों को सड़कों पर लावारिस छोड़ देते हैं। ये भूख से व्याकुल मवेशी चारे की तलाश में किसानों के खेतों तक जा पहुंचते हैं। वर्तमान में फसलों की सुरक्षा के लिए खेतों में विभिन्न प्रकार के कीटनाशकों का छिड़काव किया जा रहा है। अनजाने में ये मवेशी इन जहरीली दवाओं के संपर्क में आ जाते हैं या दूषित घास चर लेते हैं, जो उनके लिए मृत्यु का कारण बन रही है।

प्रशासनिक सख्ती के बाद भी नहीं सुधर रहे हालात

बताया जा रहा है कि ग्राम पंचायत और स्थानीय समाजसेवियों द्वारा इस संबंध में कई बार पहल की जा चुकी है। पशु मालिकों को बार-बार समझाइश दी गई है और कुछ मामलों में दंडात्मक कार्यवाही भी की गई, लेकिन स्थिति जस की तस बनी हुई है। पशु मालिक पूरी तरह बेसुध हैं, वे केवल लाभ के लिए पशु पालन करते हैं। लेकिन उनकी सुरक्षा और भरण-पोषण की जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेते हैं। उनकी यही लापरवाही बेजुबानों की अकाल मृत्यु का मुख्य कारण बन रही है।

पशु मालिक मवेशियों को खुला न छोड़े - प्रमोद

प्रमोद कुमार हेड़ाऊ ने बताया कि पशु मालिकों के द्वारा अपने पशुओं को आवारा छोड़ दिया जाता है, जो सड़क पर जहां-तहां बैठे रहते है और चारा की तलाश में खेतों की ओर जाते है। वर्तमान में किसानों के खेतों में धान की फसल लगी हुई है। जिसमें लग रही बीमारी की रोकथाम के लिए कीटनाशक दवाई का छिड़काव किया जाता है। आवारा मवेशी उक्त फसल का सेवन कर लेते है जिससे उनकी मौते हो रही है। बुधवार को दोपहर के समय एक गाय हमारे मकान के सामने आई और अचानक गिर गई जिसकी मौत हो चुकी है। जिसके मुंह से झाग निकल रहा था, जिससे ऐसा लग रहा है कि कीटनाशक दवा के प्रभाव में आने से उसकी मौत हुई है। श्री हेडाऊ ने बताया कि सड़कों पर आवारा मवेशी घुमते रहते है जिससे कई बार वे दुर्घटना का शिकार हो जाती है, लेकिन मवेशी मालिकों को अपने मवेशी की कोई चिंता नहीं होती है। लोगों के द्वारा गाय को माता का दर्जा दिया जाता है परंतु उसकी देखरेख और सेवा करने के लिए कोई सामने नहीं आते है। पशु मालिकों से अपील है कि अपने मवेशियों को खुला न छोड़े।

एक सप्ताह के अंदर 4 मवेशियों की हो चुकी है मौत - अनीस

पांढरवानी सरपंच अनीस खान ने बताया कि वर्तमान में किसानों के द्वारा अपनी फसलों में कीटनाशक दवाइयों का छिड़काव किया गया है इसके संपर्क में आने से आवारा मवेशियों की मृत्यु हो रही। इस संबंध में पंचायत के द्वारा पशु मालिकों को पूर्व में चेतावनी देकर अपने पशुओं को घरों में बांधकर रखने निर्देशित किया गया था परंतु उनके द्वारा कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है और मवेशी को खुला छोड़ देते है। साथ ही आवारा मवेशी किसानों की फसल को भी नुकसान पहुंच रहे है, जिससे किसान भी परेशान है। श्री खान ने बताया कि एक सप्ताह के अंदर 4 मवेशियों की कीटनाशक के प्रभाव में आने से मौत हो चुकी है उसके बावजूद भी पशु मालिक अपने मवेशियों को खुला छोड़ रहे है। साथ ही मवेशियों की मृत्यु हो जाने पर पशु मालिक सामने नही आते है, अगर किसी वाहन से पशु घायल हो जाते है तो मुआवजा की राशि लेने पहुंच जाते है। हाईवे मार्ग पर आवारा मवेशियों की धमाचौकड़ी से दुर्घटनाएं भी घटित हो रही है। पशु मालिकों से अपील है कि मवेशियों को सुरक्षित रखे अन्यथा मवेशियों को पकड़कर गौशाला भेजा जायेगा एवं मालिक के खिलाफ वैधानिक कार्यवाही की जावेगी।

बेलगांव-बकोड़ा मार्ग के मोड़ पर बना जानलेवा गड्ढा, हादसे का डर, जिम्मेदार मौन

ग्रामीण एवं राहगीरों ने सड़क विभाग से गड्ढे का मरम्मत कार्य करवाने की मांग की

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से सटे ग्राम पंचायत बेलगांव से बकोड़ा कृषि उपज मंडी को जोड़ने वाले मुख्य मार्ग पर राहगीरों की जान जोखिम में है। सड़क की एक महत्वपूर्ण मोड़ पर बना गहरा गड्ढा किसी बड़ी दुर्घटना को खुला आमंत्रण दे रहा है। स्थिति यह है कि मोड़ पर होने के कारण दूर से आने वाले वाहन चालकों को यह गड्ढा दिखाई

नहीं देता। जिससे हर समय हादसे की आशंका बनी रहती है और पूर्व में छोटी-बड़ी दुर्घटनाएं भी घटित हो चुकी है क्योंकि जिस स्थान पर सड़क में गड्ढा बना हुआ है। वह मोड पर बना हुआ है जिससे दूसरे साइड से आने वाले चौपहिया, दुपहिया वाहन दिखाई नही देते है और अचानक सामने आने पर वाहन अनियंत्रित होने से लोग गिरकर चोटिल हो सकते है। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। जिससे ग्रामीणजन एवं राहगीरों में सड़क विभाग के प्रति आक्रोश व्याप्त है।

ओवरलोड वाहनों से बढ़ रहा खतरा

वर्तमान में बकोड़ा स्थित कृषि उपज मंडी में पूर्व में खरीदी गई धान का परिवहन जारी है। साथ ही मंडी में चने की खरीदी भी की जा रही है। इस वजह से मार्ग पर धान से लदे ओवरलोड ट्रकों और अपनी उपज लेकर आने वाले किसानों की आवाजाही बनी हुई है। यदि इन भारी वाहनों के चक्के इस गड्ढे में फंसते हैं, तो वाहन अनियंत्रित होकर पलट सकता है, जिससे बड़ा हादसा कभी भी घटित हो सकता है। जबकि सड़क का यह हिस्सा एक चौराहा चौक है, जहां चार दिशाओं से आने वाले लोग मिलते हैं। स्कूली बच्चे, ग्रामीण और राहगीर इसी मार्ग से गुजरते हैं। मोड़ पर गड्ढा होने के कारण दुपहिया वाहन चालक अचानक ब्रेक लगाने को मजबूर होते हैं, जिससे पीछे से आने वाले वाहनों से टकराने का भय बना रहता है। ग्रामीण एवं राहगीरों का कहना है कि सड़क की इस जर्जर स्थिति और जानलेवा गड्ढे की ओर संबंधित विभाग का कोई ध्यान नहीं है। जिम्मेदार अधिकारियों की चुप्पी से स्थानीय लोगों और राहगीरों में शासन-प्रशासन के प्रति भारी आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीण एवं राहगीरों ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि बेलगांव एवं बकोड़ा पहुंच मार्ग के मोड़ पर बने जानलेवा गड्ढे का तत्काल मरम्मत कार्य करवाये ताकि आवागमन में हो रही परेशानियों से निजात मिल सके।

बड़गांव में जल सेवा शिविर एवं अभिरूचि केन्द्र का किया गया शुभारंभ

राहगीरों को शीतल जल पिलाकर दी राहत, स्काउट-गाइड ने दिखाई अपनी कला

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। भीषण गर्मी के मौसम को देखते हुए भारत स्काउट गाइड रा.'य मुख्यालय भोपाल एवं जिला शिक्षा अधिकारी अश्विनी कुमार उपाध्याय के निर्देशानुसार ग्राम पंचायत बड़गांव स्थित बस स्टैंड पर जल सेवा शिविर एवं अभिरूचि केंद्र का बुधवार को विधिवत शुभारंभ किया गया। यह कार्यक्रम जिला पंचायत सभापति डुलेन्द्र ठाकरे, सरपंच राधेश्याम उइके सहित अन्य पदाधिकारियों की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर उपस्थिति पदाधिकारियों के द्वारा विधिवत पूजा अर्चन के पश्चात रिबिन काटकर जल सेवा शिविर एवं अभिरूचि केन्द्र का शुभारंभ किया गया। इस सेवा शिविर के माध्यम से एकीकृत शासकीय माध्यमिक शाला पिपरिया (बड़) लोहारा, प्राथमिक शाला नयाटोला, शासकीय उ'चतर माध्यमिक विद्यालय बड़गांव एवं कटंगझरी के स्काउट-गाइड्स ने अपनी सहभागिता दर्ज करवाई। साथ ही शिविर के दौरान बस स्टैंड से गुजरने वाले राहगीरों को ठंडा पानी और शीतल शरबत वितरित कर उनके सूखे कंठों को तर किया गया। जल सेवा के साथ-साथ यहां अभिरूचि केंद्र का भी संचालन किया गया, जिसमें स्काउट-गाइड के दल ने अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। जिसमें छात्र-छात्राओं ने हस्तकला की सुन्दर वस्तुएं बनाई, ड्राइंग एवं पेंटिंग के माध्यम से सामाजिक संदेश दिये गये। विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। वहीं आयोजित कार्यक्रम के संबंध में स्काउट मास्टर, फ्लॉक लीडर और गाइड कैप्टन ने बताया कि इस केंद्र को खोलने का मुख्य उद्देश्य तपती धूप में राहगीरों को राहत पहुंचाना और विद्यार्थियों में सेवा भाव के साथ-साथ उनके कौशल का विकास करना है। इस अवसर पर पंचायत सचिव युवराज पटले, पूर्व सरपंच सुमेन्द्र बिसेन, खुमानसिंह पटले, बनवासी राऊत, महिपाल मर्सकोले, कोमल तुरकर, शा.उ.मा.विद्यालय के प्राचार्य आर.सी.बोपचे, नन्दकिशोर यट्टी, स्काउटर हरिप्रसाद देशमुख, सुरेन्द पन्दे, गाइड केप्टन श्रीमती उषा मसराम, श्रीमती रत्नमाला गौरे, श्रीमती ममता दुबे, फ्लॉक लीडर श्रीमती सुनिता भलावी, श्रीमती सीमा मेश्राम, गाइड केप्टन पदम्य मानेश्वर, श्रीमती रजनी मर्सकोले सहित बड़ी संख्या में स्काउट मास्टर, गाइड कैप्टन, कब-बुलबुल और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

कनकी अरूणोदय हायर सेकेण्डरी का बोर्ड परीक्षा परिणाम रहा शत-प्रतिशत

पद्मेश न्यूज। बेहरई/लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत कनकी स्थित अरूणोदय हायर सेकण्डरी ने इस वर्ष भी अपनी गौरवशाली परंपरा को बरकरार रखते हुए कक्षा 10 वीं एवं 12 वीं की वार्षिक परीक्षा 2025-26 में शानदार सफलता दर्ज की है। विद्यालय का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा है। जिसमें कक्षा 10 वीं में स्कूल में निव्या कातुरे ने प्रथम स्थान प्राप्त कर टॉप किया है। साथ ही हाई स्कूल परीक्षा में छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया है। जिसमें निव्या कातुरे ने 96.80 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान, रिया ओड़ीचार ने 96.20 प्रतिशत के साथ द्वितीय, रिना पारधी ने 92.40 प्रतिशत के साथ तृतीय स्थान प्राप्त की हैं। इसके साथ ही रीत बघेले ने 92.20 प्रति. राज बघेले ने बघेले ने 90.80 प्रति., विद्या डोंगरवार ने 89.60 प्रति., रोहित पगरवार 89.20 प्रति., रिया कटरे ने 88.20 प्रति. सहित अन्य विद्यार्थियों ने भी प्रथम श्रेणी में अंक प्राप्त कर विद्यालय को गौरवान्वित किया है। इसी तरह कक्षा 12 वीं मे पायल बघेले ने 88.20 प्रतिशत अंक के साथ प्रथम स्थान पर रही है। रिया सिंगनजुडे ने 87.60 प्रतिशत अंक के साथ द्वितीय, तुमानी कटरे ने 77.60 प्रतिशत अंक के साथ तृतीय स्थान प्राप्त की है। विद्यार्थियों की इस उत्कृष्ट सफलता पर विद्यालय के प्राचार्य शिवराज लानगे, वरिष्ठ शिक्षक नरेन्द्र वाहने, गिरिश टेम्भरे, प्रदीप डायरे, राजेन्द बिसेन, गरिमा सहारे, राजकुमार जर्वेकर, कंचन भोयर, पूजा डहरवाल, सुषमा दुबे, ललिता डहरवाल, रजनी दुबे, अंकिता बनवाले, सलोनी कुर्वे, संगीता परते, आरती पारधी, राजेश बिसेन, मंजू बिसेन, शारदा चौहान, मंजू राऊत, सुलोचना तुमसरे, साहिद रजा खान, टोपेश कावडे, आकांक्षा नगपुरे, ममता उइके, चंद्रकांता बांगरे, लक्ष्मी नागेश्वर, वैशाली चारमोड़े, एम बघेले, शंकरलाल उपवंशी सहित अन्य शिक्षकों ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की है।

स्कूलों को साइकिल वितरण प्रारंभ

९ स्कूलों को मिलीं १६२ साइकिलें वितरण प्रक्रिया जारी

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना के अंतर्गत वारासिवनी विकासखंड में स्कूली छात्र छात्राओं के लिए साइकिल वितरण का कार्यक्रम प्रारंभ हो गया है। विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय के मार्गदर्शन में अब तक क्षेत्र के ९ शासकीय स्कूलों को कुल १६२ साइकिलें आवंटित की जा चुकी हैं।

गोंडी टोला से हो रहा है वितरण

वर्तमान में साइकिलों का वितरण ग्राम पंचायत वारा के अंतर्गत आने वाले गोंडी टोला स्थित प्राथमिक स्कूल परिसर से किया जा रहा है। यहाँ से संबंधित स्कूलों के प्राचार्य अपने अपने स्तर पर ट्रांसपोर्ट के माध्यम से आवंटित साइकिलों को सुरक्षित रूप से अपने विद्यालय ले जा रहे हैं। विद्यालय पहुँचने के बाद इन साइकिलों को पात्र छात्र छात्राओं को वितरित किया जाएगा। इसमें ९ स्कूलों को अभी तक साइकिल वितरण की गई है जिसमें मुख्य रूप से हाई एवं हायर सेकेंडरी स्कूल बुदबुदा, डोंगरमाली, लड़सड़ा, कायदी, मंगेझरी, झड़गांव, कोचीवाही, सिर्रा और पिपरिया शामिल हैं।

दो प्रकार की साइकिलों का होगा वितरण

विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार कक्षा और आयु के अनुरूप अलग अलग आकार की साइकिलें उपलब्ध कराई गई हैं कक्षा ९वीं हेतु कुल ९७७ साइकिलें प्राप्त हुई हैं जिनका आकार २० इंच है। वर्तमान में

प्राथमिकता के आधार पर कक्षा ९वीं के विद्यार्थियों को ही वितरण किया जा रहा है। कक्षा छठवीं के विद्यार्थियों के लिए १८ इंच की कुल १९० साइकिलें स्टॉक में उपलब्ध हैं।

पोर्टल पर दर्ज संख्या के आधार पर होगा अगला आवंटन

हालांकि वितरण कार्य तेजी से चल रहा है लेकिन विभाग ने अभी अंतिम आंकड़े स्पष्ट नहीं किए हैं। इसका मुख्य कारण वर्तमान में चल रही प्रवेश प्रक्रिया है। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि जैसे जैसे विद्यार्थी शिक्षा पोर्टल पर दर्ज होते जाएंगे उसी अनुपात में शेष विद्यालयों को साइकिलों का आवंटन किया जाएगा। शिक्षा विभाग की इस पहल से ग्रामीण अंचलों से आने वाले विद्यार्थियों में काफी खुशी देखी जा रही है। घर से स्कूल की दूरी तय करने में अब विद्यार्थियों को आसानी होगी जिससे उनकी उपस्थिति और शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार होने की उम्मीद है।

खैर लकड़ी तस्करी कांड वारासिवनी वन विभाग की बड़ी सफलता

९वां आरोपी चढ़ा हत्थे पूर्व जिला पंचायत सदस्य अब भी फरार

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। खैर की बेशकीमती लकड़ी की तस्करी के मामले में वारासिवनी वन विभाग को एक और बड़ी सफलता मिली है। २३ जनवरी की रात बोटेझरी में पकड़े गए लकड़ी से भरे ट्रक के मामले में विभाग ने अब नौवें आरोपी राजेंद्र प्रसाद अडमाचे २६ वर्ष निवासी कटंगझरी को भी गिरफ्तार कर लिया है। इस हाइ प्रोफाइल मामले में अब तक कुल ११ नामजद आरोपियों में से ९ सलाखों के पीछे पहुँच चुके हैं। जबकि मुख्य सरगना और पूर्व जिला पंचायत सदस्य राकेश डहरवाल की तलाश अब भी जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार २३ जनवरी की दरमियानी रात को रेंजर छत्रपाल सिंह जादौन के नेतृत्व में वन विभाग की टीम ने ग्राम

बोटेझरी में दबिश दी थी। वहां से उत्तर प्रदेश पासिंग का एक १४ टायर ट्रक यूपी ७२ एटी ५०५० जप्त किया गया था जिसमें करीब ११ घन मीटर खैर की लकड़ी अवैध रूप से लदी हुई थी। मौके से पहले ही ८ आरोपियों में मजदूर हेल्पर और सुपरवाइजर को गिरफ्तार किया जा चुका था। वन विभाग ने इस मामले में कार्यवाही करते हुए नौवें आरोपी राजेंद्र प्रसाद अडमाचे २६ वर्ष निवासी कटंगझरी को गिरफ्तार किया है। राजेंद्र पर वन्य जीव संरक्षण अधिनियम संशोधित २०२२ और भारतीय वन अधिनियम की विभिन्न गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज था। विभागीय अधिकारियों के अनुसार राजेंद्र इस पूरे सिंडिकेट का एक महत्वपूर्ण हिस्सा था। उसे बुधवार को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया जहां से आगे की कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा रही है। वन विभाग ने आरोपियों के विरुद्ध वन्य जीव संरक्षण अधिनियम १९७२ संशोधित २०२२ की धारा ९,३९,५०,५१,५२ और भारतीय वन अधिनियम १९७२ की धारा ३३ क, ६६ क व ६९ के तहत प्रकरण दर्ज है। डिप्टी रेंजर अशोक भालाधरे ने बताया की खैर की लकड़ी का एक बड़ा सिंडिकेट पकड़ा थे जिसके आठ आरोपी गिरफ्तार हुए थे तीन आरोपी फरार थे। ऐसे में फरार आरोपियों की सरगर्मी से पतासाजी की जा रही थी तभी मुखबिर सूचना के आधार पर राजेंद्र प्रसाद अडमाचे की सूचना लगी जिसे गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है। वहीं दो फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है और जल्द ही इस पूरे नेटवर्क के आखिरी सिरे को भी दबोच लिया जाएगा।

विधिक साक्षरता शिविरों के माध्यम से बंदियों और ग्रामीणों को दी कानूनी जानकारी

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। तहसील विधिक सेवा समिति वारासिवनी के तत्वावधान में क्षेत्र में दो महत्वपूर्ण विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविरों का आयोजन किया गया। यह शिविर द्वितीय जिला न्यायाधीश संजयराज

ठाकुर के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। इन कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य आम जनमानस और जेल में निरुद्ध बंदियों को उनके अधिकारों के प्रति सचेत करना था। पहला शिविर उप जेल वारासिवनी में आयोजित किया गया। यहाँ न्यायाधीश श्री ठाकुर ने बंदियों को संबोधित करते हुए उन्हें निःशुल्क विधिक सहायता योजना और उनके कानूनी अधिकारों की जानकारी दी। उन्होंने विशेष रूप से आगामी ९ मई २०२६ को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि बंदी किस प्रकार अपने समझौता योग्य प्रकरणों को लोक अदालत के माध्यम से निराकृत कराकर लाभ प्राप्त कर सकते हैं। इसी क्रम में दूसरा शिविर ग्राम पंचायत सरण्डी में आयोजित किया गया। यहाँ ग्रामीणों को मोटर यान अधिनियम, महिलाओं एवं बच्चों से संबंधित विशेष कानूनों के बारे में विस्तार से बताया गया। शिविर में न्यायाधीश ने ग्रामीणों की विधिक समस्याओं को सुना और मौके पर ही उनका निराकरण किया। दोनों ही स्थानों पर न्यायाधीश संजयराज ठाकुर ने आगामी नेशनल लोक अदालत के महत्व और उद्देश्य को रेखांकित किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि लोक अदालत त्वरित और सुलभ न्याय का एक सशक्त माध्यम है जिससे समय और धन दोनों की बचत होती है। शिविरों के अंत में उपस्थित जनों से अपील की गई कि वे जागरूक बनें और कानून का पालन कर एक सभ्य समाज के निर्माण में सहयोग दें। इस दौरान जेल उपजेल अधीक्षक सुश्री अंजू गोस्वामी, जेल प्रहरी एल एन राय , श्रीमती पूजा गौतम, दुर्गाशंकर बनकर , सुनील सहित बंधी जेल अधिकारी कर्मचारी बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

शंकर साव पटेल महाविद्यालय में जनगणना प्रशिक्षण जारी

३१५ प्रगणक और सुपरवाइजर ले रहे ट्रेनिंग

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के शंकर साव पटेल शासकीय महाविद्यालय में आगामी जनगणना को व्यवस्थित और त्रुटिरहित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। शासन के निर्देशानुसार जनगणना के प्रथम चरण को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के लिए मास्टर ट्रेनर्स के द्वारा प्रगणकों और सुपरवाइजरों को बारीकियों से अवगत कराया जा रहा है। वारासिवनी विकासखंड के अंतर्गत जनगणना कार्य के लिए कुल ३१५ प्रगणक एवं सुपरवाइजर नियुक्त किए गए हैं। प्रशिक्षण की सुगमता के लिए इसे तीन अलग अलग चरणों में विभाजित किया गया है। जो १५ अप्रैल से शुरू होकर २५ अप्रैल तक निरंतर संचालित किया जाएगा। मास्टर ट्रेनर वीरेंद्र बनोटे ने बताया कि प्रशिक्षण को गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिए महाविद्यालय के तीन कक्षों में ४५-४५ प्रशिक्षार्थियों को बैच बनाई गई है। इस प्रकार एक चरण में कुल १३५ प्रगणक और सुपरवाइजर प्रशिक्षित किए जा रहे हैं। इस बार की जनगणना में तकनीक के उपयोग पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। प्रशिक्षण के दौरान प्रगणकों को प्रथम चरण में भवनों की सटीक गणना और उनकी सूची तैयार करना, हाउस लिस्टिंग ऑपरेशंस के तहत कार्यप्रणाली और एचएलबी सर्वे को अंजाम देने के तरीके पोर्टल पर एसई आईडी बनाने की प्रक्रिया और डिजिटल डेटा एंट्री। ताकि नागरिकों के द्वारा स्वयं की गणना करने की प्रक्रिया को पोर्टल के माध्यम से कैसे प्रोत्साहित और प्रबंधित करना है। प्रशिक्षण प्राप्त करने वालों में मुख्य रूप से शिक्षक, पटवारी और पंचायत कर्मचारी शामिल हैं। प्रशासनिक ढांचे के अनुसार एक सुपरवाइजर के अधीन ६ प्रगणक कार्य करेंगे। प्रत्येक टीम को एक एचएलबी आवंटित किया जाएगा जिसमें औसतन २०० भवन शामिल होंगे। इन भवनों की गणना निर्धारित मापदंडों के अनुसार डिजिटल माध्यम से की जानी है। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि जनगणना का कार्य पूरी तरह व्यवस्थित हो और डेटा में किसी भी प्रकार की विसंगति ना रहे। विशेषज्ञों के द्वारा यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि प्रत्येक प्रगणक फील्ड में जाने से पूर्व तकनीकी रूप से सक्षम हो जाए। ताकि राष्ट्रीय महत्व के इस कार्य को समय सीमा के भीतर और शुद्धता के साथ पूर्ण किया जा सके।

विधायक विवेक पटेल आज करेंगे क्षेत्र के सभी प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का सम्मान

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल के द्वारा सत्र २०२५-२६ की कक्षा १० वीं एवं १२ वी की बोर्ड परीक्षाओं में अव्वल अंक पाकर उत्तीर्ण हुए विद्यार्थियों का आज दीनदयाल चौक स्थित पीडब्ल्यूडी ऑफिस के बाजू में

जनसंपर्क कार्यालय में विधायक विवेक पटेल के द्वारा सम्मानित किया जाएगा। विधायक प्रतिनिधि अनिल पिपरेवार ने बताया कि विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सभी सरकारी एवं निजी शिक्षक संस्थानों के करीब १५०० से अधिक विद्यार्थियों जिन्होंने कक्षा १० वीं एवं १२ वी की बोर्ड परीक्षाओं में ७५ प्रतिशत से अधिक अंक लाकर अपने पालकों, स्कूलों व विधानसभा क्षेत्र का नाम रोशन करने वाले बच्चों का सम्मान विधायक विवेक पटेल के हस्ते किया जाएगा। विदित हो कि ऐसा तीसरी बार होगा संपूर्ण विधानसभा स्तर पर मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान विधायक विवेक पटेल के द्वारा किया जा रहा है जो अनुकरणीय है। इस सम्मान समारोह की शुरुआत विधायक विवेक पटेल द्वारा ही किया गया था। विद्यार्थियों के इस सम्मान से निश्चित ही विद्यार्थियों को पढ़ाई के क्षेत्र में और बेहतर से बेहतर करने की प्रेरणा मिलेगी।

अवैध रेत खनन पर बड़ी कार्रवाई- दो ट्रैक्टर-ट्रॉली जप्त

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में खनिजों के अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण पर रोक लगाने के लिए खनिज अमले द्वारा लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में आज दिनांक 22 अप्रैल 2026 को तहसील लालबर्रा एवं बालाघाट क्षेत्र में छापामार कार्रवाई करते हुए

अवैध रेत परिवहन में संलिप्त दो ट्रैक्टर-ट्रॉली जप्त की गई।

उपसंचालक खनिज सुश्री फरहत जहाँ ने बताया कि पहली कार्रवाई ग्राम ददिया, तहसील लालबर्रा में की गई, जहां ट्रैक्टर क्रमांक MP50-2449 के साथ ट्रॉली में अवैध रूप से रेत परिवहन करते पाए जाने पर चालक चंचल चौहान (पिता शिवपाल चौहान, निवासी ददिया) के वाहन को जप्त किया गया। वहीं दूसरी कार्रवाई नर्मदानगर, तहसील बालाघाट में की गई, जहां ट्रैक्टर क्रमांक MP50-5723 के साथ ट्रॉली में अवैध रेत परिवहन करते पाए जाने पर चालक राकेश लीलारे (पिता बुधराम लीलारे, निवासी गायखुरी) के वाहन को जप्त किया गया।

जप्त किए गए दोनों ट्रैक्टर-ट्रॉली के विरुद्ध मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण का निवारण) नियम 2022 के तहत नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध खनन गतिविधियों के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा और ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जाएगी।

एकोड़ी में हैंडपंप जल की हुई जांच, 8 स्त्रोतों का पानी पेय योग्य पाया गया

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट जिले की वारासिवनी तहसील के ग्राम एकोड़ी के वार्ड क्रमांक-01 स्थित आंगनवाड़ी परिसर में स्थापित 12 हैंडपंपों के जल की गुणवत्ता की जांच फील्ड टेस्ट किट के माध्यम से की गई। परीक्षण के दौरान जल को 10 विभिन्न पैरामीटर पर परखा गया।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री श्री बी एल उईके ने बताया कि हैंडपंपों के जल परीक्षण परिणामों के अनुसार 12 में से 8 हैंडपंपों का जल पेय योग्य पाया गया, जिससे ग्रामीणों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध हो रहा है। वहीं शेष 4 हैंडपंपों में आयरन एवं टर्बिडिटी की मात्रा निर्धारित मानकों से अधिक पाई गई, जिसके कारण इनका पानी पीने योग्य नहीं है। संबंधित हैंडपंपों के जल का उपयोग केवल बाहरी कार्यों जैसे सफाई आदि के लिए करने की सलाह दी गई।

इस दौरान ग्रामीणों को जल संरक्षण एवं जल के समुचित उपयोग के प्रति जागरूक किया गया तथा पानी बचाने के लिए आवश्यक सुझाव भी दिए गए। कार्यक्रम में ग्राम सरपंच श्रीमती सरिता मेश्राम, सचिव श्री अभिजीत सिंह चौहान, सहायक यंत्री श्री विजय कुमार तिवारी, उपयंत्री सुश्री शिवानी श्रीवास्तव, ब्लॉक कोऑर्डिनेटर श्री प्रतांशी पाठक एवं आंगनवाड़ी सहायिका श्रीमती बसंती हिरकने सहित अन्य ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

समर्थन मूल्य पर 54 किसानों से 916 क्विंटल गेहूँ की हुई खरीदी

963 किसानों ने कराया स्लॉट बुक

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। रबी विपणन मौसम 2026-27 के तहत जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन का कार्य शुरू कर दिया गया हैं। जिले में किसानो से समर्थन मूल्य पर गेहूँ की खरीदी के लिए 13 केंद्र बनाये गए है। इन केंद्रो पर 15 अप्रैल 2026 से खरीदी प्रारंभ कर दी गई है। 22 अप्रैल तक जिले के 54 किसानों से 916 क्विंटल गेहूँ की समर्थन मूल्य पर खरीदी की जा चुकी है। जिले के 4388 किसानों ने समर्थन मूल ?य पर गेहूँ विक्रय के लिए अपना पंजीयन कराया है। जिला आपूर्ति अधिकारी श्री आरके ठाकुर ने बताया कि इस वर्ष गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2585 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। इस पर शासन द्वारा 40 रुपए प्रति क्विंटल बोनस दिया जा रहा है। इस प्रकार किसानों को प्रति क्विंटल गेहूँ का दाम 2625 रुपए प्राप्त होगा। रबी विपणन वर्ष 2026-27 में गेहूं उपार्जन के लिए किसानों की स्लॉट बुकिंग की अंतिम तिथि 30 अप्रैल 2026 निर्धारित की गई है। निर्धारित तिथि के पश्चात स्लॉट बुकिंग की प्रक्रिया संभव नहीं होगी। गेहूँ विक्रय के लिए पंजीयन कराने वाले किसानों से अपील की गई है कि 30 अप्रैल तक स्लॉट बुकिंग अनिवार्य रूप से कर ले।

उत्तर प्रदेश में स्मार्ट मीटर पर सियासी उबाल

उत्तर प्रदेश में आगामी वर्ष में विधानसभा चुनाव का बिगुल बज जायेगा। ऐसे में विपक्ष के लोग वर्तमान सरकार की हर छोटी से छोटी समस्या को भी मुद्दा बनाने से नहीं चूक रही। अभी हाल ही में नोयडा हुए मजदूर आंदोलन से सरकार उबर पाई थी कि अब दूसरा मुद्दा स्मार्ट मीटर योजना को लेकर आ गया। हालांकि प्रदेश सरकार की मंशा पारदर्शिता और दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से शुरू की गई थी, जो अब आम जनता—खासकर महिलाओं—के गुस्से का कारण बनती जा रही है। हाल के दिनों में कई जिलों से महिलाओं के सड़कों पर उतरकर विरोध करने की खबरें सामने आई हैं, जो इस नीति के जमीनी असर को उजागर करती हैं। वहीं फिलहाल सरकार ने इस स्मार्ट मीटर पर रोक लगा दी है। प्रदेश में अभी जैसे तैसे कर गैस सिलेंडर की समस्या स उपजे मजदूर आंदोलन से निजात पाई थी कि और ऊपर से अब उत्तर प्रदेश में बढ़ते बिल और भरोसे का संकट के दौर से गुजर रही महिलाओं की स्मार्ट मीटर लगने के बाद उपभोक्ताओं की सबसे बड़ी शिकायत बिजली बिल में अचानक वृद्धि देखी जिसके चलते आगरा और मथुरा जैसे इलाकों में महिलाओं ने आरोप लगाया कि पहले की तुलना में बिल कई गुना बढ़ गए हैं, जबकि खपत में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ। इसके साथ ही प्रीपेड सिस्टम ने समस्या को और बढ़ा दिया है—रिचार्ज खत्म होते ही बिजली कट जाती है। कई मामलों में बिल जमा करने के बाद भी आपूर्ति बहाल होने में देरी की शिकायतें सामने आई हैं। इस समस्या से जूझ रही गांवों और कस्बों में महिलाओं ने सीधे बिजली घरों का घेराव किया, प्रदर्शन किए और अधिकारियों के खिलाफ नारेबाजी की। आगरा में तो हालात ऐसे बने कि अधिकारियों को कार्यालय छोड़कर जाना पड़ा। यह विरोध सिर्फ आर्थिक बोझ का नहीं, बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी पर पड़ने वाले असर का भी है—रसोई, बच्चों की पढ़ाई और घर का काम सीधे बिजली पर निर्भर हैं, इसलिए, महिलाएं इस मुद्दे को लेकर सबसे ज्यादा सक्रिय दिख रही हैं। स्मार्ट मीटर से जुड़ी तकनीकी समस्याएं भी विवाद का बड़ा कारण हैं। कहीं सोलर उपभोक्ताओं को गलत बिल मिल रहे हैं, तो कहीं कनेक्टिविटी और रीडिंग में गड़बड़ी की शिकायतें हैं।इसके अलावा, बिना सहमति पुराने मीटर हटाने और नए मीटर लगाने के आरोपों ने जनता के भरोसे को और कमजोर किया है। लगातार विरोध और शिकायतों के बाद सरकार को कदम पीछे खींचने पड़े। स्मार्ट मीटर लगाने की प्रक्रिया पर फिलहाल रोक लगा दी गई। जांच के लिए तकनीकी समिति बनाई गई उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए अस्थायी नियम लागू किए गए। यह कदम इस बात का संकेत है कि नीति और उसके क्रियान्वयन के बीच गंभीर खाई है। स्मार्ट मीटर का उद्देश्य पारदर्शिता और ऊर्जा प्रबंधन को बेहतर बनाना था, लेकिन जमीनी स्तर पर यह तकनीकी सुधार सामाजिक असंतोष में बदल गया है। महिलाओं का उग्र विरोध यह बताता है कि जब किसी नीति का असर सीधे घर-परिवार की बुनियादी जरूरतों पर पड़ता है, तो यह केवल तकनीकी नहीं, बल्कि सामाजिक और राजनीतिक मुद्दा बन जाता है। स्मार्ट मीटर योजना अपने उद्देश्य में गलत नहीं, लेकिन इसकी जल्दबाजी, तकनीकी खामियां और संवाद की कमी ने इसे विवाद का केंद्र बना दिया है। यदि सरकार पारदर्शिता, जवाबदेही और उपभोक्ता हितों को प्राथमिकता नहीं देती, तो यह स्मार्ट पहल जन असंतोष का स्थायी कारण बन सकती है। उत्तर प्रदेश में स्मार्ट बिजली मीटरों की स्थापना पर सरकार द्वारा लगाई गई रोक ने एक नई बहस को जन्म दे दिया

मृत्यु भोज देना या उसमें भाग लेना दंडनीय अपराध है!-जाना पड़ सकता है जेल!

वैश्विक स्तरपर दुनियां में भारत ही एक ऐसा देश है जहां हजारों समाज, लाखों जातियां, उपजातियां धर्म व आध्यात्मिक आस्था की जड़ कहा जाता रहा है, जिसकी गिनती विदेशो में भारतीय खूबसूरती की विशेषताओं में से एक है। कई सैलानी इस अनोखी व्यवस्था को देखनें ही भारत यात्रा पर आते हैं और कहते हैं काबिल-ए-तारीफ़! इसी कारण ही भारत धर्मनिरपेक्ष देश की ताकत से प्रसिद्ध है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र, मानता हूं के भारतीय रीति रिवाज को हर समाज स्तर पर अलग अलग रूप से लागू किया जाता रहा है,परंतु बहुत सी कुरीतियां और रिवाज ऐसे हैं जो करीब करीब हर समाज जाति में कॉमन है, उन्हें में से एक है, परिवार के किसी सदस्य की मृत्यु हो जाने पर उस परिवार में 13 दिवसीय शोक मनाया जाता है तथा अंतिम दिन को, 13 वीं या 12 वीं दिन के रूप में अंतिम दिन मृत्यु भोज दिया जाता है, जिसे समाज स्तर व पारिवारिक व रिश्तेदारों के लोग शामिल होते हैं। परंतु समय के बदलते परिपेक्ष में आजकल समय अभाव के कारण समाज में अपने-अपने समय अनुसार मृत्यु भोज दिया जाता है, तो अनेक समाजों में यह मृत्यु भोज केवल पारिवारिक व रिश्तेदारी तक सीमित कर दिया गया है, जो कि इस प्रकार के नियम समझो कि पंचायत द्वारा ही बनाए गए हैं, जो मेरा मानना है कि काफी हद तक उचित भी हैं हमारी राइस सिटी गोंदिया नगरी के कुछ समाजों के प्रबुद्ध नागरिकों से इस मृत्यु भोज के विषय पर मेरी लंबी चर्चा हुई तो, उन्होंने कहा हमारे समाज में मृत्यु भोज प्रतिबंधित है परंतु समाज के लोग अपने परिवार और रिश्तेदारों तक सीमित रूप से मृत्यु भोज की रस्म करते रहते हैं। यह चर्चा आज हम इसलिए कर रहे हैं, क्योंकि मुझे आज 16 अगस्त 2025 को एक महिला ने डिस्पोजल शॉप पर बताया कि उसके पति की मृत्यु हो गई है, वह उसकी 13 वीं में मृत्यु भोज कर रहे हैं। पूरे 13 दिवसीय शोक में एक लाख रुपए से अधिक खर्च आ गया है, व मृत्यु भोज पर भी करीब 40-50 हजार रुपए खर्च होगा। उन्होंने कहा कि वह यह मृत्यु भोज नहीं करना चाहती है परंतु कुछ समाज के लोगों ने कहा इससे समाज वाले उंगली उठाएंगे,बदनाम करेंगे, व सामाजिक प्रतिष्ठा कम होगी! इसलिए मैं यह सब कर रही हूं। बस! इसलिए मैंने आज इस विषय पर आर्टिकल लिखने की सोचा और मैंने फिर इस पर रिसर्च शुरू की तो,मुझे राजस्थान मृत्यु भोज निवारण अधिनियम 1960 मिला, जिसके तहत मृत्यु भोज देना या उसमें भाग लेना दंडनीय अपराध है, जेल जाना पड़ सकता है। उसमें 1 साल की सजा वह 1000 रुपए जुर्माना की सजा है।दूसरा 13 दिसंबर 2023 तारीख की राजस्थान पुलिस की एक सोशल मीडिया पर पोस्ट मिली जिसमें लिखा था, मृत्यु भोज करने और उसमें शामिल होना कानूनं दंडनीय अपराध है। मानवीय दृष्टिकोण से भी यह आयोजन अनुचित है, इसलिए आओ मिलकर इस कुरीति को समाज के से दूर करें, इसका विरोध करें।चूंकि राजस्थान मृत्यु भोज निवारण अधिनियम 1960 के तहत मृत्यु भोज कानून दंडनीय अपराध है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे पारिवारिक सदस्य की मृत्यु पर 13 दिवसीय शोक पर मृत्यु भोज को कुरीति/रीति/धार्मिक संस्कार पर बस छिड़ी। राष्ट्रीय स्तरपर इसका समाधान होना जरूरी है। साथियों बात अगर हम मृत्यु भोज की करें तो, हिंदू परिवारों में मृत व्यक्ति की आत्मा की शांति के लिए परिजन अंतिम संस्कार के बाद विधि विधान से तेरह दिन पर तेरहवीं के रूप में मृत्यु भोज रखते हैं, मगर राजस्थान पुलिस का फरमान देख लगता है कि यह लोगों का अधिकार नहीं बल्कि अपराध है। राजस्थान पुलिस ने 13 दिसंबर की सुबह सोशल साइट एक्स पर पोस्ट किया था - मृत्यु भोज करना और उसमें शामिल होना कानूनन दंडनीय है। मानवीय दृष्टिकोण से भी यह आयोजन अनुचित है,तो क्या किसी को भोज दे ही नहीं ?असल में मृत्यु भोज ऐक्ट आज का नहीं है, यह 1960 से है। इसमें साफ लिखा है कि मृत्यु भोज देना या उसमें भाग लेना दंडनीय अपराध है। सजा के रूप में एक साल तक का या एक हजार रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है। इसमें साफ है कि धार्मिक संस्कार के तहत रखे गए भोज में सौ से ज्यादा लोगों की संख्या नहीं होनीचाहिए। एक्ट बने इतने साल बीत गए मगर हकीकत यह है कि लोग इसके बारे में जानते भी नहीं। राजस्थान पुलिस के ट्वीट पर भी कई लोगों की प्रतिक्रिया थी कि क्या ऐसा भी कोईकानून है। ऐसा कहने वाले भी कम नहीं थे कि यह उनका निजी विषय है। एक ने एक्स पर लिखा-ऐसे हिंदू विरोधी कानून बंद करें।यह हिंदू धर्म के लिए ठीक नहीं इसमें कोई जबरदस्ती नहीं होती। हर इंसान अपनी हैसियत के हिसाब से ही करता है। तो कुछ लोगों ने इसके समर्थन में भी पोस्ट किया। एक ने लिखा-हमारे यूपी में भी ऐसा कानून होना चाहिए! मरने के बाद धर्म संकट में डालकर लूटने वालों की दुकानों पर ताला लगना चाहिए।राजस्थान में कुरीति बन चुकी है मृत्यु भोज? लोगों के तर्क से बड़ा सवाल यह उठा है कि क्या शोकाकुल परिजनों को मृत्यु भोज के लिए धर्म संकट में डाला जाता है? राजस्थान से ताल्लुक रखने वाले वरिष्ठ पत्रकार ने सबसे पहले पुलिस को ट्रोल करने वालों को जवाब दिया। वह बताते हैं-ट्रोल करने वालों में ज्यादातर लोग प्रदेश के बाहर के हैं। शायद इन्हें नहीं पता होगा कि राजस्थान में नुकता यानी मृत्युभोज कितनी बड़ी कुरीति रही है। राजस्थान में शादियों में दो-तीन हजार लोगों को आमंत्रित किया जाता है और मृत्युभोज में भी इतनी ही तादाद में भोज कराने का दबाव रहता है। बेशक खाने के आइटम शादी के मुकाबले थोड़े कम होते हैं। यहां तक कि अगर घर में किसी युवा शख्स की मौत होती है तो भी इतना बड़ा भोज करने का दबाव रहता है। यह आर्थिक रूप से कमजोर परिवार को भावनात्मक और आर्थिक रूप से बहुत कमजोर कर देता है। कई बार तो कर्ज लेना पड़ जाता है। पुलिस की कानूनी बंदिश यह कहती है कि आप सौ-सवा सौ से ज्यादा लोगों को भोज न दें। साथियों बात अगर हम राजस्थान मृत्यु भोज निवारण अधिनियम 1960 की मुख्य धाराओं की करें तो, परिभाषा - इस अधिनियम में, जब तक कि विषय या संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो, -(ए) मृत्यु भोज का अर्थ है किसी व्यक्ति के निधन के अवसर पर या उसके संबंध में किसी भी अंतराल पर आयोजित या दी जाने वाली दावत और इसमें एक नुक्ता, एक मौसर और एक चहल्लुम शामिल है,और (बी) मृत्यु भोज आयोजित करने या देने में तैयार या बिना तैयार भोजन की वस्तुओं का वितरण शामिल है, लेकिन इसमें धार्मिक या धर्मनिरपेक्ष संस्कारों के पालन में परिवार के लोगों या पुरोहित वर्ग के व्यक्तियों या फकीरों को खाना खिलाना शामिल नहीं है, जो कि इससे अधिक नहीं है। कुल मिलाकर सौ व्यक्तियों की संख्या।(3) मृत्यु भोज का निषेध-राज्य में कोई भी व्यक्ति मृत्यु भोज आयोजित नहीं करेगा,न देगा,न शामिल होगा, न ही भाग लेगा।(4) धारा 3 के उल्लंघन के लिए सजा- जो कोई भी धारा 3 के प्रावधानों का उल्लंघन करता है या ऐसे किसी भी उल्लंघन को करने के लिए उकसाता है, उकसाता है या सहायता करता है, उसे एक अवधि के लिए कारावास की सजा हो सकती है, जिसे एक वर्ष तक बढ़ाया जा सकता है, या एक हजार रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है, या दोनों के साथ।(5) निषेधाज्ञा जारी करने की शक्ति- यदि धारा 4 के तहत दंडनीय अपराध का संज्ञान लेने में सक्षम न्यायालय इस बात से संतुष्ट है कि इस अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन करते हुए मृत्यु भोज की व्यवस्था की गई है या होने वाली है या दी जाने वाली है तो ऐसी अदालत आयोजन पर रोक लगाने के लिए निषेधाज्ञा जारी कर सकती है या ऐसे मृत्यु भोज देना (6) धारा 5 के तहत निषेधाज्ञा की अवज्ञा के लिए सजा- जो कोई भी, यह जानते हुए कि धारा 5 के तहत एक आदेश जारी किया गया है, ऐसे निषेधाज्ञा की अवज्ञा करेगा, उसे एक अवधि के लिए कारावास, जिसे एक वर्ष तक बढ़ाया जा सकता है, या जुर्माना, जो एक हजार रुपये तक बढ़ाया जा सकता है, या दोनों से दंडित किया जाएगा इस अधिनियम की धारा 5 के तहत जारी हस्ताक्षर के किसी भी उल्लंघन पर एक वर्ष या पांच रुपये तक की सजा का प्रावधान किया गया है।1000/ - या दोनों (7) सरपंच आदि जानकारी देने के लिए बाध्य (1) राजस्थान पंचायत अधिनियम 1953 (1953 का राजस्थान अधिनियम 21) के तहत स्थापित ग्राम पंचायत के सरपंच और प्रत्येक पंच और प्रत्येक पटवारी और लंबरदार धारा 4 या के तहत दंडनीय अपराध का संज्ञान लेने के लिए सक्षम निकटतम मजिस्ट्रेट को तुरंत सूचित करने के लिए बाध्य होंगे। धारा 6 कोई भी जानकारी जो उसके अधिकार क्षेत्र की स्थानीय सीमा के भीतर ऐसे अपराध को करने या करने के इरादे के संबंध में उसके पास हो।(2) ऐसे किसी भी सरपंच, पंच, पटवारी या लंबरदार को उप-धारा (1) के तहत आवश्यक जानकारी देने में विफल रहने पर तीन महीने तक की कैद या जुर्माना या दोनों से दंडित किया जा सकता है।वह धारा सरपंच और प्रत्येक पंच या ग्राम पंचायत, पटवारी और लंबरदार के लिए धारा 6 में से 5 के तहत अपराध की जानकारी निकटतम प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट को देना अनिवार्य बनाती है, यदि वह ऐसा करने में विफल रहता है तो उसे दंडित भी किया जा सकता है और इस धारा के तहत दोषी ठहराए जाने पर 3 महीने तक की सजा या जुर्माना या दोनों।(8) पैसा उधार लेने या उधार देने पर रोक(1) कोई भी व्यक्ति मृत्यु भोज आयोजित करने या देने के उद्देश्य से किसी अन्य व्यक्ति से धन या सामग्री उधार नहीं लेगा या उधार नहीं देगा।(2)इस जानकारी के साथ या यह विश्वास करने का कारण होने पर कि दिए गए ऋण का उपयोग मृत्यु भोज रखने या देने के उद्देश्य से किया जाएगा, दिए गए ऋण के पुनर्भुगतान के लिए प्रत्येक समझौता शून्य होगा और कानून की अदालत में लागू नहीं किया जाएगा।(9) अपराध का क्षेत्राधिकार और संज्ञान- प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट के अलावा कोई भी अदालत इस अधिनियम के तहत दंडनीय किसी भी अपराध का संज्ञान नहीं लेगी, या उस पर मुकदमा नहीं चलाएगी।(10) अभियोजन के लिए परिसीमा- कोई भी अदालत इस अधिनियम के तहत किसी भी अपराध का संज्ञान उस तारीख से एक वर्ष की समाप्ति के बाद नहीं लेगी जिस दिन अपराध होने का आरोप लगाया गया है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि मृत्यु भोज देना या उसमें भाग लेना दंडनीय अपराध है!- जाना पड़ सकता है जेल।राजस्थान मृत्यु भोज निवारण अधिनियम 1960 के तहत मृत्यु भोज कानून दंडनीय है।पारिवारिक सदस्य की मृत्यु पर 13 दिवसीय शोक पर मृत्यु भोज को कुरिति/रीति या धार्मिक संस्कार इसपर बहस छिड़ी-राष्ट्रीय स्तरपर इसका समाधान होना जरूरी है।

- किशन सनमुखदास भावनानी

हर भारतीय को राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना होनी

चाहिए जब भारत देश की बात आती है तो हम ना किसी धर्म से जुड़े हैं ना किसी के बहकावे में आकर देश से धोखा करेंगे क्योंकि मातृभूमि से बढ़कर कुछ भी नहीं है हमारी ताकत हमारी मातृभूमि की रक्षा के लिए मर मिटने के लिए एकजुट होकर भाईचारे से रहकर देश के प्रति एक जवाबदारी होनी चाहिए जब बीजेपी ने अन्य दलों के साथ मिलकर 1998 में पहली बार गैर कॉंग्रेसी सरकार आयी तो तुरंत ही उन्होंने 11मई 98 को पोखरण परमाणु परीक्षण कर देश को अपनी ताकत का अहसास कराया आपका सच्चा धर्म अपने देश के प्रति वफादार होना है पोखरण परमाणु परीक्षण के लिए हमारे वैज्ञानिकों को तैयारी करने और पूर्वाभ्यास करने के लिए दिन रात जुटे रहें सिर्फ डेढ़ साल का समय मिला था। इस मिशन की गोपनीयता को बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता थी।सन 1997 तक भारत परमाणु परीक्षण को लेकर इसे पुनः परीक्षण के लिए भारत के मशहूर वैज्ञानिक डॉ एपीजे कलाम व डॉ आर चिंदंबरम इसे कई बार उस समय के सरकार के पास जाकर उन्हें जानकारी दी थी लेकिन सीटीबीटी व अमेरिका व अन्य देशों के डर के कारण रोक दिया गया था जब 1998 में स्व पूर्व प्रधानमंत्री अटल जी की सरकार आई तो इसका नेतृत्व करते महान भारतीय वैज्ञानिक डॉ एपीजे अब्दुल कलाम को पुरी छूट दी उन्होंने कहा आप सभी वैज्ञानिक जब चाहें तब करें मुझे ऐ मत बताइए कब करना है उन्होंने साफ कहा कि पार्टी रहे या नहीं रहे इसकी चिंता नहीं है देश सर्वोपरि है अतः आप जैसे चाहे वैसे करें देश की रक्षा सर्वोपरि है इसके लिए देश के पास परमाणु अस्त्र होना जरूरी है इसकी भनक अमेरिका को लगी इसके लिए अमेरिका ने नासा में उस समय डॉ एपीजे अब्दुल कलाम को बुलाया और नासा के निदेशक पद का ऑफर दिया स्व डॉ कलाम सर ने उन्हें मना तो नहीं किया लेकिन यह मामला फंस गया बने या न बने उन्होंने इसलिए ऐसा किया क्योंकि वो जानते थे मेरे लिए देश सर्वोपरि है और मैं अकेला हूं अतः जो वहां जाकर ऐ जान गए कि भारत के परमाणु परीक्षण को लेकर अमेरिका ने सैटेलाइट लगा दिया है अतः भारत आने के बाद उन्होंने इस कार्यक्रम की रुपरेखा तैयार की उन्होंने परमाणु परीक्षण से जुड़े सभी वैज्ञानिकों को बताया कि यहां सैन्य अभ्यास की तैयारी कर उस मिशन को पुरा करने की कोशिश की जाए व यह काम सैटेलाइट जाने के ठीक डेढ़ (1.5) के पहले ही करना होगा बाद में इसकी खबर पाकिस्तान के गुप्तचरों ने अमेरिका को बता दिया और अमेरिका ने सैटेलाइट घुमाने की अवधि करीब आधा घंटा कर दिया इससे पहले पता चलता वैज्ञानिकों ने सेना की वर्दी पहने व आधे घंटे के अंदर ही घास फूस का मचान/छत जैसा तैयार कर निचे घुस कर बहुत ही कठिन परिस्थितियों में गड्ढा खोदने का काम किया जिसमें परमाणु परीक्षण किया जाता है।भारत जब पोखरण में ऑपरेशन शक्ति के तहत सफल परमाणु परीक्षण करने की तैयारी कर रहा था, तो इसकी भनक किसी भी दूसरे देश को नहीं थी। यहां तक की परमाणु परीक्षण होने के बाद भी इसकी जानकारी किसी को नहीं लगी थी। भारत की सरकार के लिए उस वक्त से बहुत चुनौतीपूर्ण काम था, क्योंकि अमेरिका की खुफिया एजेंसी सीआईए (CIA) भारत की हरकतों पर पल-पल नजर बनाए रखता था। सीआईए ने भारत पर नजर रखने के लिए अरबों खर्च कर 4 सैटेलाइट लगाए थे। 24 सितंबर 1996 को अमेरिका ने परमाणु विकसित देशों से मिलकर एक संधि सीटीबीटी यानी कांप्रिहेंसिव टेस्ट बैन ट्रीटी नामक एक समझौता लागू किया गया जिसके जरिए परमाणु परीक्षणों करने के लिए प्रतिबंधित लागू किया गया है यह संधि अस्तित्व उस समय अस्तित्व में आई जब भारत परमाणु परीक्षण के लिए पुरी तरह से तैयार हो गया था। 1997 तक भारत परमाणु परीक्षण को लेकर इसे पुनः परीक्षण के लिए भारत के मशहूर वैज्ञानिक डॉ एपीजे कलाम व डॉ आर चिदंबरम के अगुआई में इसे कई बार उस समय के सरकार के पास जाकर उन्हें जानकारी दी थी लेकिन सीटीबीटी मसौदा, अमेरिका व अन्य देशों के डर के कारण इस मिशन को रोक दिया गया था जब 1998 में एनडीए की सरकार आई तो स्व पूर्व प्रधानमंत्री अटल जी ने इस मिशन को पुरा करने के लिए वैज्ञानिक डॉ एपीजे अब्दुल कलाम को प्रोत्साहित किया जो इसका नेतृत्व कर रहे थे डा कलाम को इस मिशन को पुरा करने की पुरी छूट दी उन्होंने कहा आप सभी वैज्ञानिक जब चाहें तब परीक्षण करें मुझे ऐ मत बताइए कब करना है उन्होंने साफ कहा कि मेरी सरकार रहे या ना रहे है।पोखरण परमाणु परीक्षण 2- 11,मई 1998 को पोखरण राजस्थान में आयोजित किया गया था। पोखरण 2 का कोड वर्ड (नाम) ऑपरेशन शक्ति था। यह भारत द्वारा किए गए परमाणु परीक्षण का दूसरा उदाहरण था। पहला परीक्षण, के कोड -का नाम स्माइलिंग बुद्धा मई 1974 में आयोजित किया गया था। इसमें सिर्फ अनियंत्रित नाभिकीय विखंडन के द्वारा किया गया एटम बम का परीक्षण किया गया था लेकिन 11मई,98 को किए गए परमाणु परीक्षण उससे कहीं और ज्यादा शक्तिशाली था व उसमें अनियंत्रित नाभिकीय विखंडन के अलावा नाभिकीय संलयन की क्रिया भी की गई थी, जिसे हाइड्रोजन बम के नाम से भी जाना जाता है। परीक्षणों के कुछ ही समय बाद, प्रधानमंत्री वाजपेयी प्रेस के सामने आए और जिसे पुरी दुनिया को राष्ट्र के नाम के संदेश में कहा था उन्होंने यह संक्षिप्त बयान दिया- आज 15:45 बजे, भारत ने पोखरण रेंज में तीन भूमिगत परमाणु परीक्षण किए। आज किए गए ये परीक्षण एक विखंडन उपकरण, एक अधिक क्षमता वाले परमाणु उपकरण और एक थर्मोन्यूक्लियर उपकरण के साथ किए गए थे थर्मोन्यूक्लियर डिवाइस, या हाइड्रोजन बम (H-बम), दूसरी पीढ़ी का एक परमाणु हथियार है जो उच्च तापमान वाली परमाणु संलयन प्रतिक्रिया को शुरू करने के लिए एक प्राथमिक विखंडन विस्फोट का उपयोग करता है। ये हथियार बुनियादी विखंडन हथियारों की तुलना में कहीं अधिक विनाशकारी शक्ति (मेगाटन रेंज) उत्पन्न करते हैं, और भारी विस्फोट करने के लिए ड्यूटेरियम और ट्रिटियम का उपयोग करते हैं।इसमें कलाम साहब की बहुत ब ?ी भूमिका रही थी क्योंकि उन्होंने नासा के निदेशक पद का ऑफर ठुकरा कर अपने देश का नाम रौशन किया हालांकि वो हिन्दू नहीं थे लेकिन देश के लिए उनका यह कार्य लोग सदियों तक याद करेगा उसके बाद अमेरिका ने भारत के ऊपर कई सैंक्शन लगाएं लेकिन इससे अमेरिका को नुकसान हो रहा था इसलिए बाद में हटा दिया इसके बाद 1999 में कारगिल युद्ध हुआ जहाँ कारगिल युद्ध (कारगिल युद्ध), जो मई से जुलाई 1999 तक जम्मू और कश्मीर के कारगिल जिले में भारत और पाकिस्तान के बीच लड़ा गया था, पाकिस्तानी सैनिकों द्वारा घुसपैठ की गई ऊंचाई वाली जगहों को वापस पाने के लिए भारत का एक सफल मिलिट्री ऑपरेशन था। भारत ने घुसपैठियों को निकालने के लिए ऑपरेशन विजय शुरू किया, जिससे 26 जुलाई, 1999 को लड़ाई आधिकारिक तौर पर खत्म हो गई। कारगिल युद्ध की खास बातें कारण- पाकिस्तानी सैनिकों और मिलिटेंट्स ने लाइन ऑफ़ कंट्रोल (एलए) पार करके घुसपैठ की, और सर्दियों के दौरान स्ट्रेटेजिक, बिना पायलट वाली भारतीय मिलिट्री पोस्ट पर कब्ज़ा कर लिया। जगह- लद्दाख का कारगिल जिला, खासकर श्रीनगर-लेह हाईवे (NH 1A) को निशाना बनाकर। भारतीय कार्रवाई- भारत ने इलाके को वापस पाने के लिए ऑपरेशन विजय शुरू किया, जिसमें लगभग 200,000 भारतीय सैनिक शामिल थे और आर्टिलरी, खासकर बोफोर्स तोपों का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया गया। लड़ाई का समय- यह लड़ाई दो महीने से ज्यादा चली, जो मई की शुरुआत में शुरू हुई और 26 जुलाई, 1999 को खत्म हुई। मौत- 527 भारतीय सैनिकों की जान गई, और 1363 घायल हुए, ऐसा बताया गया है। नतीजा- भारत ने पाकिस्तानी सेना को लाइनऑफ कण्ट्रोल पार करने में कामयाबी हासिल की। भारतीय सेना की बहादुरी के सम्मान में हर साल 26 जुलाई को कारगिल विजय दिवस के तौर पर मनाया जाता है। खास लड़ाइयों में जरूरी ऊँची चोटियों पर फिर से कब्ज़ा करना शामिल था, जिसमें सैनिकों ने दुश्मन की तेज़ फायरिंग के बावजूद 70-80 डिग्री की ढलान पर बहुत हिम्मत दिखाई थी ऐ भारतीय सेना को गौरवान्वित करती है उस समय कारगिल युद्ध भारत के लिए एक कड़वा सबक साबित हुआ, जब अमेरिका ने पाकिस्तानी सेना के ठिकानों का पता लगाने के लिए जीपीएस एक्सेस देने से इनकार कर दिया।

हालांकि भारत जीत गया, लेकिन जीपीएस इनकार वाली घटना ने नई दिल्ली को नेविगेशन विद इंडिया कॉन्स्टेलेशन बनाने पर मजबूर कर दिया—हमारा अपना स्वदेशी पोजीशन ट्रैकर सिस्टम नाविक है अमेरिका भारत के प्रति खूब मीठा मीठा बोलता है व्यापार की दृष्टि से और बाद में धोखा देता है उस समय अमेरिका ने पाकिस्तान को हथियार और सेटेलाइट इमेज दिया था जिससे हमारे सेना को काफी जोखिमो का सामना करना पड़ा और शहीद हुए कारगिल युद्ध भले ही सिमित संसाधनों से लड़ा गया युद्ध हो लेकिन ऐ भारतीय सेना के शौर्य और बहादुरी का प्रतिक है जो इतिहास के पन्नों में भारतीय सेना की जज्बा उनकी शहादत और वीरता की कामयाबी को हमेशा नमन करेंगी जो मातृभूमि की रक्षा के लिए शहीद हुए सेना का सम्मान उस समय इस कदर हुआ की जो भी जिस राज्य से गाँव से शहीद हुए वहाँ के गली का नाम व उनका स्टैचू लगाया गया जिसे लोग नमन करते हैं बाद में पूर्व प्रधानमंत्री अटलजी ने इस जीत के जश्न को एक कविता में समेटा था चिंगारी का खेल बुरा होता है,एक नहीं दो नहीं करो अमेरिका से बीसों समझौते पर स्वतन्त्र भारत का मस्तक नहीं झुकेगा, अगणित बलिदानो से अर्जित यह स्वतन्त्रता, अश्रु स्वेद शोणित से सिंचित यह स्वतन्त्रता, त्याग तेज तपबल से रक्षित यह स्वतन्त्रता, दुःखी मनुजता के हित अर्पित यह स्वतन्त्रता आज पता नहीं कैसा युद्ध होता है कि कौन जीता कौन हारा मालूम ही नहीं होता आज हर जगह पहले युद्ध होता है और खूब बम बरसते हैं बाद में दोनों तरफ नुकसान होता है और दोनों ही अपने अपने जीत का दावा करते हैं।

- संजय गोस्वामी

(विश्व पुस्तक एवं कॉपीराइट दिवस, 23 अप्रैल 2026 पर विशेष)

पुस्तकें हैं जीवन का दीप, समाधान का सेतु

- ललित गर्ग

हर वर्ष 23 अप्रैल को समूचा विश्व ज्ञान, सृजनशीलता और मानवीय सभ्यता की अमूल्य धरोहर पुस्तकों का उत्सव मनाता है। यूनेस्को द्वारा 1995 में प्रारंभ किया गया यह दिवस केवल औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि लेखकों के सम्मान, सृजनाधिकार की रक्षा और पठन संस्कृति के संवर्धन का वैश्विक संकल्प है। इस तिथि का चयन भी अत्यंत अर्थपूर्ण है, क्योंकि इसी दिन विलियम शेक्सपियर और मिगुएल डी सर्वांटिस जैसे महान साहित्यकारों का अवसान हुआ, जिनकी रचनाओं ने मानव सभ्यता को नई दिशा दी। वर्ष 2026 में इस दिवस का मुख्य संदेश यह है कि व्यक्ति अपनी रुचियों के अनुसार प ? और पठन को आनंदमय अनुभव बनाए। आज आवश्यकता इस बात की है कि प ?ने को बोझ नहीं, बल्कि आत्मविकास और आत्मानंद का माध्यम माना जाए। इसी क्रम में मोरक्को की राजधानी रबात को वर्ष 2026 के लिए विश्व पुस्तक राजधानी घोषित किया गया है, जो इस तथ्य को रेखांकित करता है कि पुस्तक संस्कृति किसी एक देश की नहीं, बल्कि समूची मानवता की साझा धरोहर है। पुस्तकें केवल कागज और शब्दों का संयोजन नहीं होतीं, वे जीवन का साक्षात अनुभव कराती हैं। वे समय, समाज और संवेदनाओं का जीवंत इतिहास होती हैं। महान कवि रविन्द्रनाथ टैगोर ने कहा था कि उच्च शिक्षा केवल जानकारी प्रदान नहीं करती, बल्कि जीवन को संतुलित और शांतिपूर्ण बनाती है। यही कार्य पुस्तकें करती हैं, वे मनुष्य के भीतर विवेक, करुणा और सहिष्णुता का विकास करती हैं। संकट के समय में पुस्तकें सच्चे मित्र की तरह साथ निभाती हैं, यह तथ्य वैश्विक महामारी के दौर में स्पष्ट रूप से देखने को मिला, जब लोगों ने अकेलेपन और अनिश्चितता के बीच पुस्तकों में ही आश्रय पाया। भारत में पुस्तक संस्कृति का इतिहास अत्यंत प्राचीन और गौरवपूर्ण रहा है। वेद, उपनिषद, रामायण और महाभारत जैसे ग्रंथों ने न केवल भारतीय समाज को दिशा दी, बल्कि समूचे विश्व को ज्ञान का प्रकाश प्रदान किया। नालंदा विश्वविद्यालय और तक्षशिला विश्वविद्यालय जैसे प्राचीन विश्वविद्यालय ज्ञान के ऐसे केंद्र थे, जहाँ दूर-दूर से विद्यार्थी अध्ययन हेतु आते थे। ताड़पत्रों और भोजपत्रों पर लिखी गई पांडुलिपियों ने भारतीय ज्ञान परंपरा को पीढ़ी-दर-पीढ़ी सुरक्षित रखा। यह परंपरा केवल धार्मिक ग्रंथों तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसमें विज्ञान, चिकित्सा, साहित्य और दर्शन के विविध आयाम समाहित थे। जीवन के अंधकारमय क्षणों में पुस्तकें सचमुच एक दीपक की तरह मार्ग को प्रकाशित करती हैं। जब मनुष्य समस्याओं, तनाव और द्वंद्व से घिर जाता है, तब पुस्तकें उसे नया दृष्टिकोण प्रदान करती हैं। वे केवल ज्ञान का भंडार नहीं, बल्कि एक सच्चे मित्र, दार्शनिक और मार्गदर्शक के रूप में उसकी चेतना को जागृत करती हैं। पुस्तकें हमें यह सिखाती हैं कि हर समस्या का समाधान बाहर नहीं, भीतर की समझ और दृष्टि में छिपा होता है। चीनी दार्शनिक कन्फ्यूशियस ने भी कहा था कि अज्ञानता मन का अंधकार है और ज्ञान ही उसका प्रकाश। इसी प्रकार महान् दार्शनिक आचार्य महाप्रज्ञ ने जीवन की सरलता और संतुलन पर बल देते हुए बताया कि सच्चा ज्ञान वही है जो मन को शांत और संतुलित बनाए। पुस्तकें इसी संतुलन की साधना कराती हैं-वे हमें सोचने, समझने और धैर्यपूर्वक निर्णय लेने की क्षमता प्रदान करती हैं। आधुनिक भारत में भी पुस्तक संस्कृति को सशक्त बनाने के लिए अनेक प्रयास किए गए हैं। आचार्य विनोबा भावे द्वारा स्थापित सर्वोदय साहित्य भंडार तथा आचार्य तुलसी द्वारा स्थापित आदर्श साहित्य संघ जैसे संस्थानों ने नैतिक और प्रेरणादायक साहित्य को जन-जन तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इन प्रयासों का उद्देश्य केवल ज्ञान का प्रसार नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण और मानवीय मूल्यों का संवर्धन भी रहा है। वर्तमान समय में जब तकनीकी साधनों का विस्तार हुआ है, तब भी पुस्तकों की उपयोगिता और महत्ता में कोई कमी नहीं आई है। यद्यपि अध्ययन के अनेक नए माध्यम विकसित हुए हैं, फिर भी मुद्रित पुस्तकों का आत्मीय स्पर्श और उनकी गहराई अद्वितीय है। पुस्तकें मनुष्य के विचारों को विस्तार देती हैं, उसे सही और गलत का बोध कराती हैं तथा जीवन के प्रति एक संतुलित दृष्टिकोण प्रदान करती हैं। भारत में पुस्तक संस्कृति को प्रोत्साहित करने में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में कई उल्लेखनीय पहलें हुई हैं। उन्होंने उपहार के रूप में पुष्पगुच्छ के स्थान पर पुस्तक देने का संदेश देकर समाज में ज्ञान के प्रति सम्मान की भावना को प्रबल किया है। इसके साथ ही देशभर में पठन-पाठन और पुस्तकालयों के विकास को लेकर विभिन्न अभियान चलाए गए हैं, जिनका उद्देश्य युवाओं में अध्ययन के प्रति रुचि जागृत करना है। यह प्रयास केवल साक्षरता बढ़ाने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि एक जागरूक, संवेदनशील और सशक्त समाज के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। महान वैज्ञानिक एवं पूर्व राष्ट्रपति ए. पी. जे. अब्दुल कलाम ने कहा था कि एक अच्छी पुस्तक अनेक मित्रों के समान होती है। वास्तव में पुस्तकें मनुष्य के मानसिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और नैतिक विकास में अत्यंत सहायक होती हैं। वे व्यक्ति को आत्मचिंतन के लिए प्रेरित करती हैं, समाज की विसंगतियों को समझने का दृष्टिकोण देती हैं और सकारात्मक परिवर्तन के लिए प्रेरित करती हैं। प्रसिद्ध लेखिका टोनी मोरिसन का यह कथन भी उल्लेखनीय है कि यदि वह पुस्तक उपलब्ध नहीं है जिसे आप पढ़ना चाहते हैं, तो आपको स्वयं उसे लिखना चाहिए। यह विचार सृजनशीलता और आत्मविश्वास को प्रोत्साहित करता है। आज के त्वरित सूचना युग में जब ध्यान भटकाने वाले साधनों की भरमार है, तब गहन अध्ययन और मनन की आवश्यकता और भी बढ़ गई है। पुस्तकें ही वह माध्यम हैं जो मनुष्य को एकाग्रता, धैर्य और गहराई प्रदान करती हैं। वे केवल जानकारी नहीं देतीं, बल्कि जीवन को दिशा देती हैं और व्यक्ति को बेहतर मनुष्य बनने के लिए प्रेरित करती हैं। पुस्तकें मानसिक शांति और भावनात्मक स्थिरता का आधार भी हैं। जब जीवन की भागदौड़ मन को विचलित करती है, तब एक अच्छी पुस्तक ध्यान के समान कार्य करती है, जो मन को एकाग्र और शांत बनाती है। महान चीनी चिंतक मेन्शियस ने कहा था कि मनुष्य का स्वभाव मूलतः शुभ होता है, उसे केवल सही दिशा की आवश्यकता होती है। पुस्तकें वही दिशा प्रदान करती हैं। वे अकेलेपन में सच्चा साथी बनती हैं, दुःख में सहारा देती हैं और निराशा में आशा का संचार करती हैं। पुस्तक के माध्यम से हम अनेक महापुरुषों के अनुभवों से जुड़ते हैं, उनके संघर्षों को समझते हैं और अपने जीवन के लिए प्रेरणा प्राप्त करते हैं। वास्तव में पुस्तकें जीवन-निर्माण का कल्पवृक्ष और कामधेनु हैं। उनकी छाया में बैठकर मनुष्य ज्ञान, विवेक, शांति और समाधान सब कुछ प्राप्त कर सकता है। वे हमारे भीतर ऐसी मानसिकता का विकास करती हैं, जिसमें हम हर परिस्थिति में समाधान खोजने लगते हैं। पुस्तकें हमारे विचारों को व्यापक बनाती हैं, हमारी संवेदनाओं को परिष्कृत करती हैं और हमें एक बेहतर मनुष्य बनने की दिशा में अग्रसर करती हैं। इसलिए कहा जा सकता है कि पुस्तकें केवल जीवन को प्रकाशित ही नहीं करतीं, बल्कि उसे सार्थक, संतुलित और समृद्ध भी बनाती हैं। विश्व पुस्तक दिवस मनाते हुए यह स्पष्ट है कि पुस्तकें केवल अतीत की स्मृति नहीं, बल्कि भविष्य की आधारशिला हैं। वे समाज में स्थायी और सकारात्मक परिवर्तन लाने की क्षमता रखती हैं। ऐसा परिवर्तन जो किसी बाहरी दबाव से नहीं, बल्कि आंतरिक चेतना से उत्पन्न होता है। इसलिए आवश्यक है कि हम पुस्तक संस्कृति को अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाएं, घर-घर में अध्ययन का वातावरण निर्मित करें और आने वाली पीढ़ियों को ज्ञान के इस अमूल्य स्रोत से जोड़ें।

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। ताजा लेवाली के चलते बुधवार को अनाज मंडी में तुअर बाजार तेजी के रहे। चने में मजबूती रही। खाद्य तेलों में व्यापार अच्छा रहा। तिलहनों में मजबूती रही। किराना जिंसों में कामकाज ठंडा-ठंडा ही रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार तुअर में पूछपरख है। ताजा माँग आने से भावों में 100 रू. प्रति क्विंटल की तेजी बनी। चना 5500-5625 रू. प्रति क्विंटल पर मजबूत रहा। खाद्य तेलों में व्यापार अच्छा देखा गया। तिलहनों में टिकाव रहा। उधर, किराना जिंसों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4070-4150, खोपरा गोला 390-410, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 270-280, बेस्ट 280-300, हल्दी निजामाबाद 210-230, सांगली 275-280, साबूदाना हल्का 5500-5600, मीडियम 5600-5700, बेस्ट 5800-5900, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 120-150, बेस्ट 250-380, सौंफ बारिक 220-380, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 740-745, मीनी मटरदाना 770-785, मटरदाना 800-815, खसखस अनक्लीन 800-950, क्लीन 1050-1400, दालचीनी 245-260, जायफल 815-880, बादाम फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 2050-2100, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाड़ा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अगीठा 180-200, हरी इलायची एवरेज 1675-1775, बेस्ट 1925-2350, पानबार 1550-1600, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 490-625, काजू (240) 920-950, काजू (320) 830-880, काजू डब्ल्यू (300) 790-810, काजू जे.एच. 820-840, टुकड़ी 760-800, बादाम मगज 760-800, अमेरिकन 825-950, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारोली 1450-1750, मुनक्का 850-1000, बेस्ट 1150-1350, अंजीर 851-1075, मखाना 850-1200, बेस्ट 1350-1400, खारक एवरेज 75-80, मीडियम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2350-2400, (160) 2700-2750, (200) 2550-2600, (250) 2650-2700

तेल- मूंगफली 1650-1670, मुम्बई 1670, राजकोट तेलिया 2550, सोया साल्वेंट 1410-1415, सोया रिफाइंड 1480-1490, कपास्या 1425-1430, धूलिया 1440, कड़ी 1440,

रात की धारणा- गुजरात लूज 1600, मुम्बई पाम 1420, मुम्बई सोया 1520,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2525, देवास-उज्जैन 2525, खंडवा-बुरहानपुर 2500, अकोला 3900 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसों 7100-7300, रायडा 6200-6300, सोयाबीन 5700, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना काटेवाला बेस्ट 5500-5625, एवरेज 5450-5575, विशाल 5450-5475, महाराष्ट्र विशाल 5900-5950, काबुली चना डॉलर 7600-8700, काबुली चना रशियन 5400-5700, बिटकी 5000-5300, मसूर बेस्ट 6000-6050, एवरेज 5900-5950, मूंग गर्मी बेस्ट 7700-8000, मूंग बोल्ड 8200-8400, एवरेज 6500-6700, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7000-7100, एवरेज 6800-6900, हल्की 6600-6700, महाराष्ट्र सफेद 7100-7200, महाराष्ट्र लाल 7200-7400, उड़द बेस्ट 8500-9000, एवरेज 7000-8000, हल्की 4000-6000,

दाल- चना दाल एवरेज 7000-7200, मीडियम 7300-7400, बोल्ड 7600-7800, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल फूल 9400-10000, तुअर दाल बोल्ड 10600-11700, मसूर दाल एवरेज 7900-8000, बेस्ट 8000-8100, मूंग दाल 9500-9700, बोल्ड 9900-10500, मूंग मोगर 10500-10700, बोल्ड 10900-11100, उड़द दाल 9800-10000, बोल्ड 10400-10500, मोगर 10600-10800, बोल्ड 11000-11400,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2350-2450, लोकवन एवरेज 2400-2650, बेस्ट 2800-3100, मालवराज 2300-2560, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 1600-1850, बेस्ट 1850-1900,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 300, रतलाम 390 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। बुधवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। किन्तु दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार मजबूती के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 248000, चाँदी (99) 247900, टंच 247500, सिक्का 2800, सोना 10 ग्राम 154000,

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 30 पैसे की गिरावट के साथ ही 93.74 पर बंद हुआ। आज सुबह रुपया शुरुआती कारोबार में लगातार तीसरे सत्र में कमजोर बना रहा और 31 पैसे टूटकर 93.75 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। पश्चिम एशिया शांति समझौते को लेकर अनिश्चितताओं के बीच कच्चे तेल की ऊंची कीमतों से घरेलू मुद्रा दबाव में है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों का कहना है कि घरेलू शेयर बाजारों में गिरावट और विदेशी पूंजी की निकासी ने भारतीय मुद्रा पर और दबाव डाला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 93.69 प्रति डॉलर पर खुला और शुरुआती कारोबार में 93.76 तक लुढ़क गया। बाद में यह 93.75 प्रति डॉलर पर कारोबार करने लगा जो पिछले बंद भाव से 31 पैसे की गिरावट दिखाता है।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुंबई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार बुधवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। ईरान और अमेरिका के बीच तनाव बढ़ने से भी बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 756.84 अंक टूटकर 78,516.49 पर बंद हुआ। वहीं 50शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 198.50 अंक नीचे आकर 24,378.10 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह 831 अंक की गिरावट के साथ सेंसेक्स 79,019.34 पर खुला था। वहीं निफ्टी 224 अंक नीचे आकर 24,470.85 पर खुला।

आज कारोबार के दौरान व्यापक बाजार सूचकांक का प्रदर्शन अच्छा रहा। । निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स और निफ्टी मिडकैप में बढ़त रही। निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी मीडिया, निफ्टी रियल्टी, निफ्टी मेटल, निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी फार्मा में भी तेजी रही जबकि निफ्टी आईटी में सबसे ज्यादा 3.89 फीसदी की गिरावट आई। इसके बाद निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज 0.87 फीसदी, निफ्टी प्राइवेट बैंक में 0.73 फीसदी और निफ्टी ऑटो में 0.66 फीसदी की गिरावट रही।

दूसरी ओर निफ्टी में टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, एचयूएल, सी, टीएमपीवी, हिंडाल्को, अदाणी इंटरप्राइजेज, इटरनल और नेस्ले इंडिया के शेयरों में तेजी रही। एचसीएल टेक के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट रही। इसके साथ ही इंफोसिस, एमएंडएम, टीसीएस, टेक महिंद्रा, ब ज । ज - ऑटो, मैक्सहेल्थ, सी लाइफ और एचडीएफसी बैंक के शेयरों में भी 3-1.5 गिरावट आई।जानकारों के अनुसार ये गिरावट अमेरिकी-ईरान में तनाव बने रहने और होर्मुज को लेकर संघर्ष बढ़ने से आई है।

विदेश यात्रा के नियम बदले, बिना पेन कार्ड वालों को अब भरना होगा फॉर्म-157

नई दिल्ली। एजेंसी। विदेश यात्रा की योजना बना रहे लोगों के लिए सरकार ने अहम बदलाव किए हैं। एक नई व्यवस्था लागू होगी, जिसके तहत पेन कार्ड न रखने वाले यात्रियों को अब विदेश जाने से पहले फॉर्म 157 भरना अनिवार्य होगा। यह नियम खासकर उन लोगों के लिए है जो आयकर के दायरे में नहीं आते या जिनके पास स्थायी खाता संख्या (पेन) नहीं है। आयकर अधिनियम 2025 और नियम 2026 के तहत लागू इस प्रणाली का लक्ष्य उन यात्रियों का रिकॉर्ड रखना है जो आयकर के दायरे में नहीं आते। इसका उद्देश्य कर प्रणाली को सुदृढ़ करना और यात्रा डेटा को बेहतर ढंग से ट्रैक करना है। हालांकि, जिन यात्रियों के पास पेन कार्ड है और जो नियमित रूप से आयकर रिटर्न (आइटीआर) न्दाखिल करते हैं, उन्हें इस फॉर्म को भरने की आवश्यकता नहीं होगी। यह फॉर्म 157 एक स्व-घोषणा प्रमाण पत्र है, जो पुराने फॉर्म 156 का स्थान लेगा। यह इवेंट-आधारित फॉर्म है, जिसका अर्थ है कि प्रत्येक विदेश यात्रा के लिए इसे अलग से भरना अनिवार्य होगा। इस फॉर्म को ऑनलाइन जमा करने की सुविधा नहीं होगी; यात्रियों को इसे संबंधित क्षेत्रीय आयकर अधिकारी के पास जाकर ऑफलाइन जमा करना होगा। फॉर्म भरते समय पासपोर्ट विवरण, व्यक्तिगत जानकारी (नाम, पता), यात्रा का उद्देश्य और विदेश में रुकने की अवधि जैसी जानकारी देनी होगी। आधार कार्ड अनिवार्य नहीं है, लेकिन सत्यापन के लिए मोबाइल नंबर देना उचित होगा। यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे इस नए नियम को यात्रा से पहले अच्छी तरह समझ लें, ताकि बाद में किसी परेशानी से बचा जा सके।

आरबीआई गवर्नर ने विदेशी निवेशकों को किया आश्वस्त, भारत की आर्थिक बुनियाद मजबूत

न्यूयॉर्क। एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने न्यूयॉर्क में विदेशी निवेशकों को आश्वस्त किया है कि शुद्ध प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) निकासी और विनिमय दर में बदलाव जैसे अल्पकालिक उतार-चढ़ाव चक्रीय प्रकृति के होते हैं और इन पर केंद्रीय बैंक करीब से नजर रख रहा है। उन्होंने नियामकीय ढांचे को सरल बनाने, कारोबार सुगमता बढ़ाने, विदेशी निवेशकों के लिए बाजार पहुंच का विस्तार करने और घरेलू व विदेशी बाजारों के एकीकरण को मजबूत करने के लिए जारी सुधारों का भी उल्लेख किया। गवर्नर मल्होत्रा ने यह बात न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूतावास द्वारा हाल ही में आयोजित एक गोलमेज बैठक में कही। इस महत्वपूर्ण सत्र में वित्तीय संस्थानों, निवेश कंपनियों और नीतिगत क्षेत्र से जुड़े 100 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिनमें बैंक, परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनियां, फैमिली ऑफिस, कैपिटल मैनेजमेंट कंपनी, संस्थागत निवेशक और धन प्रबंधक शामिल थे। सत्र के दौरान, आरबीआई की मुख्य महाप्रबंधक डिंपल भांडिया ने एक विस्तृत प्रस्तुति दी, जिसमें देश की मजबूत व्यापक आर्थिक बुनियाद, स्थिर वित्तीय क्षेत्र और सुसंगत नीतिगत ढांचे को रेखांकित किया गया। उन्होंने भारत को सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बताया और आने वाले वर्ष में वैश्विक स्तर पर तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में उसकी प्रगति को भी दर्शाया। चर्चा के दौरान, निर्धारित सीमा के भीतर कम मुद्रास्फीति, सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के लगभग 1.1 प्रतिशत का प्रबंधनीय चालू खाता घाटा और 700 अरब अमेरिकी डॉलर का मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार जैसे प्रमुख आर्थिक संकेतकों पर विशेष प्रकाश डाला गया, जो भारत की आर्थिक स्थिरता और आकर्षक निवेश गंतव्य के रूप में उसकी स्थिति को पुष्ट करते हैं।

मेष- आज आपका व्यक्तित्व नेतृत्व से चमकेगा। लोग खुद आपकी बात मानेंगे। विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं, जो भविष्य में बड़ा अवसर बन सकते हैं। लेकिन ध्यान रखें, आज शब्द ही आपकी ताकत भी हैं और कमजोरी भी। बोलने से पहले सोचें। माता-पिता की सलाह आपके लिए मार्गदर्शक साबित होगी। सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सकता है। विद्यार्थियों को पढ़ाई में फोकस बनाए रखना होगा। कोई पुराना लेन-देन या विवाद सुलझने से मन हल्का और संतुष्ट रहेगा।

वृषभ- आज नौकरीपेशा लोगों के लिए दिन बेहद खास है। आपको कोई जिम्मेदारी भरा पद मिल सकता है, जिससे आपकी पहचान और बढ़ेगी। आसपास के लोगों को पहचानना जरूरी है। हर कोई आपका शुभचिंतक नहीं है। संतान की ओर से खुशखबरी मिल सकती है, जो आपका दिल खुश कर देगी। परिवार में किया हुआ कोई वादा आज निभाना होगा। प्रॉपर्टी से जुड़ी समस्याएं सुलझने के संकेत हैं।आप उन्नति की राह पर तेजी से आगे बढ़ेंगे।

मिथुन- आज का दिन थोड़ा संतुलन मांगता है। नए संपर्क लाभ देंगे, लेकिन सेहत में उतार-चढ़ाव आपको परेशान कर सकता है। कार्यक्षेत्र में कुछ लोग आपको उलझाने की कोशिश कर सकते हैं। सतर्क रहें। किसी की बातों में आकर जल्दबाजी में निर्णय न लें, नहीं तो पछताना पड़ सकता है। बिजनेस में हल्की अस्थिरता रहेगी। मां से किया वादा पूरा करना आज आपकी प्राथमिकता होनी चाहिए।

कर्क- आज बेवजह का तनाव छोड़कर सुकून की राह अपनाएं। आपका झुकाव आध्यात्म की ओर रहेगा, जिससे मानसिक शांति मिलेगी। यात्रा के दौरान कोई महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है, जो आगे फायदेमंद होगी। सरकारी मामलों में सोच-समझकर बोलना जरूरी है। भाई-बहनों से चल रही अनबन बातचीत से खत्म हो सकती है। धन से जुड़ा कोई रुका काम भी पूरा होने के संकेत हैं।

सिंह- आज मेहनत आपका सबसे बड़ा हथियार बनेगी। बिजनेस में किए गए बदलाव आपके लिए लाभकारी साबित होंगे। विदेश यात्रा की योजना बन सकती है। प्रेम संबंधों में गहराई आएगी और रिश्ते मजबूत होंगे। कीमती सामान की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखें। माता-पिता का आशीर्वाद आपके साथ रहेगा। प्रॉपर्टी खरीदने का योग बन रहा है और संतान से किया वादा निभाकर आप उनका दिल जीतेंगे।

कन्या- आज करियर में सफलता आपका इंतजार कर रही है। काम का बोझ भले ज्यादा हो, लेकिन आप हर काम को बेहतरीन तरीके से पूरा करेंगे। जिस काम में हाथ डालेंगे, उसमें सफलता मिलेगी। भाई-बहनों के मामलों में बेवजह दखल देने से बचें। परिवार का कोई सदस्य नौकरी के लिए बाहर जा सकता है। पुरानी गलतियों से सीख लेकर आगे बढ़ेंगे तो सफलता और भी आसान होगी।

तुला- आज आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होने वाली है। नए निवेश के अवसर मिलेंगे और बिजनेस में पार्टनरशिप भी फायदेमंद रहेगी। नया घर या प्रॉपर्टी खरीदने की इच्छा पूरी हो सकती है। बाहर का खाना खाने से बचें, नहीं तो पेट की समस्या परेशान कर सकती है। छोटे बच्चों की कोई फरमाइश आपको पूरी करनी पड़ेगी। नए साल की शुरुआत धार्मिक यात्रा से हो सकती है, जो आपको सुकून देगी।

वृश्चिक- आज आपका मान-सम्मान बढ़ेगा और दिल गर्व से भर जाएगा। करियर में नए अवसर सामने आएंगे। कोर्ट-कचहरी के मामलों में भागदौड़ रहेगी, लेकिन धीरे-धीरे रास्ता साफ होगा। परिवार में नए मेहमान के आने से खुशियों का माहौल बनेगा। राजनीति से जुड़े लोग सोच-समझकर कदम बढ़ाएं। पुराने दोस्त से मुलाकात यादगार रहेगी।

धनु- आज आप ऊर्जा से भरपूर रहेंगे। इस ऊर्जा को सही दिशा में लगाकर आप बड़ी सफलता हासिल कर सकते हैं। विरोधियों को भी आप अपनी समझदारी से पीछे छोड़ देंगे। बॉस की बातों पर ध्यान देना जरूरी है। उधार दिया हुआ पैसा वापस मिलने की संभावना है। मन की कोई इच्छा पूरी करने के लिए आप मां से सलाह ले सकते हैं।

मकर- आज प्रॉपर्टी से जुड़े मामलों में सफलता के योग हैं। भागदौड़ जरूर रहेगी, लेकिन उसका फल भी मिलेगा। पार्टनर पर भरोसा करने से पहले अच्छे से सोच लें। कार्यक्षेत्र में कोई खुशखबरी मिल सकती है। घर बनाने की योजना भी शुरू हो सकती है। लेकिन सावधान रहें। कोई पुराना राज सामने आ सकता है। जरूरी जानकारी किसी से साझा करने से बचें।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए नई शुरुआत का संकेत दे रहा है। आप अपनी योजनाओं को पूरा करने में जुटे रहेंगे और सफलता भी मिलेगी। अगर पिताजी से कोई नाराजगी चल रही है, तो समझदारी से बात करके उसे खत्म करें। आपकी मेहनत रंग लाएगी। बच्चों के साथ बिताया समय आपको खुशी देगा और तनाव दूर करेगा।

मीन- आज का दिन मिला-जुला रहेगा, लेकिन सीख देने वाला होगा। कुछ कामों में रुकावट आ सकती है, इसलिए धैर्य बनाए रखें। मौसम का असर सेहत पर पड़ सकता है। सावधानी रखें। बिजनेस में पार्टनर से अच्छी खबर मिल सकती है। कोई पुरानी समस्या सुलझने से राहत मिलेगी। पैसों की जरूरत के लिए परिवार या बैंक का सहारा लेना पड़ सकता है।

शब्दजाल - 8237

शब्दजाल में बिपाशा बसु की 10 फिल्मों के नाम छुपे हैं। शब्द ऊपर से नीचे, दाएं से बाएं एवं तिरछे हो सकते हैं

राज, अजनबी, ऐतबार, जिस्म, कुदरात, अपहरण, हम को दिवाना कर गये, बरसात, चोर मचाए शोर, रक्त

शब्दजाल - 8236 का हल

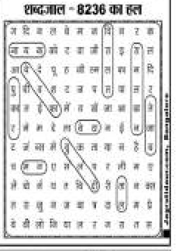

दैनिक पंचांग

23 अप्रैल 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	मेष में	वृष	06.49 बजे से
चंद्र	मिथुन में	मिथुन	08.48 बजे से
मंगल	मीन में	कर्क	11.01 बजे से
बुध	मीन में	सिंह	13.17 बजे से
गुरु	मिथुन में	कन्या	15.29 बजे से
शुक्र	वृष में	तुला	17.40 बजे से
शनि	मीन में	वृश्चिक	19.54 ब.से
राहु	कुंभ में	धनु	22.10 बजे से
केतु	सिंह में	मकर	00.16 बजे से
		कुंभ	02.02 बजे से
		मीन	03.35 बजे से
		मेष	05.05 बजे से

राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक

गुरुवार 2026 वर्ष का 113 वा दिन **दिशाशूल** दक्षिण **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास वैशाख **पक्ष** शुक्ल
तिथि सप्तमी 20.50 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पुनर्वसु 20.58 बजे को समाप्त।
योग सुकर्मा 06.08 बजे तदनन्तर धृति 05.33 बजे रात को समाप्त।
करण गर 09.46 बजे तदनन्तर वणिज 20.50 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 5.5 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 12°28'
सूर्य उत्तरायण
कलि अहर्गण 1872888
जूलियन दिन 2461153.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जिल्काद **तारीख** 05
विशेष गंगा सप्तमी।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	05.54 से 07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से 07.11 बजे तक
रोग	07.22 से 08.51 बजे तक	चर	07.11 से 08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से 10.19 बजे तक	रोग	08.43 से 10.15 बजे तक
चर	10.19 से 11.47 बजे तक	काल	10.15 से 11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से 01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से 01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से 02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से 02.51 बजे तक
काल	02.43 से 04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से 04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से 05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व क्षेत्र शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7181

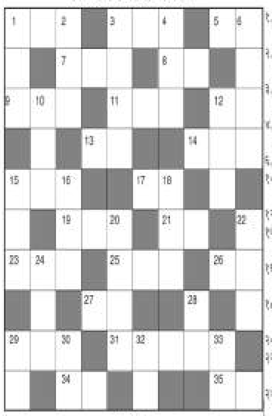

बायें से दायें:-

१. शक्तिकपूर, रेखा, नीना गुप्ता की 'मांझ छले मगन रहे' गीतवाली फिल्म-३
३. 'तेरी आंखों के सिवा' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा पारेख की फिल्म-३
५. संजय दत्त, मनीषा, लीना की 'अंख लड़ी है तो' गीत वाली फिल्म-२
७. मनोज कुमार व फरीन बाबी को बी. आर. इशारा निर्देशित फिल्म-३
८. आफताब, उर्मिला की फिल्म-२
९. सैफ को किस फिल्म में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पहला पुरस्कार मिला था-३
११. 'झूठे नैना बोले' गीत वाली फिल्म-३
१२. धर्मेन्द्र, सायराबानो की 'आज की रात क्या चाँद' गीत वाली फिल्म-२
१३. फिल्म 'गदर' में शीर्षक भूमिका किसने की थी?-३
१४. इच्छाधारी सांपों पर आधारित एक बहुचित्रत फिल्म-३
१५. अक्षय, राज, प्रियंका की 'किसी से तुम प्यार करो' गीत वाली फिल्म-३
१७. गुलशन, कविता सामन की फिल्म-२
१९. मंदाकिनी, अमजद खान, तब्बू की 'कभी कभी रे' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'आओ तुम्हें चांद पे' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा, रेखा की फिल्म-३
२३. फिल्म 'विनाशक' में सुनील शेट्टी के साथ नायिका कौन थी?-३
२४. 'ओले ओले' गीत वाली फिल्म-३
२५. संजय, शैफी, मिथुन, रवीना की फिल्म-२
२७. फिल्म 'ईमानदार' की नायिका थी-२
२८. मंदाकिनी, अमजद, मधुरी की फिल्म-३
३१. धर्मेन्द्र, हेमा की 'चोरों को मारे नजर आते हैं' गीत वाली फिल्म-२,३
३४. 'प्रहार' में डिम्पल का नायक?-२
३५. अजय, आफताब, विवेक, मिथुन, ग्रेसी राव, अनुप्रिया, ईशा शर्मा, जेनेलिया की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. संजीव कुमार, जयाप्रदा, विनोद की 'चीनी वाला छैला' गीत वाली फिल्म-३
२. 'चांद मामा दूर के' गीत वाली राजेंद्र कुमार, मीना कुमारी की फिल्म-३
३. अशोककुमार, मीनाकुमारी की 'मन रे तू काहे ना' गीत वाली फिल्म-४
४. 'आपकी याद आती' गीत वाली फारूख शेख, स्मिता पाटिल की फिल्म-३
६. 'जंगल' में उर्मिला का नायक?-४
१०. 'दुनिया रे दर्द भरी' गीत वाली राजकुमार, माला सिन्हा की फिल्म-३
१२. 'कहे मियां दीवाने' गीत वाली फिल्म-३
१४. संदीप कुमार और देवेन वर्मा दोनों की दुहरी भूमिकाओं वाली फिल्म-३
१६. 'रंग भरा बहार चली' गीत वाली राजेश खन्ना, श्री, पूनम की फिल्म-३
१८. संजयदत्त, सलमान, माधुरी की 'बहुत प्यार करते हैं' गीत वाली फिल्म-३
२०. फिल्म 'ये नाम' का नायक?-४
२२. सायराबानो की पहली फिल्म जिसके नायक शम्मीकपूर थे-३
२४. 'चूड़ीवाले छलिया' गीत वाली सनी देओल, जयाप्रदा की फिल्म-३
२८. बलराज साहनी, नूतन की 'तू प्यार का सागर है' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'कोयल सी तेरी बोली' गीतवाली फिल्म-२
३०. फिल्म 'राजमहल' की नायिका?-२
३२. रितिक, करीना की 'ऐसे रे ऐसे क्या है ये पहेली' गीत वाली फिल्म-२
३३. 'तेरे दिल को तू जाने' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7180

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः स्वर्ग और नरक

गणेश भक्त मुद्गल के परोपकार के कार्यों से प्रसन्न होकर एक बार देवराज इंद्र ने गणेश से कहा, 'मेरी इच्छा है कि मुनि मुद्गल को स्वर्ग में लाकर उनका सम्मान किया जाए।' इस पर नारद जी बोले, 'लेकिन क्या मुनि स्वर्ग में आने को तैयार होंगे?' वहां उपस्थित सभी लोगों ने आश्चर्य से कहा, 'स्वर्ग में आने के लिए तो पृथ्वी लोक के सभी लोग, चाहे वे संत हों या किसान, लालायित रहते हैं। यह तो मुनि मुद्गल का सौभाग्य है कि इंद्र स्वयं उन्हें यहां आमंत्रित कर रहे हैं।' नारद ने कहा, 'फिर भी एक बार उनसे पूछ तो लेना चाहिए।' इंद्र ने अपने दो दूतों को मुनि मुद्गल के पास भेजा। दूतों ने जब मुनि को इंद्र का संदेश सुनाया तो वह बोले, 'देवदूतों, आप तो हमारे अतिथि हैं। हम आप का सम्मान करते हैं लेकिन मैं पृथ्वी लोक छोड़ कर कहीं नहीं जाऊंगा। मेरी जरूरत पृथ्वी पर है, स्वर्ग लोक में नहीं। दुखियों की सेवा करके मुझे जो आनंद यहां मिल रहा है, वैसा स्वर्ग लोक में नहीं मिलेगा।' देवदूतों ने कहा, 'मुनिवर, पृथ्वी लोक का हर व्यक्ति स्वर्ग में जगह पाने के लिए उत्सुक रहता है। फिर आप क्यों नहीं जाना चाहते?' मुनि ने कहा, 'वत्स, स्वर्ग और नरक तो पृथ्वी पर भी है। यह हमारी इच्छा पर है कि इसे स्वर्ग बनाएं या नरक। परोपकार के कार्य करके पृथ्वी को स्वर्ग बनाया जा सकता है और अधर्म का काम करके नरक। मैं पृथ्वी को स्वर्ग बनाने का काम कर रहा हूं। आप देवराज इंद्र से कहना कि मैं अपनी कुटिया छोड़ कर उनके स्वर्ण सिंहासन पर बैठने का सुख सह नहीं पाऊंगा।' यह वार्तालाप स्वर्ग लोक में बैठे इंद्र ध्यान से सुन रहे थे। वह नारद की ओर देख कर बोले, 'उनका पूरा जीवन परोपकार के कार्यों में तल्लीन हो रहा है, उनके पास स्वर्ग और नरक में अंतर करने का समय ही कहां है। अब हमें स्वयं महर्षि के पास जाकर उन्हें सम्मानित करना होगा।'

सूडोकू नववाल- 7490

★☆☆☆☆ सरल

	9				6			
4	7				8	3		9
		8	7	3		1	2	
	8	9		5	1		7	6
5	1		8	7		4	9	
	2	4		6	5	7		
7		1	3				5	8
			1				4	

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू नववाल -7489 का हल

1	9	3	7	5	4	2	6	8
8	4	2	1	6	3	9	7	5
5	7	6	8	2	9	3	1	4
4	1	5	6	3	2	8	9	7
7	2	9	4	8	1	6	5	3
3	6	8	5	9	7	1	4	2
2	5	1	9	4	8	7	3	6
9	8	4	3	7	6	5	2	1
6	3	7	2	1	5	4	8	9

शब्द पहेली - 8705

बाएँ से दाएँ

1. रुद्र, शिव, भैरव-4
4. आयुर्वेद के जनक-3
6. भीगा हुआ-2
7. ताला(अंग्रेजी-2)
9. शेविंग करना -4
11. योग्य, अनुरूप-3
12. अल्सर-3
13. ज्वालामुखी से निकला गर्म द्रव-2
14. नमाज पढ़ने से पहले हाथ- पांव धोना-2
15. नाप जोख करना-3
17. अनुमान लगाना-3
19. उदारता, बड़प्पन-4
21. गाथा, कहानी -2
23. जनकपुत्री-2
24. जिज्ञासा, उत्साह-3
25. राजा, सम्राट- 4

ऊपर से नीचे

1. इच्छुक, अलमस्त-4
2. मात, पराजय-2
3. बोलने का तरीका-3
4. अचंभित-3
5. आर्ट, हुनर-2
8. गुनाह, अपराध-3
9. अटक-अटक कर बोलना-4
10. सरूर, खुमार, नशा, घमंड-2
12. नजाकत-4
15. अभिनेता, कप्तान-3
16. आनंद बोधक शब्द-2
18. सम्राट, राजा-4
19. व्यंग, परिहास-3
20. मुलायम-3
22. परात, बड़ी थाली-2
23. हलवा, एक मिष्ठान्न-2

शब्द पहेली -8704 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

जनपद सीईओ रामगोपाल यादव को स्थानान्तरण पर दी बिदाई

नवागत सीईओ अंकित सिंघई किया स्वागत सम्मान

पद्मेश न्यूज। लांजी।

जनपद पंचायत लांजी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) रामगोपाल यादव को उनके स्थानांतरण पर बिदाई एवं नवागत सीईओ अंकित सिंघई के स्वागत सम्मान में आयोजित समारोह में सम्मान और भावनाओं का अद्भुत संगम देखने को मिला। मई 2025 में पहली पदस्थापना के रूप में लांजी पहुंचे श्री यादव ने अपने शांत, सहज और मिलनसार स्वभाव से कम समय में ही जनप्रतिनिधियों, कर्मचारियों और आमजन के बीच विशेष पहचान बनाई। उनकी कार्यशैली में समन्वय, संवेदनशीलता और तत्परता की झलक साफ दिखाई देती रही, जिसके कारण उनका यह कार्यकाल सभी के लिए यादगार बन गया। विदाई कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन एवं अतिथियों के स्वागत के साथ हुई। इस दौरान सभी अतिथियों एवं नवागत सीईओ अंकित सिंघई का पुष्पगुच्छ और माल्यार्पण कर अभिनंदन किया गया।

समारोह के दौरान श्री यादव ने भावुक शब्दों में कहा कि "यह मेरी पहली पदस्थापना थी, इसलिए लांजी मेरे जीवन का एक अहम और यादगार अध्याय रहेगा। यहां के लोगों से जो स्नेह और सहयोग मिला, वह मेरे लिए अविस्मरणीय है। जनपद पंचायत के अधिकारियों और कर्मचारियों ने हर परिस्थिति में साथ दिया, जिससे कार्य करने का उत्साह हमेशा बना रहा। कार्यक्रम का संचालन लेखराम रामटेकर द्वारा किया गया। अंत में सभी वक्ताओं ने श्री यादव की कार्यशैली, सरलता और समन्वयकारी नेतृत्व की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

पहली पदस्थापना मे ही परिपक्व रहे श्री यादव

मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित जनपद अध्यक्ष श्रीमती अर्चना रेवेंद्र खोंगल ने कहा कि श्री यादव के कार्यकाल में जनपद में अनेक सराहनीय कार्य हुए और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ आमजन तक प्रभावी रूप से पहुंचा। वहीं उपाध्यक्ष अजय अवसरे ने अपने संबोधन में कहा कि पहली पदस्थापना के बावजूद श्री यादव ने एक परिपक्व अधिकारी की तरह कार्य किया। उनके कार्यकाल में सभी जनप्रतिनिधियों और कर्मचारियों को सहज वातावरण मिला, जहां समस्याओं का त्वरित समाधान होता था। वहीं जब श्री यादव लांजी में पदस्थ हुए थे तब हमारा क्षेत्र नक्सल प्रभावित था वहीं अब उनके जाने के पूर्व ही नक्सल मुक्त हो चुका है।

कार्यक्रम में इनकी रही उपस्थिति

समारोह में जनपद पंचायत सदस्यों, सरपंच संघ, सचिव संघ, मेट संघ एवं द्वारा शॉल और श्रीफल भेंटकर उनका सम्मान किया गया। कार्यक्रम में जनपद सीईओ अंकित सिंघई, जनपद अध्यक्ष अर्चना खोंगल, उपाध्यक्ष अजय अवसरे, पूर्व अध्यक्ष देवेन्द्र खोंगल, रेवाजी कराहटकरे, दिनेश लांडे, महेन्द्र पटले, महेश चौधरी, श्यामलाल बेदरे, नीलकंठ ठाकरे, सरपंच संघ अध्यक्ष ललित कवरे एवं एसडीओ टी.पी. परते सहित अन्य जनप्रतिनिधि और कर्मचारी उपस्थित रहे। वहीं सरपंच राम ठाकरे, लक्ष्मण कावरे, राजकुमार टांडेकर, कोमल भगत, गणेश बागडे, प्रभुदयाल किरमे, महेंद्र बोरकर, प्रभुशंकर भरें, ताराचंद कुचलाहे, छत्रपाल मचिया, वहीं जनपद के अधिकारी कर्मचारियों में मोहित शर्मा, दुष्यंत उमरे, राजप्रसाद हरिद्वार, नितिन शुक्ला, विजय बंजारी, रावाराम परते, सुरेश कुहाने, राजेंद्र टांडेकर, सुनीता तिवारी, तरुणा वासनिक, तुरजाबाई चामलाटे, युवराज आम्बाडरे, वहीं सचिवों में भुवन कवरे, ठकराम भगत, पवन कंकरायने, जितेंद्र झा, आशीष अगासे, चंदू बोरकर, नंदकुमार बिछोने, कृष्ण कुमार महिश्वरे, महेंद्र सिरामे, संदीप मर्सकोले, खेलचंद कटरे, नीलेश्वर मोरघडे, दशरथ उपराडे, भुवन फुन्नारे सहित अन्य गणमान्य जनप्रतिनिधी एवं अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

गर्मी का कहर- लू के साथ मिलावटी खाद्य-पेय से बढ़ा खतरा, आमजनजीवन प्रभावित

सड़क किनारे सस्ते पेय और अस्वच्छ भोजन से बढ़ रहा बीमारियों का जोखिम, बीएमओ ने दी सतर्क रहने की सलाह

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र में इन दिनों पड़ रही भीषण गर्मी ने आमजनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। एक ओर जहां तापमान में लगातार बढ़ोतरी से लोगों का जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है, वहीं दूसरी ओर सड़क किनारे बिकने वाले सस्ते पेय पदार्थ, मिलावटी खाद्य सामग्री और शादी-विवाह में परोसे जा रहे अस्वच्छ भोजन ने सेहत पर दोहरा खतरा खड़ा कर दिया है। बुधवार को अधिकतम तापमान करीब 42 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गयाए जबकि न्यूनतम तापमान 26 डिग्री के आसपास रहा। सुबह 11 बजे के बाद ही तेज धूप और गर्म हवाओं (लू) के कारण सड़कों और बाजारों में सन्नाटा पसर जाता है। जरूरी काम से बाहर निकलने वाले लोग भी सिर और चेहरे को ढंककर निकलने को मजबूर हैं। गर्मी का सबसे ज्यादा असर मजदूर वर्ग, राहगीरों और छोटे व्यवसायियों पर देखा जा रहा है। तेज गर्मी के बीच लोग राहत के लिए ठंडे पेय पदार्थों का सहारा ले रहे हैं, लेकिन सड़क किनारे खुले में बिकने वाले रंगीन शरबत, बर्फ के गोले और अन्य सस्ते पेय पदार्थ स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक साबित हो रहे हैं। इसके अलावा शादी-विवाह और सामाजिक आयोजनों में परोसे जा रहे भोजन में भी स्वच्छता और गुणवत्ता को लेकर लापरवाही सामने आ रही है, जिससे फूड पॉइजनिंग और अन्य बीमारियों का खतरा बढ़ गया है।

अस्पतालों में बढ़ रहे मरीज....

स्थानीय स्वास्थ्य केंद्रों में इन दिनों उल्टी, दस्त, चक्कर आना और डिहाइड्रेशन के मरीजों की संख्या में इजाफा देखा जा रहा है। चिकित्सकों के अनुसार, लू के साथ-साथ दूषित भोजन और पेय पदार्थों का सेवन इन बीमारियों का प्रमुख कारण बन रहा है। खासकर बच्चे और बुजुर्ग जल्दी इसकी चपेट में आ रहे हैं। बीएमओ अक्षय उपराड़े ने लोगों को गर्मी से बचाव के साथ-साथ खानपान में विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है। उनका कहना है कि दोपहर 12 से 3 बजे के बीच अनावश्यक रूप से बाहर न निकलें, अधिक मात्रा में साफ पानी और तरल पदार्थ का सेवन करें, सड़क किनारे खुले में बिकने वाले पेय पदार्थों और खाद्य सामग्री से परहेज करें, शादी-विवाह या आयोजनों में बासी या संदिग्ध भोजन से बचें, हल्के व सूती कपड़े पहनें और धूप में निकलते समय सिर को ढंककर रखें, लू या कमजोरी के लक्षण दिखाई देने पर तुरंत छायादार स्थान पर आराम करें और चिकित्सक से संपर्क करें। गर्मी के इस बढ़ते प्रकोप को देखते हुए जरूरी है कि लोग सावधानी बरतें और सुरक्षित खानपान अपनाएं ताकि लू और मौसमजनित बीमारियों के साथ-साथ मिलावटी खाद्य-पेय से होने वाले खतरों से भी बचा जा सके।

बुद्ध विहार मे दस दिवसीय उपासिका धम्म प्रशिक्षण शिविर 24 से

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। तहसील मुख्यालय ग्राम पंचायत किरनापुर के शाक्य मुनि बुद्ध विहार किरनापुर मे दिनांक 24 अप्रैल 2026 दिन शुक्रवार से दस दिवसीय धम्म प्रशिक्षण शिविर प्रारंभ होने जा रहा है तत्संबंध मे जानकारी देते हुए भारतीय बौद्ध महासभा तहसील शाखा के महासचिव विनय चौरे ने बताया कि धम्म को जन जन तक पहुंचाने एवं आदर्श बौद्ध समाज बनाएं जाने के उद्देश्य से दस दिवसीय महिला प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जा रहा है। इस शिविर में मुख्य प्रशिक्षक आदरणीय वैशाली ताई बोखारे (मुम्बई) से धम्म एवं महापुरुषों के इतिहास पर प्रकाश डालेंगे। शिविर में अधिक से अधिक संख्या मे धम्म अनुयायियों से पहुंचने की अपील भारतीय बौद्ध महासभा तहसील शाखा अध्यक्ष दुरेन्द्र सावनकर सहित समस्त सदस्यों एवं पदाधिकारियों ने की है।

रमगढ़ी मे अम्बेडकर जयंती पर फैजान ताज की कव्वाली 25 को

किरनापुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत रमगढ़ी मे आगामी 25 अप्रैल शनिवार को विश्व रत्न बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर जी की 135 वीं जयंती समारोह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। तत्संबंध मे जानकारी देते हुए भारतीय बौद्ध महासभा ग्रामीण शाखा रमगढ़ी अध्यक्ष नरेन्द्र तिरपुड़े ने बताया कि 25 अप्रैल को सुबह 10 बजे धम्म वंदना कर जयंती समारोह पर दोपहर 12 बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। एवं शाम 5 बजे से ग्राम भ्रमण हेतु रैली निकाली जाएगी। तथा शाम 6 बजे से मंचीय कार्यक्रमो मे अतिथि वक्ताओं के उद्बोधन तथा रात्रि 10 बजे से प्रसिद्ध कव्वाल फ़ैज़ान ताज की कव्वाली का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर आयोजन समिति अध्यक्ष नरेन्द्र तिरपुड़े, उपाध्यक्ष कमलेश गजभिए, महासचिव दीपक सूर्यवंशी, सचिव मनोज डोंगरे, कोषाध्यक्ष हरिलाल डोंगरे, सलाहकार संतोष डोंगरे, देवेन्द्र तिरपुड़े, मानिक डोंगरे, संयोजक कमलेश गेडाम, आदित्य वासनिक, संरक्षक कुलदीप वासनिक, सागर तिरपुड़े, महेन्द्र तिरपुड़े, राजकुमार डोंगरे, राजेन्द्र तिरपुड़े, विजय डोंगरे सहित समस्त सदस्यों ने आयोजित कार्यक्रमों मे उपस्थित होने की अपील की है।

वारा मे बुद्ध पूर्णिमा महोत्सव कार्यक्रम 1 मई को

प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम वारा के बुद्ध विहार मे विश्वशांति त्रिगुण पावन पर्व बुद्ध पूर्णिमा महोत्सव 1 मई को मनाई जाएगी। तत्संबंध मे जानकारी देते हुए भारतीय बौद्ध महासभा तहसील शाखा महासचिव एवं बौद्धाचार्य विनय चौरे ने बताया कि वैशाख पूर्णिमा के दिन सिद्धार्थ गौतम का जन्म हुआ था। वैशाख पूर्णिमा के दिन ही उन्हें बुद्धत्व की प्राप्ति हुई थी और तथागत भगवान बुद्ध का महापरिनिर्वाण भी वैशाख पूर्णिमा को ही हुआ था इसी कारण इसे त्रिगुण पावन पूर्णिमा कहते हैं। 1 मई दिन शुक्रवार को ग्राम वारा मे आयोजित कार्यक्रमों मे बुद्ध विहार मे प्रातः 10 बजे पंचशील ध्वजारोहण कर पूजा वंदना की जाएगी तत्पश्चात् दिवंगत संजय चौरे की स्मृति मे शरबत वितरण किया जाएगा। और शाम 5 बजे से आयोजित मंचीय कार्यक्रमो में मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित आदरणीय वैशाली ताई बोखारे (केन्द्रीय शिक्षिका भारतीय बौद्ध महासभा मुम्बई) रहेंगी। विश्व शांति त्रिगुण पावन बुद्ध पूर्णिमा महोत्सव कार्यक्रम मे समस्त अनुयायियों से पहुंचने की अपील भारतीय बौद्ध महासभा ग्रामीण शाखा वारा के सदस्य एवं पदाधिकारियों ने की है।

बाला साहब शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में मनाया गया विश्व वसुंधरा दिवस

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र के ग्राम कारंजा स्थित बाला साहब शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में 22 अप्रैल 2026 को विश्व वसुंधरा दिवस हर्षोल्लास और जागरूकता के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय के प्राचार्य आर. के. घोरमारे की अध्यक्षता में किया गया, जिसमें विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं इको क्लब के सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। इस अवसर पर पृथ्वी संरक्षण, जल संरक्षण, वृक्षारोपण एवं पर्यावरण संतुलन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने पृथ्वी, जल, पेड़-पौधों एवं खनिज संपदा के महत्व को रेखांकित करते हुए इनके संरक्षण की आवश्यकता पर अपने विचार प्रस्तुत किए। बच्चों ने बताया कि प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन भविष्य के लिए गंभीर खतरा बन सकता है, इसलिए अभी से जागरूक होकर संरक्षण की दिशा में कार्य करना आवश्यक है। प्राचार्य घोरमारे एवं सभी शिक्षकों ने भी विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करते हुए दैनिक जीवन में छोटे-छोटे प्रयासों के माध्यम से प्रकृति को बचाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने स्तर पर जिम्मेदारी निभाए, तो पर्यावरण संरक्षण का लक्ष्य आसानी से प्राप्त किया जा सकता है।

कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यालय में स्लोगन, चित्रकला, निबंध एवं रंगोली प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। साथ ही सभी उपस्थितों को वसुंधरा संरक्षण हेतु शपथ भी दिलाई गई, जिसमें पर्यावरण की रक्षा करने और अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने का संकल्प लिया गया।

कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के शिक्षक वाई. के. राहंगडाले, आर. के. चौधरी, कु. कौशल्या दशहरे, श्रीमती धम्मशिला मेश्राम, राजकुमार वैद्य, प्रज्वल टेंभरे एवं इको क्लब प्रभारी मनोज नगपुरे का विशेष योगदान रहा।

दुलापुर आरा मिल के पास सड़क दुर्घटना में 3 लोग घायल

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र में लगातार बढ़ रही सड़क दुर्घटनाएं चिंता का विषय बनती जा रही हैं। आए दिन हो रहे हादसों के पीछे तेज रफ्तार और शराब के नशे में वाहन चलाने जैसी लापरवाहियां मुख्य कारण बनकर सामने आ रही हैं। इसके बावजूद वाहन चालक नियमों की अनदेखी करने से बाज नहीं आ रहे हैं। बीते एक पखवाड़े में लगभग हर दिन छोटी-बड़ी दुर्घटनाएं सामने आई हैं, जिनमें कई घटनाएं इतनी भीषण रहीं कि जनहानि तक हुई। इन हादसों के पीछे नशे में वाहन चलाना, तेज रफ्तार और नाबालिगों द्वारा बेधड़क वाहन चलाना प्रमुख कारण बनकर उभर रहे हैं। प्रशासनिक सख्ती के बावजूद हालात चिंताजनक बने हुए हैं। क्षेत्र में लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं को देखते हुए आवश्यक है कि वाहन चालक यातायात नियमों का पालन करें और विशेष रूप से शराब के नशे में वाहन चलाने से बचें, ताकि ऐसे हादसों पर अंकुश लगाया जा सके। प्रशासन द्वारा भी समय-समय पर जागरूकता और सख्ती बरतने की जरूरत महसूस की जा रही है। इसी कड़ी में 21 अप्रैल की रात लगभग 9 बजे लांजी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम दुलापुर स्थित आरा मिल के पास एक सड़क दुर्घटना में तीन लोग घायल हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार दिलीप कारमेंघे (45 वर्ष) निवासी दुलापुर अपने साथ एक बालक तुमन कारमेंघे के साथ मोटरसाइकिल से लांजी से अपने गांव लौट रहे थे। इसी दौरान आरा मिल के पास पैदल जा रहे अर्जुन नारनौरे (55 वर्ष) निवासी दुलापुर को बाइक ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर गिर गई। इस हादसे में अर्जुन नारनौरे, दिलीप कारमेंघे और तुमन कारमेंघे तीनों घायल हो गए। सूचना मिलने पर डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और सभी घायलों को तत्काल सिविल अस्पताल लांजी पहुंचाकर भर्ती कराया, जहां उनका उपचार जारी है।

फुले-अंबेडकर जयंती पर जनजागृति की हुंकार

28 अप्रैल को सरेखा में होगी विशाल सभा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। समाज में समानता, शिक्षा और अधिकारों की अलख जगाने वाले महान समाज सुधारकों राष्ट्रपिता ज्योतिबा फुले एवं राष्ट्र निर्माता बाबा साहब डॉ. बी.आर. अंबेडकर की संयुक्त जयंती के अवसर पर बालाघाट में एक विशाल जनजागृति सभा का आयोजन किया जा रहा है।

पीपुल्स पार्टी ऑफ इंडिया के तत्वाधान में 28 अप्रैल को दोपहर 2:00 बजे फुले प्रतिमा चौक, सरेखा में यह कार्यक्रम आयोजित होगा। सभा का उद्देश्य समाज में जागरूकता बढ़ाना और महापुरुषों के विचारों को जन-जन तक पहुंचाना है।इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में सेवानिवृत्त प्रोफेसर एच.डी. तिरपुड़े (राष्ट्रीय संगठन सचिव, पीपीआई) उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डी.एल. मानेश्वर (अध्यक्ष, पीपीआई (डी) राज्य इकाई, मध्य प्रदेश) करेंगे।सभा में प्रमुख वक्ताओं के रूप में आर.बी. ढोके (पूर्व महासचिव, पीपीआई) और बी.एल. पंचे (पूर्व अध्यक्ष, पीपीआई) अपने विचार रखेंगे। इसके अलावा कई अन्य वक्ता भी कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। जिनमें अमर सिंह मर्सकोले, के.डी. वासनिक, धरमसिंह मरकाम, जे.आर. घरते, राजू लिल्हारे, सरस्वती पंचेश्वर, उषा ठके, रूपेश नागोते, डी.के. श्यामकुंवर और आर.एस. टेकाम शामिल हैं।आयोजकों ने अधिक से अधिक लोगों से कार्यक्रम में उपस्थित होकर महापुरुषों के विचारों को आत्मसात करने और समाज में जागरूकता फैलाने की अपील की है।यह आयोजन न केवल जयंती का उत्सव है। बल्कि सामाजिक चेतना और अधिकारों के प्रति जागरूकता का एक महत्वपूर्ण मंच भी है।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबैंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

किसानों को ग्रामीण क्षेत्र की कृषि भूमि के भूअर्जन पर मिलेगा बाजार दर का 4 गुना मुआवजा

नि:शुल्क साइकिल प्रदाय योजना और शैक्षणिक संस्थानों के उन्नयन के लिए 2,190 करोड़ 44 लाख रूपये की स्वीकृति

भोपाल। मुख्यमंत्री मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में बुधवार को मंत्रालय में सम्पन्न हुई मंत्रि-परिषद की बैठक में किसानों के हित में ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए कृषि भूमि के भूअर्जन पर गुणन कारक (मल्टीफिकेशन फैक्टर) को दोगुना करते हुए 2.0 कर दिया गया है। इससे अब अधिग्रहित कृषि भूमि का मुआवजा किसानों को दोगुना के स्थान पर बाजार दर से 4 गुना प्राप्त होगा। यह निर्णय संपूर्ण प्रदेश की ग्रामीण क्षेत्र की कृषि भूमि के अधिग्रहण पर लागू होगा। मंत्रि-परिषद ने नगरीय सीमा में मुआवजा गुणन कारक को यथावत एक रखा गया है। मंत्रि-परिषद ने इसके साथ सिंचाई, स्वास्थ्य, शिक्षा और सड़क जैसे अधोसंरचना निर्माण तथा विकास के कार्यों के लिए लगभग 33 हजार 985 करोड़ रूपये की स्वीकृति भी दी है।

भू-अर्जन पर बाजार दर का 4 गुना मुआवजा मिलने से किसानों को होगा जबरदस्त फायदा

मंत्रि-परिषद ने किसानों के हित में एक ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए मध्यप्रदेश भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार नियम 2015 के तहत ग्रामीण क्षेत्रों के लिए गुणन कारक (स्रद्धह्यह्लश्चद्यद्बष्ड्डह्लद्बशठ्ठ स्नड्डष्ह्लशह्म) को बढ़ाकर 2.0 कर दिया गया है, जिससे किसानों को अब उनकी कृषि भूमि का बाजार दर से 4 गुना मुआवजा मिलने का मार्ग प्रशस्त हो गया है।

इस निर्णय से सिंचाई परियोजनाओं, सड़क, पुल, रेलवे और बांध निर्माण जैसे महत्वपूर्ण कार्यों के लिए केंद्र व राज्य सरकार द्वारा अधिग्रहित की जाने वाली कृषि भूमि पर किसानों को अधिक राशि मिल सकेगी। इससे न केवल विकास कार्यों में तेजी आएगी, बल्कि भूमि देने वाले किसान परिवारों की आर्थिक स्थिति में भी व्यापक सुधार होगा।

उल्लेखनीय है कि इस संबंध में मंत्री तुलसीराम सिलावट, राकेश सिंह और चेतन्य कुमार काश्यप की उप-समिति ने अनुशंसा की थी। उप-समिति ने अन्य राज्यों की नीतियों का अध्ययन करने के साथ ही विभिन्न किसान संगठन केआई,सीआईआई और फिक्की से चर्चा के बाद यह रिपोर्ट तैयार की थी। सरकार के इस पारदर्शी और किसान-हितैषी निर्णय से प्रदेश के हजारों परिवारों को सीधा लाभ पहुँचेगा।

इन्दौख-रुदाहेड़ा सूक्ष्म सिंचाई परियोजना के लिए 157 करोड़ 14 लाख रूपये की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद द्वारा उज्जैन जिले की इन्दौख-रुदाहेड़ा सूक्ष्म सिंचाई परियोजना की लागत राशि 157 करोड़ 14 लाख रूपये, सैच्य क्षेत्र 10,800 हेक्टेयर की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान किये जाने का निर्णय लिया गया है। परियोजना से झारड़ा तहसील के 35 ग्रामों को सिंचाई सुविधा का लाभ होगा।

छिन्दवाड़ा सिंचाई काम्पलेक्स परियोजना में पुनर्वास के लिए 969 करोड़ रूपये के विशेष पुनर्वास पैकेज की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद द्वारा छिन्दवाड़ा सिंचाई कॉम्पलेक्स परियोजना में पुनर्वास के लिये स्वीकृत राशि 840 करोड़ 80 लाख रुपये के स्थान पर लगभग 969 करोड़ रुपये का विशेष पुनर्वास पैकेज स्वीकृति किया गया है। यह विशेष पैकेज त्वरित क्रियान्वयन व विस्थापितों के अपेक्षित सहयोग के लिए केन-बेतवा अन्तर्राज्यीय नदी जोड़ो परियोजना के समकक्ष प्रदान किए जाने का निर्णय लिया गया है।

छिन्दवाड़ा सिंचाई कॉम्पलेक्स परियोजना के अंतर्गत छिन्दवाड़ा जिले में संगम 1 बाँध, संगम 2 बाँध, रामघाट बांध एवं पांढुर्णा जिले में बेलेंसिंग रिजर्वायर (पांढुर्णा) इस प्रकार कुल 4 बांध प्रस्तावित है, जिससे छिन्दवाड़ा एवं पांढुर्णा जिलों के 1,90,500 हैक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी । परियोजना से छिन्दवाड़ा जिले के 369 एवं पांढुर्णा जिले के 259 ग्राम इस प्रकार कुल 628 ग्राम लाभान्वित होंगे।

लोक निर्माण अंतर्गत विकास कार्यों के लिए 25,164 करोड़ रूपये की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद द्वारा लोक निर्माण विभाग अंतर्गत विकास कार्यों के लिए 25,164 करोड़ रूपये की स्वीकृति दी गई है। स्वीकृति अनुसार म.,प्र. सड़क विकास निगम के माध्यम

से सड़कों का निर्माण को 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2031 तक निरंतर रखे जाने और संचालन के लिए 7 हजार 212 करोड़ रूपये, ग्रामीण सड़कों एवं अन्य जिला मार्गों का निर्माण और उन्नयन के कार्य की निरंतरता के लिए 6 हजार 150 करोड़ रूपये, पुलों और सड़कों के उन्नयन के लिए 1 हजार 87 करोड़ रूपये, भवनों के मरम्मत और विभागीय परिसंपत्तियों के संधारण के लिए 765 करोड़ रूपये और वृहद पुलों का निर्माण की योजना को सोलहवें वित्त आयोग की अवधि (1 अप्रैल, 2026 से 31 मार्च, 2031) तक में निरंतर रखे जाने और संचालन के लिए 9 हजार 950 करोड़ रूपये की स्वीकृति प्रदान की गई है।

नि:शुल्क साइकिल प्रदाय योजना और शैक्षणिक संस्थानों के उन्नयन के लिए 2,191 करोड़ रूपये की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद द्वारा स्कूल शिक्षा विभाग अंतर्गत ग्राम क्षेत्रों में शासकीय विद्यालयों में कक्षा 6 वी एवं कक्षा 9 वी में अध्ययनरत विद्यार्थियों को साइकिल प्रदाय करने से संबंधित नि:शुल्क साइकिल प्रदाय योजना को वित्तीय वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक निरंतर रखने के लिए 990 करोड़ रूपये और शिक्षक प्रशिक्षण संस्थाओं के वेतन भत्ते, कार्यालयीन व्यय एवं संस्थानों का सुदृढ़ीकरण से संबंधित 8 योजनाओं के संचालन के लिए 1,200 करोड़ 44 लाख रूपये की स्वीकृति प्रदान की गई है।

नि:शुल्क साइकिल प्रदाय योजना मध्यप्रदेश में वर्ष 2004-05 से संचालित की जा रही है। नि:शुल्क साइकिल प्रदाय योजना अंतर्गत निर्धारित मापदण्ड अनुसार ग्रामीण क्षेत्र में निवासरत् विद्यार्थी जो कि शासकीय विद्यालयों में कक्षा 6 वी एवं कक्षा 9 वी में अध्ययनरत् है, तथा वह जिस ग्राम का निवासी है उस ग्राम में शासकीय माध्यमिक / हाईस्कूल संचालित नहीं है तथा वह अध्ययन के लिए किसी अन्य ग्राम या शहर के शासकीय स्कूल में जाता है, उसे नि:शुल्क साइकिल वितरण योजना अंतर्गत लाभान्वित किया जाता है।

प्रदेश में उन्नत चिकित्सा सेवाओं के लिए 5,479 करोड़ रूपये की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद् द्वारा लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग अंतर्गत प्रदेश में उन्नत चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने, चिकित्सा महाविद्यालयों में उन्नयन और मण्डला में नवीन शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय की स्थापना के लिए 5 हजार 479 करोड़ रूपये की स्वीकृति दी गई है।

स्वीकृति अनुसार मुख्यमंत्री समग्र एवं उन्नत तृतीयक स्वास्थ्य सेवा संस्था सुदृढ़ीकरण योजना (श्रुष्ठ्रक्ष 2025) योजना के 5 वर्षों तक निरंतर संचालन के लिए 3 हजार 628 करोड़ रूपये स्वीकृत किये गए है। योजना के माध्यम से तृतीयक स्वास्थ्य सेवाओं के एक सशक्त हब के रूप में शासकीय और स्वशासी चिकित्सा महाविद्यालयों एवं निजी क्षेत्र में सुपर स्पेशलिटी स्वास्थ्य सेवाओं का सुदृढ़ीकरण अंतर्गत ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल, मेडिकल एवं रेडिएशन), कार्डियोलॉजी, कार्डियक सर्जरी तथा अंग प्रत्यारोपण इकाइयों की स्थापना आदि का प्रावधान किया जा रहा है। इसके लिए शासकीय निवेश के साथ-साथ निजी भागीदारों की विशेषज्ञता, नवीनतम तकनीक और पूंजी निवेश का उपयोग कर सेवाओं की उन्नत गुणवत्ता और उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी।

इसके साथ ही चिकित्सा महाविद्यालयों में उन्नयन के लिए 1 हजार 503 करोड़ रूपये स्वीकृत किए गए। स्वीकृति अनुसार इस योजना से चिकित्सा महाविद्यालयों में अगले 5 वर्षों तक चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार किया जा सकेगा।

मण्डला में नवीन शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय स्थापना के निर्माण के लिए पूर्व में स्वीकृत 249 करोड़ 63 लाख रूपये के स्थान पर 347 करोड़ 39 लाख रुपए की पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। स्थल परिवर्तन के कारण तकनीकी कारणों से लागत में वृद्धि के कारण पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। मण्डला में नवीन शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय की स्थापना से आसपास के क्षेत्र की जनता को तृतीयक स्तर की चिकित्सा सुविधाएं सुलभता से प्राप्त होंगी।

शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में परिजन आवास की स्थापना की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद ने प्रदेश के चुने हुए चिकित्सा महाविद्यालयों के परिसर में परोपकारी संस्थाओं के माध्यम से परिजन आवास स्थापित करने के लिए मंजूरी दी है। संस्थाएं ऐसे परिजन विश्राम गृह की स्थापना अपने वित्तीय संसाधनों से करेगी,जिसके लिए सरकार कोई कोई वित्तीय सहायता नहीं देगी। संस्था द्वारा सेवाओं के लिए लिया जाने वाला शुल्क का निर्धारण शासन द्वारा गठित समिति द्वारा किया जाएगा। प्रस्तावित व्यवस्था से मरीज के परिजनों को बेहतर व्यवस्था कम दरों पर मिलेगी और मानसिक रूप से वे बेहतर स्थिति में होंगे, जिसका सीधा-सीधा लाभ अस्पताल की व्यवस्था पर पड़ेगा और व्यवस्था सुचारु होगी।

चिकित्सा महाविद्यालय से संबंधित अस्पतालों में दूर-दूर से मरीज आते हैं। इनके साथ परिजन भी आते हैं। इनमें से कई परिजन अस्पताल परिसर से बाहर ठहरने की व्यवस्था के व्यय भार को उठाने में सक्षम नहीं होने के कारण अस्पताल परिसर में हो सो जाते हैं। इससे अस्पताल परिसर की स्वच्छता व्यवस्था पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है, साथ ही परिजनों को भी ठहरने को आरामदायक स्थान नहीं मिल पाता है। इसका अप्रत्यक्ष असर अस्पताल की प्रशासनिक व्यवस्था तथा मरीज और अस्पताल स्टॉफ के मध्य संव्यवहार पर भी पड़ता है, जिससे अस्पतालों के कार्य प्रभावित होते हैं।

छठवें राज्य वित्त आयोग के कार्यों के संपादन के लिए 15 पदों के सृजन की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद् द्वारा छठवें राज्य वित्त आयोग के कार्यों के संपादन के लिए कार्यकाल अवधि के लिए 15 पदों के सृजन की स्वीकृति दी है। राज्य शासन द्वारा छठवें राज्य वित्त आयोग का गठन किया जा चुका है।

मुख्यमंत्री यंग प्रोफेशनल फॉर डेवलपमेंट प्रोग्राम के लिए 24 करोड़ रूपये की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद् द्वारा मुख्यमंत्री यंग प्रोफेशनल फॉर डेवलपमेंट प्रोग्राम के तृतीय चरण को तीन वर्ष के संचालन के लिए 23 करोड़ 90 लाख रूपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। साथ ही लोक सेवा प्रबंधन विभाग को अग्रिम कार्यवाही तथा प्रक्रिया निर्धारण कर नियमों एवं निर्देशों को जारी कर क्रियान्वयन के लिये अधिकृत किया गया है।

एक महीने की खोली जाएगी ट्रांसफर विंडो

मप्र में नई तबादला नीति की जा रही तैयार

भोपाल । मप्र सरकार वर्ष 2026 की नई तबादला नीति लागू करने की तैयारी में है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के संकेतों के बाद सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) नीति का ड्राफ्ट तैयार करने में जुट गया है, जिसे इस महीने के अंत तक कैबिनेट के सामने रखा जा सकता है। सरकार हर साल की तरह इस बार भी तबादलों पर लगी रोक को सीमित अवधि के लिए हटाएगी। प्रस्ताव के अनुसार, करीब एक महीने की विंडो खोली जाएगी, जिसमें विभिन्न विभागों में कर्मचारियों के तबादले किए जा सकेंगे। हालांकि, अनियंत्रित तबादलों पर रोक लगाने के लिए एक सीमा तय की गई है-किसी भी विभाग में कुल तबादले उसके कैडर के 20 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे। इस बार की नीति में एक बड़ा बदलाव प्रभारी मंत्रियों की भूमिका को लेकर देखने को मिल सकता है।

सूत्रों के अनुसार, मंत्रियों को अपने जिलों में तबादलों पर पहले जैसे अधिकार दिए जा सकते हैं। यानी उनकी स्वीकृति के बिना सूची को अंतिम रूप नहीं दिया जाएगा। इससे जिला स्तर पर राजनीतिक और प्रशासनिक समन्वय बढ़ने की संभावना है। वहीं, स्थानीय स्तर पर कलेक्टर की भूमिका भी महत्वपूर्ण रहेगी। तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों के तबादले पहले कलेक्टर स्तर पर प्रस्तावित होंगे, जिसके बाद आगे की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। पिछले साल अपेक्षाकृत कम तबादले होने के कारण इस बार कर्मचारियों में उम्मीदें बढ़ी हैं। लंबे समय से एक ही स्थान पर पदस्थ अधिकारियों-कर्मचारियों को नई नीति से राहत मिलने की संभावना है। बैठकों में जनप्रतिनिधियों ने भी तबादला प्रतिबंध हटाने की मांग रखी थी, जिससे साफ है कि इस बार प्रक्रिया ज्यादा सक्रिय रहने वाली है। कैबिनेट की मंजूरी के बाद मई की शुरुआत से तबादलों का दौर शुरू होने के आसार हैं।

विधायकों की अनुशंसा को मिलेगा प्राथमिकता

मप्र के सरकारी अधिकारी-कर्मचारी अब ट्रांसफर की राह ताकने लगे हैं। ऐसे में संभावना जताई जा रही है कि मई-जून में तबादले होंगे। नीति पिछले साल की तरह ही होगी। तबादला आदेश ऑनलाइन जारी होंगे। जिले के भीतर आदेश प्रभारी मंत्री के अनुमोदन के बाद ही कलेक्टर जारी करेंगे। विधायकों की अनुशंसा को प्राथमिकता मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि नीति का प्रारूप तैयार करके कैबिनेट के सामने प्रस्तुत किया जाए। विधायक और जनप्रतिनिधियों द्वारा लगातार अधिकारियों-कर्मचारियों के तबादले को लेकर मुख्यमंत्री को मांग पत्र दिए जाते हैं। प्रयास यह रहता है कि ए प्लस नोटशीट मुख्यमंत्री की ओर से विभाग को चली जाए तो तबादला हो जाए मगर इससे प्रशासकीय व्यवस्था प्रभावित होती है। हाल ही में एक बैठक में जब मंत्रियों-विधायकों ने तबादले को लेकर बात उठाई तो मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस तरह पिछले साल व्यवस्था थी, वैसी ही रहेगी। विभाग अपनी आवश्यकता के अनुसार तबादले करें। जिले के भीतर प्रशासनिक व्यवस्था को देखते हुए कलेक्टर तबादले के प्रस्ताव प्रभारी मंत्री को प्रस्तुत करेंगे। वे विधायकों की अनुशंसा को दृष्टिगत रखते हुए अनुमोदन देंगे।

20 फीसदी तय होगी सीमा

प्रदेश में 15 मई के बाद तबादले शुरू हो सकते हैं। सामान्य प्रशासन विभाग ने इसके लिए नीति तैयार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। तबादला आदेश ऑनलाइन जारी होंगे। किसी भी संवर्ग में अधिकतम 20 प्रतिशत तबादले किए जा सकेंगे। राज्य संवर्ग के प्रथम श्रेणी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी के तबादला समन्वय के माध्यम से मुख्यमंत्री के अनुमोदन से होंगे।

लैंसकार्ट के खिलाफ शिवसेना ने किया विरोध प्रदर्शन

- पीयूष बंसल का पुतला फूंका

भोपाल। सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक कथित पॉलिसी डॉक्यूमेंट से लेंसकार्ट शोरूम के खिलाफ शुरू हुआ आक्रोश लगातार फैलता जा रहा है। इसी कड़ी में शिवसेना भोपाल इकाई द्वारा लैंसकार्ट के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया। कार्यकर्ताओं ने कंपनी के रंगमहल चौराहा क्षेत्र में स्थित शोरूम पास जमा होकर जमकर नारेबाजी करते हुए कंपनी के सीईओ पियूष बंसल का पुतला दहन किया।

प्रदर्शन के दौरान शिवसेना कार्यकर्ताओ ने शोरूम की ओर बढ़े और लेंसकार्ट के लोगो पर कालिख पोतने का प्रयास किया। लेकिन मौके पर मौजूद प्रशासन ने तुरंत ही उन्हें रोकते हुए स्थिति को नियंत्रित किया। युवा मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष कुलदीप तिवारी ने आरोप लगाते हुए कहा की पीयूष बंसल ने ओछी मानसिकता का परिचय देते हुए सनातन धर्म की भावनाओं को ठेस पहुंचाई है। उन्होंने मामले की जांच की मांग करते हुए आशंका जताई कि कहीं इसके पीछे विदेशी फंडिंग तो नहीं है। साथ ही यह भी आरोप लगाया कि कंपनी में कर्मचारियों को तिलक, बिंदी और रक्षासूत्र पहनने से रोका जा रहा है, जबकि अन्य धर्मों के कर्मचारियों पर कोई प्रतिबंध नहीं है। कार्यकर्ताओं ने मांग की कि पीयूष बंसल के खिलाफ धार्मिक भावनाएं आहत करने और धार्मिक उन्माद फैलाने जैसी धाराओं में मामला दर्ज किया जाए। जिला अध्यक्ष युवा मोर्चा दिलीप परिहार और रोशनी ने देशवासियों से लेंसकार्ट के बहिष्कार की अपील भी की। प्रदर्शन में प्रदेश प्रवक्ता मांगीलाल सैनी, दिलीप परिहार (जिला अध्यक्ष युवा मोर्चा), रोशनी, टिंकू रैकवार, राव दोहरे, अमन तिवारी, अमन गौतम, संजय सैनी, आकाश मकोरिया, भानु भवानी, विशाल भवानी, बंटी यादव सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे। इससे एक दिन पहले मंगलवार को भी हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं ने शो रूम के बाहर विरोध प्रदर्शन करते हुए कर्मचारियों को तिलक लगाने के साथ ही कलावा बांधा था।

गैस एजेंसियों की जांच में मिली गड़बड़िया, अब एफआईआर की तैयारी

भोपाल। रसोई गैस की कालाबाजारी रोकने के लिए भोपाल जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। भोपाल के जेके रोड स्थित फीनिक्स एचपीसीएल और कोटरा सुल्तानाबाद स्थित बीएस एचपी गैस एजेंसियों की खाद्य विभाग ने जांच पूरी कर ली है। खाद्य विभाग ने जांच रिपोर्ट एडीएम को सौंपी दी है। जांच में बताया गया है, कि एक एजेंसी खाद्य विभाग के ही रिटायर्ड अफसर और उनके रिश्तेदारों की है। अब जिला प्रशासन इन एजेंसियो के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाने की तैयारी में है। जानकारी के अनुसार

इन दोनों गैस एजेंसियों में गैस सिलेंडर की सप्लाई की शिकायत मिली थी। इसके बाद फूड कंट्रोलर ने टीम से जांच करवाई थी। जांच में सामने आया करीब 36 हजार वर्गफीट क्षेत्र में दोनों एजेंसियों के साझा गोदाम बने हैं। स्टॉक जांच में सबसे बड़ी गड़बड़ी फीनिक्स एजेंसी में मिली यहां 350 घरेलू, 350 कमर्शियल, और 2 हजार 5 किलोग्राम वाले छोटू सिलेंडर गायब थे। वहीं बीएस एजेंसी के गोदाम में भी 254 भरे सिलेंडर गायब मिले यहां कमर्शियल सिलेंडर के स्टॉक में भी गड़बड़ी सामने आई। जांच में ये भी पता चला कि सिलेंडर बुक हुए, लेकिन ग्राहकों तक ही नहीं पहुंचे। गैस एजेंसियों के संचालकों ने बड़ी संख्या में सिलेंडरों में हेरफेर किया है, जिन्होंने ऑनलाइन गैस सिलेंडर बुक कराए थे, एजेंसियों की ओर से उन उपभोक्ताओं को सिलेंडर नहीं पहुंचाए गए। जब उपभोक्ता एजेंसियों पर पहुंचे तो पता चला कि उनको सिलेंडर की डिलीवरी हो गई है, जबकि उपभोकाओं तक सिलेंडर पहुंचे ही नहीं थे। जांच रिपोर्ट में कहा गया है, कि सिलेंडर अधिक पैसे लेकर किसी और को दिए गए। एजेंसियों के गोडाउन में स्टॉक के अनुसार भी सिलेंडर नहीं पाए गए। इन एजेंसियों की अलावा अन्य एजेंसियों और अवैध परिवहन, अवैध रिफिलिंग करने वालों की भी जांच रिपोर्ट एडीएम को दी गई है। 10 से 12 मामलों की जांच रिपोर्ट सौंपी गई है। इन एजेंसियों के संचालकों व अवैध गैस सिलेंडरों का परिवहन और रिफिलिंग करने वालों पर जुर्माना और एफआईआर हो सकती है। एजेंसियों का लाइसेंस निरस्त करने के लिए कलेक्टर प्रियंक मिश्रा के अनुमोदन पर एडीएम संबंधित गैस कंपनियों को एजेंसियों का लाइसेंस निरस्त करने का प्रस्ताव जल्द भेजा सकता है।

कांग्रेस के गढ़ पर 'कलस्टर प्लान' से अटैक करेगी भाजपा

भोपाल (ईएमएस)। 2028 के विधानसभा चुनाव में भाजपा रिकॉर्ड जीत की रणनीति पर काम कर रही है। इसके लिए पार्टी कई स्तरों पर काम कर रही है। इसी कड़ी में पार्टी ने कांग्रेस का गढ़ बन चुकी विधानसभा सीटों के लिए स्पेशल कलस्टर प्लान बनाया है। इसके तहत विधानसभा क्षेत्र में चार-पांच गांवों का कलस्टर बनाया गया है। फिर इसमें वरिष्ठ नेताओं, पूर्व मंत्रियों और मंत्रियों को तैनात किया जा रहा है। इन लोगों को बूथ स्तर पर बैठक करके मतदाताओं को जागरूक करने से लेकर सोशल मीडिया तक के लिए प्रेरित करने का दायित्व सौंपा जाएगा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल का कहना है कि भाजपा की राजनीति सत्ता प्राप्ति तक सीमित नहीं है, बल्कि अंत्योदय के विचार को साकार करने के लिए समर्पित है। मिशन 2028 के तहत पार्टी पूरी गंभीरता और रणनीति के साथ आगे बढ़ रही है। जिन बूथों पर भाजपा को विजय मिली है, वहां मत प्रतिशत को और बढ़ाने के लिए स्पष्ट रोडमैप तैयार किया गया है। वहीं, जिन बूथों पर अपेक्षित सफलता नहीं मिली, उन्हें जीतना पार्टी का प्रमुख लक्ष्य है। हमारा विश्वास है कि संगठन की शक्ति, कार्यकर्ताओं के परिश्रम और जनता के आशीर्वाद से आने वाले समय में ऐसी कोई भी सीट नहीं होगी, जिसे भाजपा जीत न सके।

गौरतलब है कि बूथ स्तर पर पकड़ मजबूत करने के लिए पार्टी का लक्ष्य प्रत्येक बूथ पर 51 प्रतिशत वोट शेयर हासिल करना है। इसके लिए पन्ना प्रमुखों को सक्रिय कर घर-घर संपर्क अभियान चलाया जा रहा है। अल्पसंख्यक और जातिगत समीकरण को देखते हुए इन सीटों पर प्रभावी जाति समूहों एससी-एसटी व अन्य को साधने के लिए नजदीकी विधायकों को सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे पहुंचाने का निर्देश दिया गया है। मंत्रियों की तैनाती भी इन कठिन सीटों पर की गई है। भाजपा ने इन कठिन सीटों के लिए मिशन-2028 के तहत एक बहुआयामी माइक्रो-प्लानिंग रणनीति तैयार की है। जानकारी के अनुसार भाजपा उन सीटों को भी जीतने के लिए विशेष रणनीति बना रही है, जिन पर जनसंघ के समय से लेकर अब तक वह कम ही जीती है। ऐसी कई सीटों को चिह्नित कर उसने न सिर्फ संगठनात्मक गतिविधियों को अभी से बढ़ा दिया है बल्कि तीन-चार गांवों का कलस्टर बनाकर उनकी जिम्मेदारी दिग्गज नेताओं को दी है। उन्हें हार के कारणों का अध्ययन करने और उन्हें दूर करने के लिए मजबूत रणनीति बनाने को कहा गया है।

ये सीटें टारगेट पर

स्पेशल कलस्टर प्लान के तहत पार्टी का फोकस ऐसी कई सीटों पर है जहां कांग्रेस अपने दिग्गज नेताओं के प्रभाव के कारण मजबूत है। अब उनका किला भी भेदने की रणनीति पर काम किया जा रहा है। ऐसी सीटों में खरगोन जिले की अनुसूचित जनजाति के लिए सुरक्षित भगवानपुरा सीट पर कांग्रेस या निर्दलीयों का दबदबा रहा है। धार जिले की कुक्षी सीट भी परंपरागत रूप से कांग्रेस के पक्ष में रही है। यहां से कांग्रेस की आदिवासी नेत्री जमुना देवी लंबे समय तक जीतती रहीं। अब हनी सिंह बघेल कांग्रेस विधायक हैं। खरगोन जिले की अनुसूचित जाति वर्ग के लिए सुरक्षित भीकनगांव सीट पर भी भाजपा को कभी सफलता नहीं मिली। सीधी जिले की चुरहट सीट भी कांग्रेस का गढ़ रही है। अभी अजय सिंह कांग्रेस के विधायक हैं। पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन सिंह की इस परंपरागत सीट पर वर्ष 1993 और 2018 को छोड़कर कभी भी भाजपा नहीं जीती। एक बार 1967 में प्रजा सोशलिस्ट पार्टी भी जीती। मुस्लिम बहुल भोपाल उत्तर सीट पर भाजपा सिर्फ 1993 में बाबरी मस्जिद विध्वंस के बाद के राजनीतिक माहौल में मतों के ध्रुवीकरण के लाभ के चलते जीती। 2018 में फातिमा रसूल सिद्दीकी के रूप में प्रदेश में एकमात्र मुस्लिम उम्मीदवार को उतारकर भी भाजपा सफल न हो सकी। छिंदवाड़ा जिले की चौरई सीट लंबे समय से कांग्रेस, विशेषकर कमल नाथ परिवार के प्रभाव क्षेत्र में रही है। भाजपा के रमेश दुबे यहां के प्रभावशाली नेता रहे हैं, जिन्होंने 2003 और 2013 के विधानसभा चुनावों में यहां से जीत दर्ज की थी। इस जिले की अमरवाड़ा सीट को छोड़कर बाकी सारी सीटों पर कांग्रेस का कब्जा है। अमरवाड़ा सीट पर जुलाई 2024 में हुए उपचुनाव में भाजपा के कमलेश प्रताप शाह ने जीत हासिल की। यह जीत भाजपा के लिए इसलिए महत्वपूर्ण थी, क्योंकि अमरवाड़ा में भाजपा 16 साल बाद वापसी करने में सफल रही। इससे पहले भाजपा ने 2008 में यहां जीत दर्ज की थी, तब भी पार्टी ने कांग्रेस के पूर्व मंत्री प्रेम नारायण ठाकुर को टिकट दिया था।

महिला कांग्रेस का प्रदर्शन, नारी शक्ति वंदन बिल को बताया छलावा

भोपाल। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के अन्तर्गत महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण देने के केन्द सरकार द्वारा16 अप्रैल को बुलाए गए संसद के विशेष सत्र में संशोधन बिल लाने और विपक्ष के द्वारा समर्थन न करने पर इसके पास न होने को लेकर कांग्रेस और भाजपा इसको लेकर एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप लगा रही है। इसी क्रम में महिला आरक्षण बिल को छलावा बताते हुए राजधानी भोपाल में एमपी महिला कांग्रेस की अध्यक्ष रीना बौरासी सेतिया ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला दहन कर प्रदर्शन किया। हाथों में कांग्रेस का झंडा लिए इस प्रदर्शन में 100 से अधिक महिलाओं ने हिस्सा लिया। भाजपा नेताओं को लॉलीपॉप देने के लिए कांग्रेस कार्यालय से भाजपा कार्यालय तक पैदल मार्च निकाला।

महिला कांग्रेस अध्यक्ष को किया गिरफ्तार

यात्रा के बीच में महिलाओं और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की हुई। महिलाओं ने बैरिकेटिंग तोड़ने की कोशिश की, जिसके बाद महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष रीना बौरासी सेतिया को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। महिला कांग्रेस की संयुक्त प्रदेश सचिव सेजल पटेल ने बताया कि बीजेपी महिलाओं से डर गई है, इस लिए उन्हें लॉलीपॉप देने से रोका गया है। भाजपा हमेशा महिलाओं को लॉलीपाप देती है, इसलिए आज हम उन्हें लॉलीपॉप देने जा रहे थे।

प्रीतम पर चला भाजपा के अनुशासन का चबूक

भोपाल । भारतीय जनता पार्टी के शिवपुरी जिले की विधानसभा सीट से विधायक प्रीतम लोधी को पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल नें नोटिस जारी करते हुए तीन दिन में जवाब मांगा है। भाजपा ने प्रीतम लोधी को यह नोटिस करैरा के एसडीओपी को धमकाने के मामले में दिया है।

दरअसल पिछले दिनों प्रीतम ने उनके बेटे दिनेश लोधी द्वारा अपनी कार से पांच लोगों को टक्कर मारने के मामलें में पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई पर नाराजगी जाहिर करते हुए कही है। प्रीतम ने कहा था। कि वह एसडीओपी के बंगले में दस हजार लोग भेज कर उनके बंगले को गोबर से भर देंगे। इसके बाद प्रीतम के बयान पर नाराजगी प्रकट करते हुए आईपीएस एसोसिएशन ने आपत्ति दर्ज कराई थी और सरकार से इस मामले में उचित कार्रवाई की मांग भी की थी। जिसके बाद बुधवार को पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने प्रीतम को नोटिस देते हुए कहा है कि पिछले दिनों आपके द्वारा जो आचरण किया गया वह अत्यंत आपत्तिजनक है आपके द्वारा किए गए आचरण पार्टी अनुशासन के अनुरूप नहीं है। अतं 3 दिन के अंदर अपना स्पष्टीकरण देवे नही तो आपके विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी।

आज होगा सीएसके और मुम्बई इंडियंस में मुकाबला

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग के इस 19 वे सत्र में दो पूर्व चैम्पियनों चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और मुम्बई इंडियंस के बीच गुरुवार को यहां के वानखेड़े स्टेडियम में मुकाबला होगा। इस सत्र में इन दोनो ही टीमों का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। ऐसे में दोनो का ही लक्ष्य ये मैच जीतना रहेगा। मुम्बई की टीम अपने घरेलू मैदान पर उतरेगी। ऐसे में उसे प्रबल दावेदार माना जा रहा है। इस सत्र में दोनो ही टीमों ने अब तक छह में से केवल दो-दो मुकाबले ही जीते है। मुंबई इंडियंस को तीन मैचों में उन्हें लगातार हार का सामना करना पड़ा है हालांकि गुजरात टाइटंस के खिलाफ पिछले मैच में तिलक वर्मा के शानदार शतक से उसे जीत मिली थी जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। इससे टीम अंक तालिका में 7वें स्थान पर है। वहीं सीएसके 8वें स्थान पर है। मुम्बई की बल्लेबाजी तिलक के अलावा सूर्यकुमार यादव और कप्तान हार्दिक पंड्या पर आधारित रहेगी। सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा फिट नहीं होने के कारण इस मैच में भी नहीं खेलेंगे जिससे भी टीम को झटका लगा है। टीम की गेंदबाजी भी इसबार प्रभावी नहीं रही है। मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी इस बार असफल रहे हैं, इससे भी टीम की चिन्ताएं बढ़ी हैं। वहीं सीएसक की बात करें तो उसकी बल्लेबाजी ओर गेंदबाजी भी अच्छी नहीं रही है हालांकि इस मैच में अनुभवी पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी की वापसी की संभावनाओं को लेकर टीम में उत्साह है। कप्तान रुतुराज गायकवाड़ के खराब फार्म से टीम की परेशानी बढ़ी है। अब तक उसकी ओर से केवल संजू सैमसान ने दो अर्धशतक लगा पाये हैं। ऐसे में उनसे इस मैच में भी अच्छी बल्लेबाजी की उम्मीद रहेगी। गेंदबाजी की कमान अंशुल कंबोज के पास रहेगी। कंबोल ने इस सत्र में सबसे अधिक 13 विकेट लेकर पर्पल कैप की दौड़ में शीर्ष स्थान हासिल किया है। ऐसे में मुम्बई के बल्लेबाजों को उनसे सावधान रहना होगा। दोनो टीमों के आंकड़ों पर नजर डालें तो इनमें कुल 39 मुकाबले हुए हैं जिसमें से मुम्बई ने 21 मैच जीते हैं, जबकि सीएसके ने 18 जीते हैं। इस प्रकार देखा जाये तो मुकाबला करीबी रहा है। मुम्बई की पिच बल्लेबाजों के लिए अनुकूल है, ऐसे में यहां बड़े स्कोर बनना तय है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार है :-

चेन्नई सुपर किंग्स- रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), संजू सैमसन (विकेटकीपर), उर्विल पटेल, डेवाल्ड ब्रेविस, सरफराज खान, शिवम दुबे, एमएस धोनी, जेमी ओवरटन, अकील होसेन, अंशुल कंबोज, नूर अहमद।

इम्पैक्ट प्लेयर- गुरजापनीत सिंह

मुंबई इंडियंस- हार्दिक पंड्या (कप्तान), दानिश मालेवार, क्विंटन डी कॉक (विकेटकीपर), नमन धीर, सूर्यकुमार यादव,तिलक वर्मा, शेरफेन रदरफोर्ड, मिशेल सेंटनर, कृष भगत, जसप्रीत बुमराह, एएम गजनफर।

इम्पैक्ट प्लेयर- अश्वनी कुमार

अफगानिस्तानी के पूर्व क्रिकेटर शापूर जादरान आईसीयू में हैं भर्ती

नई दिल्ली। अफगानिस्तान के पूर्व क्रिकेटर शापूर जादरान आजकल दिल्ली के एक अस्पताल में गंभीर हालत में भर्ती हैं। जादरान के एक दुर्लभ और जानलेवा बीमारी से ग्रस्त हैं जिसके कारण उनकी आवाज भी चली गई है। वह इस समय एक अस्पताल की गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में भर्ती हैं, जहाँ उनका इम्यून सिस्टम से जुड़ी 'हीमोफैगोसाइटिक लिम्फोहिस्टियोसाइटोसिस' (एचएलएल) नामक गंभीर बीमारी का इलाज चल रहा है।

एक रिपोर्ट के अनुसार, जादरान को इसी साल जनवरी में दिल्ली के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनके भाई घमई जादरान ने बताया कि शापूर एचएलएच के एक एडवांस्ड स्टेज से जूझ रहे हैं। घमई ने कहा यह बहुत गंभीर संक्रमण था। उनका पूरा शरीर संक्रमण से भरा हुआ था, जिसमें टीबी (ट्यूबरकुलोसिस) भी शामिल था। यह उनके दिमाग में भी फैल गया था, जिसका पता एमआरआई और सीटी स्कैन के बाद चला।

गौरतलब है कि एचएलएच इम्यून रेगुलेशन का एक दुर्लभ और जानलेवा डिसऑर्डर है, जिसमें मृत्यु दर काफी अधिक होती है। 38 वर्षीय शापूर जादरान की यह स्थिति उन्हें अक्टूबर में पहली बार अफगानिस्तान में महसूस हुई थी, जिसके बाद उन्हें आगे के इलाज के लिए भारत भेजा गया। वह अपनी पत्नी और अफगानिस्तान के पूर्व कप्तान असगर अफगान के साथ भारत पहुंचे थे। शुरुआती उपचार के बाद उन्हें कुछ समय के लिए अस्पताल से छुट्टी दे दी गई थी, और वे पास के एक होटल में चले गए। घमई ने बताया, डॉक्टर ने कहा था कि हम बार-बार चेकअप के लिए आ सकते हैं। उसे लगभग 20 दिनों तक अच्छा महसूस हो रहा था, फिर उसे दोबारा संक्रमण हो गया। फिर हमने उसे फिर से अस्पताल में भर्ती करा दिया। इस दोबारा भर्ती के बाद से ही शापूर आईसीयू में हैं।शापूर जादरान ने एक दशक से भी अधिक समय तक अफगानिस्तान के लिए क्रिकेट खेली है। 2009 में अंतरराष्ट्रीय डेब्यू करने के बाद, वह 2020 तक सक्रिय रहे। अपने करियर में उन्होंने 43 वनडे इंटरनेशनल और 37 टी20 इंटरनेशनल मैच खेले हैं।

अफगानिस्तानी के पूर्व क्रिकेटर शापूर जादरान आईसीयू में हैं भर्ती

नई दिल्ली। अफगानिस्तान के पूर्व क्रिकेटर शापूर जादरान आजकल दिल्ली के एक अस्पताल में गंभीर हालत में भर्ती हैं। जादरान के एक दुर्लभ और जानलेवा बीमारी से ग्रस्त हैं जिसके कारण उनकी आवाज भी चली गई है। वह इस समय एक अस्पताल की गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में भर्ती हैं, जहाँ उनका इम्यून सिस्टम से जुड़ी 'हीमोफैगोसाइटिक लिम्फोहिस्टियोसाइटोसिस' (एचएलएल) नामक गंभीर बीमारी का इलाज चल रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार, जादरान को इसी साल जनवरी में दिल्ली के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनके भाई घमई जादरान ने बताया कि शापूर एचएलएच के एक एडवांस्ड स्टेज से जूझ रहे हैं। घमई ने कहा यह बहुत गंभीर संक्रमण था। उनका पूरा शरीर संक्रमण से भरा हुआ था, जिसमें टीबी (ट्यूबरकुलोसिस) भी शामिल था। यह उनके दिमाग में भी फैल गया था, जिसका पता एमआरआई और सीटी स्कैन के बाद चला। गौरतलब है कि एचएलएच इम्यून रेगुलेशन का एक दुर्लभ और जानलेवा डिसऑर्डर है, जिसमें मृत्यु दर काफी अधिक होती है। 38 वर्षीय शापूर जादरान की यह स्थिति उन्हें अक्टूबर में पहली बार अफगानिस्तान में महसूस हुई थी, जिसके बाद उन्हें आगे के इलाज के लिए भारत भेजा गया। वह अपनी पत्नी और अफगानिस्तान के पूर्व कप्तान असगर अफगान के साथ भारत पहुंचे थे। शुरुआती उपचार के बाद उन्हें कुछ समय के लिए अस्पताल से छुट्टी दे दी गई थी, और वे पास के एक होटल में चले गए। घमई ने बताया, डॉक्टर ने कहा था कि हम बार-बार चेकअप के लिए आ सकते हैं। उसे लगभग 20 दिनों तक अच्छा महसूस हो रहा था, फिर उसे दोबारा संक्रमण हो गया। फिर हमने उसे फिर से अस्पताल में भर्ती करा दिया। इस दोबारा भर्ती के बाद से ही शापूर आईसीयू में हैं।शापूर जादरान ने एक दशक से भी अधिक समय तक अफगानिस्तान के लिए क्रिकेट खेली है। 2009 में अंतरराष्ट्रीय डेब्यू करने के बाद, वह 2020 तक सक्रिय रहे। अपने करियर में उन्होंने 43 वनडे इंटरनेशनल और 37 टी20 इंटरनेशनल मैच खेले हैं।

डिविलियर्स ने किया था ताजमहल के सामने प्रपोज

जोहांसबर्ग। दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान एबी एबी डिविलियर्स अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के कारण क्रिकेट जगत में छाये रहे हैं। मैदान पर चारों ओर शॉट खेलने के कारण वह मिस्टर 360 के नाम से भी लोकप्रिय रहे हैं। डिविलियर्स ने 2018 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से ये कहते हुए संन्यास ले लिया था कि उन्हें अपने परिवार के साथ समय बिताना है। उन्होंने अपने 14 साल के शानदार करियर में सबसे तेज शतक सहित कई रिकार्ड अपने नाम किये हैं। खेल के साथ ही मैदान के बाहर भी अपने अफेयर और शादी के लिए वह चर्चाओं में रहे हैं। इस दौरान भारत से भी उनका जुड़ाव इस कारण रहा कि उन्होंने शादी के लिए आगरा के ताजमहल के सामने प्रपोज किया था। डिविलियर्स की पत्नी डेनियल डिविलियर्स भी एक सफल उद्यमी और सामाजिक कार्यकर्ता रही हैं। वह प्रिटोरिया में एक इंडोर प्लेग्राउंड और कैफे चलाती हैं। डेनियल अक्सर चैरिटी के कामों में सक्रिय रहती हैं; आईपीएल 2016 के दौरान उन्होंने बच्चों के लिए धन जुटाने के उद्देश्य से सेन वॉटसन के साथ एक गाना भी गाया था, जिससे पता चलता है कि वह सामाजिक जिम्मेदारियों को भी निभाती हैं।

डिविलियर्स और डेनियल का अफेयर साल 2007 में हुई, जब डिविलियर्स डेनियल के माता-पिता के होटल में दोपहर के भोजन के लिए गए थे। यहीं पहली बार डिविलियर्स ने डेनियल को देखा और प्रभावित हो गये। कुछ साल बाद, डिविलियर्स के भाई की शादी में दोनों को फिर मुलाकात हुई। इस बार डेनियल की सुरीली आवाज से डिविलियर्स मुग्ध हो गये। इसके बाद दोनों के बीच दोस्ती बढ़ी और धीरे-धीरे प्यार हुआ। पांच साल तक डेटिंग के बाद इस क्रिकेटर ने डेनियल को प्रपोज कर दिया।

डिविलियर्स ने साल 2012 में भारत दौरे के समय आगरा के ताजमहल के सामने घुटनों पर बैठकर डेनियल को शादी के लिए प्रपोज किया था। इस यादगार प्रस्ताव के ठीक एक साल बाद, 30 मार्च 2013 को, दोनों ने उसी होटल में शादी की, जहां उनकी पहली मुलाकात हुई थी। आज इन दोनों के तीन बच्चे अब्राहम डिविलियर्स, जॉन रिचर्ड डिविलियर्स और बेटी येंटे डिविलियर्स हैं। ये जोड़ सुखी जीवन जीत रहा है।

ऑरेंज और पर्पल कैप की रेस में अभिषेक शर्मा और इशान मलिंगा ने लगायी छलांग

मुम्बई । सनराइजर्स हैदराबाद और दिल्ली कैपिटल्स के बीच हुए मैच के बाद आईपीएल में ऑरेंज कैप और पर्पल कैप की रेस में बदलाव आया है। इस मैच में शतक लगाने के साथ ही सनराइजर्स के अभिषेक शर्मा 323 रनों के साथ ही ऑरेंज कैप की दौड़ में नंबर एक स्थान पर पहुंच गये हैं। वहीं सनराइजर्स के ही हेनरिक क्लासेन 320 रनों के साथ ही दूसरे और गुजरात टाइटंस के शुभमन गिल 265 रनों के साथ ही तीसरे नंबर पर हैं। आरसीबी के विराट कोहली 247 और राजस्थान रॉयल्य के वैभव सूर्यवंशी 246 रनों के साथ ही चौथे और पांचवें नंबर पर हैं।

सनराइजर्स के कप्तान ईशान किशन सात मैचों में 238 रनों के साथ छठे स्थान पर हैं। उनका औसत 34.00 का है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के कप्तान रजत पाटीदार सातवें पायदान पर खिसक गए हैं। उन्होंने छह मैचों में 46.00 के औसत से 230 रन जोड़े हैं।

ऑरेंज कैप सूची

खिलाड़ी	रन	मैच	रन टीम
अभिषेक शर्मा	7	323	सनराइजर्स हैदराबाद
हेनरिक क्लासेन	7	320	सनराइजर्स हैदराबाद
शुभमन गिल	5	265	गुजरात टाइटंस
विराट कोहली	6	247	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु
वैभव सूर्यवंशी	6	246	राजस्थान रॉयल्स
ईशान किशन	7	238	सनराइजर्स हैदराबाद
रजत पाटीदार	6	230	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु
कूपर कोनोली	6	223	पंजाब किंग्स
यशस्वी जायसवाल	6	223	राजस्थान रॉयल्स
प्रियांश आर्य	5	211	पंजाब किंग्स

आईपीएल 2026 की पर्पल कैप सूची में बड़ा बदलाव हुआ है। पर्पल कैप की शीर्ष 5 सूची में सनराइजर्स हैदराबाद के तेज गेंदबाज इशान मलिंगा आठ स्थानों की छलांग लगाकर दूसरे स्थान पर आ गये हैं। उनके नाम 7 मैचों में कुल 12 विकेट दर्ज हैं। वहीं 6 मैचों में 13 विकेट लेकर सीएसके के अंशुल कंबोज पहले नंबर पर कायम हैं। वहीं गुजरात टाइटंस के प्रसिद्ध कृष्णा तीसरे स्थान पर हैं। उनके 6 मैचों में 12 अंक हैं। लखनऊ सुपरजायंटस के प्रिंस यादव 11 व आरसीबी के भुवनेश्वर कुमार 10 विकेट लेकर चौथे व पांचवे नंबर पर हैं।

आईपीएल 2026 पर्पल कैप सूची

खिलाड़ी	टीम	मैच	पारियां	ओवर	विकेट	सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन	4 विकेट
अंशुल कम्बोज	चेन्नई सुपर किंग्स	6	6	21.4	13	3/22	0
इशान मलिंगा	सनराइजर्स हैदराबाद	7	7	23.0	12	4/32	1
प्रसिद्ध कृष्णा	गुजरात टाइटन्स	6	6	24.0	12	4/28	1
प्रिंस यादव	लखनऊ सुपर जायंट्स	6	6	22.0	11	3/32	0
भुवनेश्वर कुमार	रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर	6	6	24.0	10	3/26	0
रवि बिश्नोई	राजस्थान रॉयल्स	6	6	20.0	10	4/41	1
कगिसो रबाडा	गुजरात टाइटन्स	6	6	23.0	10	3/29	0
हर्षल दुबे	सनराइजर्स हैदराबाद	6	6	17.0	8	3/12	0
जोफ्रा आर्चर	राजस्थान रॉयल्स	6	6	21.0	8	2/19	0
क्रुणाल पांड्या	रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर	6	6	21.0	8	2/30	0
कार्तिक त्यागी	कोलकाता नाइट राइडर्स	7	6	23.0	8	3/22	0
जेमी ओवरटन	चेन्नई सुपर किंग्स	5	5	15.0	8	4/18	1
लुंगी नगिडी	दिल्ली कैपिटल्स	6	6	23.4	7	3/27	0
वैभव अरोड़ा	कोलकाता नाइट राइडर्स	7	6	24.0	7	2/38	0
सुनील नारायण	कोलकाता नाइट राइडर्स	6	6	23.0	6	2/26	

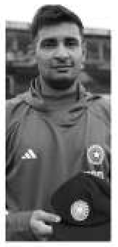

सनराइजर्स से मिली हार पर अक्षर बोले, ऐसी बल्लेबाजी के सामने कोई क्या कर सकता है

हैदराबाद । दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल ने कहा है कि सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले में हमारी हार का कारण अभिषेक शर्मा का शतक रहा। अक्षर ने कहा कि इस मैच में जिस प्रकार से अभिषेक ने आक्रामक पारी खेली उससे मैच हमारे हाथ से फिसल गया। साथ ही कहा कि अगर कोई ऐसी विस्फोटक बल्लेबाजी करे तो विरोधी कप्तान भी कुछ नहीं कर सकता है। इस मैच में कैपिटल्स को सनराइजर्स के हाथों 47 रनों से हार का सामना करना पड़ा है। मैच के दौरान अभिषेक के सामने कैपिटल्स के गेंदबाजों असहाय नजर आये। अभिषेक ने 68 गेंदों में नाबाद 135 रन बनाये।

अक्षर ने कहा, इस मैच में हमें रनआउट और कैच लेकर अभिषेक को आउट करने के मौके मिले थे पर हम उनका लाभ नहीं उठा पाये। वहीं अगर हम सफल रहते तो सनराइजर्स को कम स्कोर पर समेट सकते थे। हालांकि इससे बाद भी जिस प्रकार से अभिषेक और हेनरिक क्लासेन ने बल्लेबाजी की उसके लिए हमें इन्हें जीत का श्रेय देना ही होगा। हमारी टीम ने अपनी ओर से पूरे प्रयास किये इसके बाद भी इन्हें रोक नहीं पाये। साथ ही कहा कि जब कोई बल्लेबाज इस तरह बल्लेबाजी करता है, तो कोच और कप्तान को यह मानना होता है कि वह भी किसी को रोक नहीं सकता।

कैपिटल्स के कप्तान ने साथ ही कहा, मैंने गेंदबाजों से भी यही कहा कि अगर तुमने अपनी ओर से अच्छी गेंदबाजी की और इसके बाद भी शॉट जाता है तो तुम कुछ नहीं कर सकते हो।

खतरनाक पिच के कारण रद्द हुआ मैच, सील्स नहीं बना पाये रिकार्ड

जमैका। वेस्टइंडीज में पारी प्रथम श्रेणी क्रिकेट लीग में त्रिनिदाद एंड टोबैगो के युवा तेज गेंदबाज जेडन सील्स के पास 10 विकेट लेने का अवसर था पर वह ये उपलब्धि हासिल नहीं कर पाये। सील्स लीवार्ड आइलैंड की पूरी टीम को अकेले ऑलआउट करने जा रहे थे पर इस मैच को बीच में ही रोकने के बाद रद्द कर दिया गया। इससे सील्स एक ऐतिहासिक रिकार्ड बनाने से रह गया। मैच रद्द होने का कारण पिच का खतरनाक और अप्रत्याशित व्यवहार था, जिसने खिलाड़ियों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए।

यह वाकया लीवार्ड आइलैंड और त्रिनिदाद एंड टोबैगो के बीच खेला जा रहा था। इसमें लीवार्ड आइलैंड ने अपनी पहली पारी में 131 रन बनाए थे, जिसके जवाब में त्रिनिदाद एंड टोबैगो ने 175 रन बनाकर बढ़त हासिल की। जब लीवार्ड आइलैंड दूसरी पारी में बल्लेबाजी के लिए उतरी, तो पिच काफी अजीब व्यवहार कर रही थी। गेंद कभी बेहद नीची रहती, तो कभी असामान्य उछाल लेती, जिससे बल्लेबाजों के लिए खेलना बेहद कठिन हो गया था। इस चुनौतीपूर्ण माहौल में, त्रिनिदाद एंड टोबैगो के पेसर जेडन सील्स ने कहर बरपाना शुरू कर दिया। पहली पारी में तीन विकेट लेने वाले सील्स ने दूसरी पारी में अपनी रफ्तार और सटीकता से विरोधी टीम के शुरुआती सात बल्लेबाजों को पवेलियन भेज दिया था। वे अकेले ही पूरी पूरी टीम को आउट करने की ओर बढ़ रहे थे तभी खेल को अचानक रोक दिया गया। मैच के बीच में रुकने का तात्कालिक कारण एक शॉर्ट पिच गेंद थी, जो लीवार्ड आइलैंड के बल्लेबाज जेरेमिया लुईस के हेलमेट पर जा लगी। गेंद की अप्रत्याशित उछाल ने लुईस को गंभीर रूप से हैरान किया। उन्होंने हेलमेट उतारा और मैदान पर ही गिर गए। इसके बाद उन्होंने निराशा में अपने हेलमेट को पैर से भी मारा, जो पिच की खतरनाक प्रकृति को स्पष्ट रूप से दिखाता था। इससे पहले भी पूरे दिन पिच पर असामान्य उछाल देखने को मिल रहा था, जिसे क्रिकेट में खतरनाक पिच की श्रेणी में रखा गया। ऐसी पिच पर खिलाड़ियों के गंभीर रूप से चोटिल होने का खतरा बहुत अधिक होता है। इस स्थिति की गंभीरता को देखते हुए, मैच के तीसरे दिन ही खेल को रोकने के बाद रद्द कर दिया गया। इस फैसले से सील्स फर्स्ट क्लास क्रिकेट में पूरी टीम के दस विकेट लेने का रिकार्ड अपने नाम नहीं कर पाये।

अब तक खेलने का अवसर नहीं मिलने से निराश नहीं हैं होल्डर

मुम्बई । आईपीएल में गुजरात टाइटंस टीम में शामिल वेस्टइंडीज के अनुभवी ऑलराउंडर जेसन होल्डर ने कहा है कि अब तक अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिलने से निराश नहीं हैं। होल्डर ने कहा है कि वह अपनी ओर से पूरी तरह तैयार हैं और जो भी अवसर मिलेगा उसमें बेहतर प्रदर्शन का प्रयास करेंगे। होल्डर के अनुसार उनका मुख्य काम केवल अपने को तैयार रखना है। अंतिम ग्यारह में किसे अवसर मिलता है ये उसका काम नहीं है।

वहीं होल्डर को अब तक अवसर नहीं मिलने से सभी हैरान हैं। इस सत्र में वह अब तक एक भी मैच नहीं खेल पाये हैं। इस क्रिकेटर ने कहा , कब खेलना है, कौन खेलेगा इन बातों में वह नहीं पड़ते। उन्होंने जोर देकर कहा कि टीम की जरूरतें उनके लिए सबसे ऊपर हैं और वह किसी भी भूमिका के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। चाहे वह बल्लेबाजी क्रम में कोई भी स्थान हो या गेंदबाजी में , होल्डर का कहना है कि अब उनका ध्यान हालातों के अनुसार अपेन को ढालने पर है। टीम जहाँ भी उन्हें इस्तेमाल करेगी, वही उनके लिए सही भूमिका होगी।

कप्तान के तौर पर धोनी और रोहित को टक्कर देते नजर आ रहे श्रेयस

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में कप्तानी के आंकड़ों की बात करें तो चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी और मुम्बई इंडियंस के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा का रिकार्ड सबसे बेहतर माना जाता है। इन दोनों दिग्गजों ने अपनी-अपनी टीमों को पांच-पांच बार खिताब जिताया है। वहीं अब पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर इन दोनो ही दिग्गजों को टक्कर देते हुए नजर आ रहे हैं। श्रेयस ने अपनी कप्तानी में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को जीत दिलायी थी जबकि पिछली बार उनकी कप्तानी में पंजाब उपविजेता रही थी।

हाल के आंकड़ों को देखें तो अय्यर कप्तानी के मामले में तेजी से आगे आये हैं। उन्होंने अब तक कुल 93 आईपीएल मैचों में कप्तानी की है, जिसमें उनकी टीम ने 55 मुकाबलों में जीत हासिल की है, जबकि उसे केवल 35 में ही हार मिली है। इस प्रकार उनका जीत का प्रतिशत 59.13 है, जो उन्हें आईपीएल इतिहास के सबसे सफल कप्तानों की सूची में शीर्ष स्ता पर पहुंचा रहा है। उन्होंने केकेआर और पंजाब के अलावा दिल्ली कैपिटल्स की भी कप्तानी की है।

धोनी ने चेन्नई सुपर किंग्स को जबकि रोहित शर्मा ने मुंबई इंडियंस को चैम्पियन बनाया पर जीत के प्रतिशत के मामले में श्रेयस इन दोनों के करीब पहुंच गये हैं। धोनी और रोहित ने जहां कई साल तक कप्तानी वहीं अय्यर कम समय में ही तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।

श्रेयस एक एक परिपक्व कप्तान नजर आते है। जिस प्रकार उन्होंने साल 2024 में केकेआर की युवा टीम को एकजुट कर विजेता बनाया था उससे पता चलता है कि वह रणनीत बनाने में भी माहिर हैं। जिस प्रकार से वह आगे बढ़ रहे है उससे तय है कि आने वाले समय में वह काफी आगे निकल जाएंगे।

ला लीगा फुटबॉल में रियल मैड्रिड, बेटिस और एथलेटिक ने अपने-अपने मुकाबले जीते

मैड्रिड। यहां जारी स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लीगा में रियल मैड्रिड, रियल बेटिस और एथलेटिक क्लब ने जीत के साथ ही खिताबी मुकाबले के लिए अपने-अपने कदम बढ़ाये हैं। रियल मैड्रिड ने जहां अलावेस को 2-1 से हराकर, वहीं रियल बेटिस ने गिरोना को 3-2 से और एथलेटिक क्लब ने ओसासुना को 1-0 से हराया। अब रियल मैड्रिड और नंबर पर चल रही बार्सिलोना के बीच अंतर कम होकर 6 अंक ही रह गया है। इससे खिताबी दौड़ और कड़े होने के संकेत मिले हैं। अब बार्सिलोना का सामना सेल्टा विगो से होगा और एटलेटिको मैड्रिड एल्चे का सामना करेगा।

मैड्रिड की टीम ने मैच की शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। खेल के 29वें मिनट में ही स्टार खिलाड़ी किलियन एम्बाप्पे ने एक गोल दागकर टी को 1-0 से बढ़त दिलाई। दूसरे हाफ में भी मैड्रिड हावी रही और विनिसियस जूनियर ने एक गोल कर टीम की बढ़त को 2-0 कर दिया। अलावेस के लिए टोनी मार्टिनेज ने इंजरी टाइम में एक गोल जरूर किया पर तब तक काफी देर हो गयी थी। वहीं एक अन्य मुकाबले में, रियल बेटिस ने गिरोना को 3-2 से हराकर सात मैचों के बाद पहली जीत दर्ज की। इस मैच में शुरुआती गोल गिरोना के विक्टर त्सिगांकोव ने किया पर बेटिस की ओर से मार्क रोका और अब्दे एज्जालजौली ने गोल दागकर अपनी टीम को जीत दिला दी।

एसबीआई रिपोर्ट से खुलासा, कर्ज में डूबे राज्यों की वजह से धीमी पड़ी विकास की रफ्तार

पश्चिम बंगाल ने 2024-25 में 96.7 और मध्य प्रदेश ने 94.3 फीसदी का उपयोग किया

नई दिल्ली। देश के विकास की रफ्तार को लेकर एक तस्वीर सामने आई है। एसबीआई रिसर्च की ताजा रिपोर्ट कहती है कि केंद्र सरकार लगातार राज्यों को पैसा दे रही है, लेकिन कई राज्य उस पैसे का फायदा नहीं उठा पा रहे। हालात ऐसे हैं कि अगर राज्य खुद आगे बढ़कर खर्च नहीं बढ़ाते, तो विकास की रफ्तार अधूरी ही रह जाएगी। रिपोर्ट से पता चलता है कि सिर्फ केंद्र की मदद से काम नहीं चलेगा, राज्यों को भी जेब ढीली करनी होगी, तभी असली विकास दिखेगा।

बता दें पिछले 5 साल में केंद्र सरकार ने एसएएससीआई योजना के तहत राज्यों को करीब 4.5 लाख करोड़ रुपए दिए। इससे राज्यों का पूंजीगत खर्च जरूर बढ़ा और अर्थव्यवस्था को सहारा मिला, लेकिन अब तस्वीर बदल रही है। पहले जहां सभी राज्य इस फंड का पूरा इस्तेमाल कर रहे थे, वहीं अब कई राज्यों के बीच फर्क नजर आने लगा है। कहीं पैसा सही से लग रहा है, तो कहीं काम अटक रहा है।

रिपोर्ट के अनुसार, 2023-24 और 2024-25 के आंकड़ों में कई राज्यों के बीच एसएएससीआई उपयोग दर में बड़ा अंतर साफ दिखाई देता है। कुछ राज्य अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, जबकि कई अन्य पीछे छूट गए हैं। उदाहरण के लिए, पंजाब ने 2023-24 में केवल 6.5फीसदी का उपयोग किया, जबकि मणिपुर की दर 35.7फीसदी और त्रिपुरा की 73.8फीसदी रही। वहीं, पश्चिम बंगाल ने 2024-25 में 96.7फीसदी और मध्य प्रदेश ने 94.3फीसदी का उपयोग कर बेहतर प्रदर्शन किया है।

रिपोर्ट में इस बात पर खास जोर दिया गया है कि जिन राज्यों पर कर्ज का बोझ ज्यादा है, वहां विकास से जुड़ा खर्च करना मुश्किल है। इन राज्यों की कमाई का बड़ा हिस्सा पहले से लिए गए कर्ज का ब्याज चुकाने और पुराने खर्चों को संभालने में ही निकल जाता है। ऐसे में उनके पास नए प्रोजेक्ट्स, सड़क, पुल, इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे कामों पर खर्च करने के लिए ज्यादा पैसा बचता ही नहीं। पंजाब, केरल और तेलंगाना जैसे राज्यों का उदाहरण देते हुए रिपोर्ट में बताया गया है कि इन राज्यों का कर्ज जीडीपी के मुकाबले काफी ज्यादा है। इसका सीधा असर यह होता है कि सरकार को अपने बजट का बड़ा हिस्सा वेतन, सब्सिडी, पेंशन और ब्याज चुकाने में लगाना पड़ता है।

इसे ही राजस्व खर्च कहा जाता है। जब राजस्व खर्च बढ़ जाता है, तो पूंजीगत खर्च यानी कैपेक्स के लिए जगह कम बचती है। इसका दूसरा असर यह है कि ऐसे राज्य केंद्र से मिलने वाली एसएएससीआई जैसी योजनाओं का पैसा भी पूरी तरह इस्तेमाल नहीं कर पाते। क्योंकि सिर्फ पैसा मिलना ही काफी नहीं होता, उसे जमीन पर प्रोजेक्ट में बदलने के लिए प्रशासनिक क्षमता और अतिरिक्त फंड भी चाहिए होता है। कर्ज में दबे राज्यों के पास यह क्षमता कमजोर पड़ जाती है।

एक दिलचस्प बात यह भी सामने आई है कि जिन राज्यों में युवा आबादी ज्यादा है, वहां इस योजना का इस्तेमाल बेहतर हुआ है। वहीं जिन राज्यों में बुजुर्ग आबादी ज्यादा है, वहां खर्च कम दिखा। हालांकि हर राज्य की अपनी स्थिति भी मायने रखती है, इसलिए एक ही कैटेगरी में भी फर्क देखने को मिलता है।

रिपोर्ट में एक और बात सामने आई है! कई राज्य अब लोगों को सीधे पैसा देने वाली योजनाओं पर तेजी से खर्च बढ़ा रहे हैं। झारखंड, कर्नाटक और पश्चिम बंगाल जैसे राज्य इसमें सबसे आगे हैं। यानी सरकारें लोगों के खाते में सीधे पैसे डाल रही हैं या ऐसी स्कीम चला रही हैं जिनका सीधा फायदा जनता को मिलता है। लेकिन यहां एक बड़ी दिक्कत भी है। जब सरकार का ज्यादा पैसा इन योजनाओं में चला जाता है, तो विकास के कामों के लिए फंड कम पड़ने लगता है। सड़क, पुल, बिजली, इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स के लिए जो पैसा लगना चाहिए, वह धीरे-धीरे कम हो जाता है।

केजरीवाल केस में नया मोड़- दिल्ली हाईकोर्ट के जस्टिस तेजस कारिया सुनवाई से अलग

-अदालत की अवमानना वाली याचिका पर टली सुनवाई

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के प्रमुख और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से जुड़े एक मामले में बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। दिल्ली हाईकोर्ट के जस्टिस तेजस कारिया ने अदालत की अवमानना से संबंधित याचिका की सुनवाई से खुद को अलग कर लिया है। इस फैसले के चलते मामले की सुनवाई फिलहाल टल गई है। यह मामला अदालत की कार्यवाही का वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड किए जाने से जुड़ा है, जिस पर अवमानना की कार्रवाई की मांग की गई थी। बुधवार को यह मामला चीफ जस्टिस देवेंद्र कुमार उपाध्याय और जस्टिस तेजस कारिया की पीठ के समक्ष सूचीबद्ध था। हालांकि, जस्टिस कारिया के स्वयं को अलग करने के बाद अब इस मामले की सुनवाई गुरुवार को एक नई बेंच द्वारा की जाएगी।

इस बीच, अरविंद केजरीवाल को हाल ही में एक अन्य मामले में झटका भी लगा था। सोमवार को दिल्ली हाईकोर्ट की जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने आबकारी नीति से जुड़े मामले की सुनवाई से खुद को अलग करने से इनकार कर दिया था और केजरीवाल व अन्य की याचिका खारिज कर दी थी। करीब एक घंटे से अधिक चली सुनवाई के दौरान जस्टिस शर्मा ने स्पष्ट टिप्पणी करते हुए कहा कि किसी भी पक्षकार को बिना ठोस सबूत के जज पर सवाल उठाने की अनुमति नहीं दी जा सकती। उन्होंने कहा कि न्यायाधीश किसी पक्ष के निराधार आशंकाओं के आधार पर खुद को मामले से अलग नहीं कर सकते। जस्टिस शर्मा ने यह भी कहा कि किसी राजनीतिक व्यक्ति को बिना आधार के न्यायपालिका जैसी संस्था को नुकसान पहुंचाने की अनुमति नहीं दी जा सकती। उनके अनुसार, किसी जज पर व्यक्तिगत टिप्पणी करना न्यायपालिका पर हमला करने के समान है। उन्होंने अपने आदेश में कहा कि याचिका में लगाए गए आरोप महज अनुमानों और कथित पूर्वाग्रह पर आधारित हैं, जिनका कोई ठोस आधार नहीं है। अंत में उन्होंने स्पष्ट किया कि वह इस मामले से अलग नहीं होंगी और न्यायपालिका की गरिमा बनाए रखेंगी।

टैक्स मामलों में 'न्यायिक अराजकता' रोकने के लिए केंद्र बनाए एक समान नीति बॉम्बे हाईकोर्ट

मुंबई। बॉम्बे हाई कोर्ट ने टैक्स से जुड़े मामलों में अलग-अलग उच्च न्यायालयों में हो रही अलग-अलग व्याख्याओं पर चिंता जताते हुए केंद्र सरकार से एक समान नीति (यूनिफार्म पॉलिसी) बनाने की जरूरत बताई है। अदालत ने कहा कि इससे "न्यायिक अराजकता" को रोका जा सकेगा। न्यायाधीश गिरीश कुलकर्णी और न्यायाधीश आरती साठे की खंडपीठ ने यह टिप्पणी करते हुए चीनी (शुगर) निर्यातकों को 2021 की निर्यात उत्पादों पर शुल्कों और करों की छूट (आरओडीटीईपी) योजना के तहत रिफंड और लाभ देने का आदेश दिया। अदालत ने 1953 के एक ऐतिहासिक फैसले का हवाला देते हुए कहा कि तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश एम. सी. छागला ने भी केंद्रीय कानूनों की व्याख्या में एकरूपता की जरूरत बताई थी। कोर्ट ने कहा कि आज के समय में, जब एक ही मुद्दे पर अलग-अलग हाईकोर्ट में कई मामले लंबित हैं, यह सिद्धांत और भी महत्वपूर्ण हो गया है।

सबरीमाला मंदिर मामले की सुनवाई कर सुप्रीम कोर्ट ने कहा, हिंदू समाज को एकजुट होना चाहिए

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को सबरीमाला मंदिर में महिलाओं की एंट्री और धार्मिक भेदभाव से जुड़े मामले में सुनवाई हुई। जस्टिस बीवी नागरत्ना ने कहा, हिंदू समाज को एकजुट होना चाहिए। दो संप्रदायों में बांटना नहीं चाहिए। वे हमारे मंदिर नहीं आ सकते, हम उनके मंदिर में नहीं जा सकते। यह सोच सही नहीं है। अगर कोई संप्रदाय अपने मंदिर को दूसरों के लिए नहीं खोलता, तब वहां कमजोर हो जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने यह बात त्रावणकोर देवस्वम बोर्ड के वकील राकेश द्विवेदी की उस बात पर कही, जिसमें कहा गया था कि जहां एक संप्रदाय को दूसरे संप्रदाय के मंदिर में पूजा करने से रोका जा रहा है, जबकि वे वहां जाते भी नहीं। यदि वे जाना चाहें, तब क्या इस काम को सामाजिक सुधार के तहत सही ठहराया जा सकता है। अगर राज्य चाहे कि अन्य संप्रदायों के लोगों को भी अनुमति दी जाए, तब यह सुधार के रूप में कानून बना सकता है। सुप्रीम कोर्ट में 9 जजों की संवैधानिक बेंच सबरीमाला मंदिर में महिलाओं की एंट्री से जुड़े मामले पर सुनवाई कर रही है।

देश के नाम संबोधन राष्ट्र के लिए.....न कि विरोधियों को 'गाली' देने के लिए

जयपुर। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने प्रेसवार्ता में केंद्र और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी संवैधानिक संस्थाओं और सरकारी मंचों का उपयोग विपक्ष को निशाना बनाने के लिए कर रहे हैं, जो लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है।

राजस्थान कांग्रेस अध्यक्ष डोटासरा ने कहा कि "देश के नाम संबोधन" पूरे राष्ट्र के लिए होता है, न कि राजनीतिक विरोधियों को 'गाली' देने के लिए। उन्होंने इस संबोधन को प्रधानमंत्री पद की गरिमा के विरुद्ध बताकर कहा कि सरकारी तंत्र का इस्तेमाल चुनावी लाभ के लिए करना लोकतंत्र के लिए बहुत शर्मनाक है।

महिला आरक्षण के मुद्दे पर उन्होंने केंद्र सरकार की घेराबंदी करते हुए नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर गंभीर सवाल उठाए। उनका कहना था कि इस कानून के नाम पर जनता को भ्रमित किया जा रहा है, क्योंकि इस बिल को जनगणना और परिसीमन की प्रक्रिया से जोड़ दिया गया है। उन्होंने आशंका जाहिर की कि यह एक सोची-समझी रणनीति हो सकती है, जिससे वास्तविक क्रियान्वयन टलता रहे। इसके साथ ही कांग्रेस नेता डोटासरा ने भाजपा के "400 पार" के नारे पर कटाक्ष कर कहा कि इसके पीछे संविधान में बदलाव की मंशा छिपी हो सकती है। उन्होंने आरोप लगाया कि यदि ऐसा हुआ, तब आरक्षण और सीटों के ढांचे में मनमाने बदलाव किए जा सकते हैं, जो लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए खतरनाक होगा। जांच एजेंसियों के दुरुपयोग का मुद्दा उठाकर उन्होंने प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाइयों पर सवाल खड़े किए। उनके अनुसार, एजेंसियों का इस्तेमाल विपक्षी नेताओं पर दबाव बनाने के लिए हो रहा है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जो नेता भाजपा में शामिल हो जाता है वह 'साहूकार' बन जाता है, जबकि विरोध में रहने वालों को 'चोर' कहा जाता है। कांग्रेस अध्यक्ष डोटासरा ने दावा किया कि एनडीए और भाजपा के भीतर असंतोष बढ़ रहा है और इसी वजह से प्रधानमंत्री और सरकार विपक्ष के खिलाफ आक्रामक रुख अपना रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह सब लोकतांत्रिक मर्यादाओं को कमजोर करने वाला है और जनता आने वाले समय में इसका जवाब देगी।

ऑल इंडिया ट्रैक मेंटेनर्स कॉन्फ्रेंस में रेलमंत्री बोले

दस वर्षों में ट्रेन हादसों में आई 90 प्रतिशत कमी, अब सिंगल डिजिट का लक्ष्य

नई दिल्ली। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने ऑल इंडिया ट्रैक मेंटेनर्स कॉन्फ्रेंस में भारतीय रेलवे के भविष्य को लेकर कई बड़ी बातें कहीं। उन्होंने बताया कि पिछले दस वर्षों में रेल हादसों में करीब 90 फीसदी की कमी आई है। रेल मंत्री ने इसे एक बड़ी उपलब्धि बताया, लेकिन साथ ही कहा कि हमें यहीं नहीं रुकना है। अब सरकार का लक्ष्य रेल हादसों की संख्या को घटाकर इकाई (सिंगल डिजिट) में लाना है। उन्होंने कहा सरकार का मुख्य उद्देश्य भारतीय रेलवे के सुरक्षा स्तर को विकसित देशों के बराबर पहुंचाना है।

कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए रेल मंत्री ने पटरियों के आधुनिकीकरण को भी जरूरी बताया। उन्होंने जानकारी दी कि पिछले दस वर्षों में लगभग 36,000 किलोमीटर नई पटरियां बिछाई गई हैं। पटरियों की बेहतर देखरेख के लिए अभी रेलवे के पास करीब 1,800 ट्रैक मशीनें हैं। सरकार इन मशीनों की संख्या बढ़ाकर 3,000 करना चाहती है। जब मशीनों की संख्या 3,000 के करीब पहुंच जाएगी, तो पटरियों की जांच और मरम्मत से जुड़ी पुरानी समस्याएं काफी हद तक खत्म हो जाएंगी। रेलवे अब पटरियों की देखरेख के लिए रेल-कम-रोड व्हीकल नाम का नया मॉडल ला रहा है। इस सिस्टम में कर्मचारी अपने सभी औजार और सामान सीधे गाड़ी में लोड कर सकेंगे। सीधे ट्रैक पर जा सकेंगे और आराम से बैठकर पटरियों की जांच कर सकेंगे। इसका पायलट प्रोजेक्ट भावनगर डिवीजन में शुरू किया जा रहा है। वहां कड़ी टेस्टिंग के बाद दो रेल-कम-रोड व्हीकल तैनात किए गए हैं। यह नया तरीका पुराने और कठिन काम करने के ढंग को पूरी तरह बदल देगा। इससे काम करना ज्यादा सुरक्षित, आरामदायक और आधुनिक होगा।

इसके अलावा, पटरियों की जांच में ड्रोन तकनीक और नए तरह के गेज की मदद ली जा रही है। इन नए गेज से पटरियों के मोड़ और क्रॉसिंग की सटीक माप ली जा सकेगी। पहले जो काम अंदाजे से होते थे, अब वे पूरी सटीकता से होंगे। देश भर में अब आधुनिक ट्रैक सिस्टम लगाए जा रहे हैं। इनमें 60 किलो वाली रेल, 90 यूटीएस मजबूती वाली रेल और 207 मीटर लंबे रेल पैनल शामिल हैं। पटरियों के मोड़ पर घर्षण मुक्त स्विच लगाए जा रहे हैं और वेल्डेबल सीएमएस (डब्ल्यूसीएमएस) का इस्तेमाल बढ़ाया जा रहा है। सरकार का लक्ष्य आने वाले वर्षों में इन सभी आधुनिक तकनीकों को पूरे देश में लागू करना है।

रेल मंत्री ने जोर दिया कि रेलवे के बुनियादी ढांचे की सुरक्षा और कर्मचारियों की सुरक्षा दोनों ही समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए रक्षक नाम का एक सिस्टम लागू किया गया था, जो वीएचएफ (वीएचएफ) तकनीक पर आधारित था। हालांकि, इस सिस्टम में कुछ चुनौतियां सामने आईं। कई जगहों पर, जैसे कि घुमावदार पटरियों, पहाड़ी इलाकों या लंबी दूरी पर सिग्नल ठीक से नहीं पहुंच पाते थे।

यासीन मलिक को मौत की सजा देने की एनआईए की मांग वाली याचिका पर सुनवाई टली

नई दिल्ली। कश्मीर के अलगाववादी नेता यासीन मलिक को मौत की सजा देने की राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की मांग वाली याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई टली है। अब मामले में 21 जुलाई को सुनवाई होगी। दिल्ली हाईकोर्ट में मलिक की ओर से दाखिल जवाब पर एनआईए ने भी अपना जवाब दाखिल किया। साथ ही कहा कि सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता सुप्रीम कोर्ट में चल रहे सबरीमाला मामले में व्यस्त हैं, इसकारण सुनवाई टाल दी जाए।

दिल्ली हाईकोर्ट ने अगली सुनवाई की तारीख 21 जुलाई तय कर एनआईए के जवाब की कॉपी यासीन मलिक को देने का आदेश दिया है। गौरतलब है कि कि पूरा मामला 2017 के टेरर फंडिंग केस से जुड़ा है, इसमें मलिक पर हवाला, पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई से फंडिंग और जम्मू-कश्मीर में अशांति फैलाने के आरोप हैं। मलिक को पटियाला हाउस कोर्ट की विशेष अदालत ने 24 मई 2022 को दोषी करार देकर आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। इसके बाद एनआईए ने 2023 में फैसले को चुनौती दी थी। एनआईए ने दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर मलिक को मौत की सजा देने की मांग की है। एनआईए का दावा है कि मलिक ने 1990 के दशक में कई हत्याओं और अपहरणों में भूमिका निभाई, जिसमें वायुसेना के चार अधिकारियों की हत्या भी शामिल है। जांच एजेंसी ने सुप्रीम कोर्ट के दिशानिर्देशों का हवाला देकर कहा कि इसतरह के मामले रेयरेस्ट ऑफ रेयर श्रेणी में आते हैं और मलिक को मौत की सजा मिलनी चाहिए।

वहीं, अलगाववादी नेता मलिक ने दिल्ली हाईकोर्ट में हलफनामा दाखिल कर कहा था कि 1990 के बाद से केंद्र में सत्ता में रही छह सरकारों ने कश्मीर मुद्दे के समाधान के लिए मुझसे बात की थी। इसमें वी.पी. सिंह, चंद्रशेखर, पी.वी. नरसिम्हा राव, एच.डी. देवगौड़ा, इंद्रकुमार गुजराल, अटल बिहारी वाजपेयी और मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली सरकारें शामिल हैं।

मालेगांव ब्लास्ट केस में बड़ा मोड़ : बॉम्बे हाईकोर्ट ने चार आरोपियों को किया बरी

मुंबई। वर्ष 2006 के बहुचर्चित मालेगांव ब्लास्ट मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट ने बुधवार को एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए चार आरोपियों को बरी कर दिया। अदालत ने इनके खिलाफ आरोप तय करने वाले आदेश को रद्द कर दिया, जिसके साथ ही इन आरोपियों पर चल रहा मुकदमा भी समाप्त हो गया। हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश चंद्रशेखर और जस्टिस श्याम चांदक की डिवीजन बेंच ने यह फैसला आरोपियों द्वारा दायर अपीलों पर सुनाया। इन अपीलों में सितंबर 2025 में विशेष अदालत द्वारा पारित उस आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें आरोप तय किए गए थे। अदालत ने न केवल आरोप तय करने की प्रक्रिया पर सवाल उठाए गए तर्कों को स्वीकार किया, बल्कि मामले में सह-आरोपियों को पहले ही बरी किए जाने के पहलू को भी ध्यान में रखा। जिन चार आरोपियों को इस फैसले में राहत मिली है, उनमें राजेंद्र चौधरी, धन सिंह, मनोहर राम सिंह नरवारिया और लोकेश शर्मा शामिल हैं। हाईकोर्ट के इस निर्णय के बाद इन सभी के खिलाफ कानूनी कार्यवाही पूरी तरह समाप्त हो गई है। इससे पहले अदालत ने अपील दायर करने में हुई 49 दिनों की देरी को भी माफ कर दिया था। बेंच ने माना कि यह अपील राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) अधिनियम की धारा 21 के तहत एक वैधानिक अपील है, इसलिए देरी को स्वीकार किया जाना उचित है। गौरतलब है कि मालेगांव में 8 सितंबर 2006 को हुए सिलसिलेवार बम धमाकों में 37 लोगों की जान चली गई थी और कई अन्य घायल हुए थे।

सीबीआई ने घूसखोरी मामले में मुदावत देवुला और भरत माथुर को कोर्ट में पेश किया

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने घूसखोरी के मामले में गिरफ्तार नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) अधिकारी मुदावत देवुला और एक निजी कंपनी के अधिकारी भरत माथुर को राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश कर दिया है। तीन दिन की सीबीआई कस्टडी पूरा होने के बाद दोनों आरोपियों को अदालत में पेश किया गया।

डीजीसीए के अधिकारी देवुला और दूसरा एक बड़े कॉर्पोरेट ग्रुप के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट माथुर पर आरोप है कि ड्रोन इम्पोर्ट की परमिशन दिलाने के बदले 2.5 लाख की रिश्वत ली गई। सीबीआई ने इनके घरों और दफ्तरों पर छापे मारे, तब 37 लाख नकद, सोने-चांदी के सिक्के, और कई डिजिटल डिवाइस भी मिले। देवुला डीजीसीए के एयरवर्थिनेस डायरेक्टरेट में डिप्टी डायरेक्टर जनरल के पद पर काम करते थे। देवुला का काम यह तय करना होता है कि कोई विमान या ड्रोन उड़ान के लिए सुरक्षित है या नहीं। दूसरे गिरफ्तार शख्स माथुर एक बड़े कॉर्पोरेट ग्रुप में सीनियर वाइस प्रेसिडेंट है और एक एयरोस्पेस कंपनी से भी जुड़ा हुआ है जो ड्रोन इम्पोर्ट के कारोबार में शामिल है।

सीबीआई के मुताबिक, देवुला अपने सरकारी पद का फायदा उठाकर निजी कंपनियों से पैसे मांगते थे। एक प्राइवेट एयरोस्पेस कंपनी के ड्रोन इम्पोर्ट से जुड़े कई आवेदन डीजीसीए में लंबे समय से अटके पड़े थे। इन आवेदनों पर मंजूरी और परमिशन दिलाने के बदले उन्होंने रिश्वत मांगी थी। वहीं माथुर उस प्राइवेट कंपनी की तरफ से बिचौलिए की भूमिका में था। माथुर ने ही डीजीसीए अधिकारी और प्राइवेट कंपनी के बीच रिश्वत की यह डील करवाई। केंद्रीय जांच एजेंसी ने 18 अप्रैल को इन दोनों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया। सीबीआई ने मौके पर ही 2.5 लाख रुपए बरामद किए। सीबीआई ने अदालत से दोनों आरोपियों की 5 दिनों की कस्टडी बढ़ाने की मांग की।

देश में बढ़ रहा तापमान, मध्यप्रदेश समेत कई राज्यों में लू का अलर्ट जारी

जम्मू-कश्मीर, हिमाचल और लद्दाख में बारिश या बर्फबारी और चल सकती हैं तेज हवाएं

नई दिल्ली। आने वाले दिनों में तापमान और बढ़ सकता है पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में लू चलने की संभावना है। वहीं दूसरी ओर पश्चिम बंगाल, ओडिशा और दक्षिण भारत के कई इलाकों में गर्मी और उमस लोगों को परेशान कर सकती है। तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश के तटीय क्षेत्र, कोंकण, गोवा, गुजरात और केरल में भी चिपचिपाने वाली गर्मी पड़ेगी। कुछ जगहों पर रात में भी गर्मी बनी रहने के आसार हैं, जिससे लोगों को राहत कम मिलेगी।

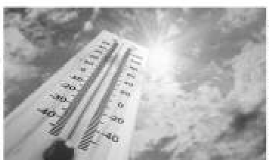

मौसम विभाग का कहना है कि इस बार सामान्य से ज्यादा दिन लू चल सकती है। खासतौर पर उत्तर भारत के मैदानी इलाकों, पूर्वी तट और पश्चिम भारत के कुछ हिस्सों में तापमान 40 डिग्री से ऊपर जा सकता है। गर्मी से बचाव के लिए विभाग लगातार अलर्ट जारी कर रहा है। खासकर बाहर काम करने वाले लोगों जैसे रेहड़ी-पटरी वाले और खेतों में काम करने वाले मजदूरों को मोबाइल और अन्य माध्यमों से जानकारी दी जा रही है, ताकि वे सावधानी बरत सकें। जहां एक तरफ गर्मी बढ़ रही है, वहीं देश के कुछ हिस्सों में मौसम बदलने के संकेत भी हैं।

मौसम विभाग के मुताबिक जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और लद्दाख में बारिश या बर्फबारी के साथ गरज-चमक और तेज हवाएं चल सकती हैं। पूर्वोत्तर राज्यों जैसे असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड और मणिपुर में भी आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और विदर्भ के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश और तेज हवाएं चल सकती हैं, जिससे थोड़ी राहत मिल सकती है।

दिल्ली में आने वाले दिनों में गर्मी और तेज होगी। मौसम विभाग के मुताबिक अगले पांच दिनों में अधिकतम तापमान में 2 से 3 डिग्री बढ़ सकता है, जिससे हीटवेव जैसे हालात बनेंगे। इस दौरान तापमान सामान्य से ऊपर या काफी ज्यादा रह सकता है। मौसम विभाग ने लोगों को दोपहर के समय धूप में कम निकलने और सावधानी बरतने की सलाह दी है।

सरकार ने एविएशन फ्यूल में एथेनॉल मिलाने की दी मंजूरी

कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता कम होगी; गडकरी बोले-100 प्रतिशत ब्लेंडिंग का टारगेट

नई दिल्ली। सरकार ने एविएशन सेक्टर में प्रदूषण कम करने और महंगे कच्चे तेल के आयात को घटाने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने एविएशन टर्बाइन फ्यूल में एथेनॉल ब्लेंडिंग को मंजूरी दे दी है। इसके लिए सरकार ने नोटिफिकेशन जारी कर एटीएफ मार्केटिंग नियमों में बदलाव किया है। इस फैसले से न केवल हवाई यात्रा क्लीन होगी, बल्कि भारत की विदेशी तेल पर निर्भरता भी कम होगी।

मंत्रालय के नोटिफिकेशन के अनुसार, अब एविएशन टर्बाइन फ्यूल की परिभाषा को अपडेट किया गया है। अब एटीएफ में हाइड्रोकार्बन के साथ-साथ सिंथेसाइज्ड कंपोनेंट्स (जैसे एथेनॉल) को भी शामिल किया जा सकेगा। यह भारतीय मानकों के अनुरूप होगा। सरकार का यह बदलाव अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ रहे सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल के चलन को ध्यान में रखकर किया गया है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने इस फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि देश को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनना होगा। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में भारत को 100 प्रतिशत एथेनॉल ब्लेंडिंग का लक्ष्य रखना चाहिए। हमें फॉसिल फ्यूल (जीवाश्म ईंधन) पर अपनी निर्भरता को पूरी तरह खत्म करने की जरूरत है। गडकरी लंबे समय से फ्लेक्स-फ्यूल और ग्रीन हाइड्रोजन के इस्तेमाल पर जोर दे रहे हैं। भारत अपनी जरूरत का करीब 87 प्रतिशत कच्चा तेल विदेशों से आयात करता है। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के कारण अक्सर तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव बना रहता है, जिसका सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ता है।

ग्रामीणों की प्रशासन को चेतावनी

शराब दुकान हटाओ, नहीं तो जला देंगे

सालेटेका गांव से 50 ग्रामीण पहुंचे कलेक्ट्रेट, स्कूल-स्वास्थ्य केंद्र के बीच चल रही शराब दुकान हटाने की मांग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। हट्टा क्षेत्र के ग्राम सालेटेका में संचालित शराब दुकान को लेकर ग्रामीणों का विरोध लगातार बढ़ता जा रहा है। मंगलवार 22 अप्रैल को गांव के लगभग 40 से 50 महिला-पुरुष रैली निकालकर कलेक्टर कार्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपते हुए गांव के बीच संचालित हो रही शराब दुकान को अन्य स्थान पर स्थानांतरित करने की मांग की। ग्रामीणों का कहना है कि गांव के बीच शराब दुकान संचालित होने से आए दिन विवाद की स्थिति निर्मित हो रही है। शराब के सेवन के बाद असामाजिक तत्व गांव में माहौल खराब करते हैं, जिससे ग्रामीणों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ज्ञापन सौंपने के दौरान ग्रामीणों ने प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द ही शराब दुकान को अन्यत्र स्थानांतरित नहीं किया गया, तो वे दुकान को आग के हवाले कर देंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। ग्रामीणों ने बताया कि शराब दुकान के कारण उनका सामान्य जीवन भी प्रभावित हो रहा है। आए दिन होने वाले विवाद, झगड़े और असामाजिक गतिविधियों से महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग खासे परेशान हैं।

बीते कुछ दिनों से जिले सहित ग्रामीण अंचलों में यह लगातार देखने को मिल रहा है कि अब महिलाएं बड़ी संख्या में शराब दुकानों के स्थान परिवर्तन को लेकर खुलकर सामने आ रही हैं। शहर हो या ग्रामीण क्षेत्र, महिलाएं शराब दुकान हटाने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रही हैं और थाना घेराव की चेतावनी भी दे रही हैं। शहर के वार्ड क्रमांक 25 और बूढ़ी वार्ड क्रमांक 12 में महिलाओं का अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन पहले से जारी है। वहीं अब ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाएं भी जिला मुख्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंप रही हैं और शराब दुकानों को हटाए जाने की मांग कर रही हैं। ऐसा ही एक मामला हट्टा क्षेत्र के ग्राम सालेटेका से सामने आया है। 22 अप्रैल को ग्राम सालेटेका से महिलाओं एवं पुरुषों ने बड़ी संख्या में रैली निकाली और जिला मुख्यालय पहुंचकर कलेक्टर कार्यालय में ज्ञापन सौंपा। इस दौरान महिलाओं ने बताया कि ग्राम सालेटेका में बीते कई वर्षों से गांव के बीचों-बीच शराब दुकान संचालित हो रही है, जिसके कारण आए दिन शराबियों का जमावड़ा लगा रहता है। शराब के नशे में लोग गाली-गलौज करते हैं और विवाद की स्थिति निर्मित करते हैं, जिससे गांव का माहौल लगातार बिगड़ता जा रहा है।

शराब दुकान को आग के हवाले कर देंगी - मनीषा बिसेन

गांव की सरपंच मनीषा बिसेन और सविता बिसेन ने बताया कि गांव में संचालित शराब दुकान ठीक आबादी क्षेत्र के बीच स्थित है। इसी स्थान पर स्कूल और स्वास्थ्य केंद्र भी मौजूद है, जहां से आम लोगों का लगातार आना-जाना बना रहता है। रिहायशी क्षेत्र होने के बावजूद यहां सुबह से देर रात तक शराबियों का जमावड़ा लगा रहता है। उन्होंने बताया कि शराब पीने के बाद लोग गांव के बीचों-बीच हुड़दंग करते हैं, जिससे महिलाओं को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। कई बार नशे की हालत में लोग घरों के सामने पहुंचकर महिलाओं से अभद्र व्यवहार करते हैं, जिसके कारण ग्रामीणों का जीवन प्रभावित हो रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि शराब दुकान को तत्काल हटाया जाए। उनका कहना है कि यदि जल्द ही शराब दुकान का स्थान परिवर्तन नहीं किया गया तो गांव का माहौल और अधिक बिगड़ सकता है। महिलाओं ने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन ने समय रहते कार्रवाई नहीं की तो वे शराब दुकान को आग के हवाले कर देंगी, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

दुकान को हटाकर अन्य स्थान पर संचालित किया जाए - तोमेश्वर

महिलाओं के साथ पहुंचे सूबेदार तोमेश्वर राहंगडाले ने बताया कि हाल ही में एक शराबी ने नशे की हालत में वाहन चलाते हुए एक बच्ची को टक्कर मार दी, जिससे वह घायल हो गई। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में सड़क दुर्घटनाओं की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि शराब के कारण महिला उत्पीड़न की घटनाएं बढ़ रही हैं और कई परिवार टूटने की कगार पर पहुंच गए हैं। इसलिए ग्रामीण चाहते हैं कि शराब दुकान को हटाकर किसी अन्य स्थान पर संचालित किया जाए। सूबेदार राहंगडाले ने बताया कि शराब दुकान के कारण स्कूल जाने वाले बच्चे और अन्य लोग भी प्रभावित हो रहे हैं। युवा पीढ़ी तेजी से शराब की ओर बढ़ रही है। जिस स्थान पर वर्तमान में शराब दुकान संचालित हो रही है, वहां स्कूल, स्वास्थ्य केंद्र और मंदिर भी स्थित है तथा यह पूरा क्षेत्र रिहायशी है। ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन से नियमों के तहत शराब दुकान का स्थान परिवर्तन करने की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं की गई तो ग्रामीण आक्रोशित होकर शराब दुकान को आग के हवाले कर देंगे, जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

कीटनाशक के सेवन से जिला अस्पताल में भर्ती एक महिला की मौत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कीटनाशक दवाई के सेवन से जिला अस्पताल में भर्ती एक महिला की, इस अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतिका श्यामवती पति धीरसिंह मर्सकोले 55 चटरीटोला थाना परसवाड़ा निवासी है। जिला अस्पताल पुलिस ने इस महिला का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार श्यामवती अपने परिवार के साथ खेती मजदूरी करती थी। जिसके परिवार में एक बेटा और तीन बेटी है दो बेटी और बेटे की शादी हो चुकी है। बताया गया है कि सात आठ माह से श्यामवती की तबीयत खराब रहती थी। परिवार के लोग इलाज करवाते रहते थे। 21 अप्रैल को सुबह श्यामवती का पति धीरसिंह मजदूरी करने बल्लारशाह चला गया था। शाम को बहू और बेटे शादी में चली गए थे। श्यामवती अपनी छोटी बेटी आशिका के साथ घर में थी। रात्रि 8:00 बजे करीब श्यामवती ने घर में रखी कीटनाशक दवाई का सेवन कर ली और वह घर में उल्टी कर रही थी ।जिसे उल्टी करते हुए उसकी बेटी आशिका ने देखी और अपने भाई यशवंत को फोन करके बुलाई। श्यामवती को परिजनों ने तुरंत परसवाड़ा के अस्पताल में भर्ती किए थे। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया था ।जहां उपचार के दौरान रात्रि में उसकी मौत हो गई। 22 अप्रैल को जिला अस्पताल पुलिस ने श्यामवती का शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए। संभावना व्यक्त की गई है की श्यामवती ने बीमारी से परेशान होकर कीटनाशक दवाई का सेवन कर ली ।जिला अस्पताल पुलिस ने धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर मर्ग डायरी अग्रिम कार्रवाई हेतु घटना स्थल से संबंधित पुलिस थाना परसवाड़ा भिजवा दी है।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेढ़ापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट